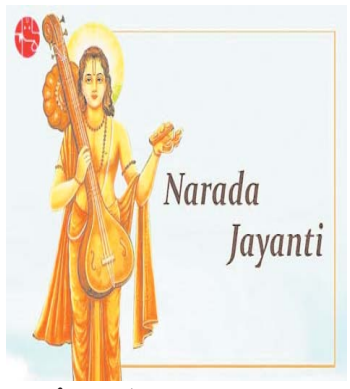

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 53/ अंक 282/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शनिवार 25 मई 2024 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

छत्तीसगढ़ के बेमेतरा में बारूद फैक्ट्री में धमाका, कई लोगों के मारे जाने की आशंका

बेमेतरा। छत्तीसगढ़ के बेमेतरा जिले में स्थित एक बारूद फैक्ट्री में बड़ा धमाका हुआ है। ब्लास्ट में करीब 10 से 12 लोगों के मरने और घायल होने की खबर है। बताया जा रहा है कि मलबे में कई लोग दबे हो सकते हैं। घटना किया जा रहा है। कुछ घायलों को बेहतर उपचार के लिए रायपुर लाया जा राह है। बेरला ब्लॉक के ग्राम बोरसी का यह पूरा मामला है।

ब्लास्ट से एक की मौत, 6 का इलाज जारी : बताया जा रहा है कि सुबह 6 से 7 बजे के बीच हादसा

बेरला ब्लॉक के ग्राम बोरसी में स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड बारूद फैक्ट्री की है। हादसे के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। ब्लास्ट के बाद फैक्ट्री के आसपास लोगों की भीड़ जमा है। घटना में घायल हुए कुछ लोगों को रायपुर के मेहाकारा रेफर किया गया

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। फिलहाल फैक्ट्री से घायलों को निकालने का काम हुआ है। बताया जा रहा है कि सुबह 6 से 7 बजे के बीच हादसा हुआ है। ब्लास्ट के बाद फैक्ट्री के आसपास लोगों की भीड़ जमा है। रायपुर के मेहाकारा अस्पताल में 7 लोगों को लाया गया है, जिसमें एक की मौत हो गई। वहीं 6 लोगों का इलाज चल रहा है। इसके अलावा रायपुर एम्स और नजदीकी अस्पताल में भी कई लोगों को भर्ती कराया गया है। जहां पर इलाज जारी है।

पीएम मोदी बोले- इंडी गठबंधन वालों ने दलित-पिछड़ों का हक लूटा, धार्मिक आधार पर बांटा

पटना। पटना में भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में आयोजित जनसभा में एक बार फिर पीएम मोदी ने विपक्ष पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन वालों ने रातों-रात मुसलमानों को ओबीसी घोषित कर दिया। यह लोग पूरे देश में धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। मैं एससी-एसटी और ओबीसी परिवार को गारंटी देता हूं कि जब तक मोदी जिंदा है, तब तक मैं एससी-एसटी और ओबीसी परिवार का हक छिनने नहीं दूंगा। इंडी गठबंधन को अपने वोट बैंक की गुलामी करनी है तो करे। उनको वहां जाकर जो करना है तो करे। मैं एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण के साथ डटकर खड़ा हूं

और हमेशा रहूंगा। जब तक जान है लड़ता रहूंगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी रामकृपाल यादव को वोट देने की अपील की।

पीएम मोदी ने कहा कि सीएम नीतीश कुमार ने नेतृत्व में एनडीए सरकार बिहार को पटरी पर ले आई। आने वाले पांच साल में हमें और भी विकास कार्य करने हैं। आने वाले पांच साल भारतीय रेल के आधुनिकीकरण के स्वर्णिम साल होने वाले हैं। कुछ लोगों को राम से घोर विरोध है। वह रामकृपाल नाम का भी विरोध करेंगे। इसलिए मैं आपसे आशीर्वाद मांगने आया हूं। कमल पर पड़ा वोट सीधे मोदी के खाते में जाएगा।

अंधेरे में इन लुटेरों ने आपके हक को लूटा है

बिहार की इस धरती ने सामाजिक न्याय को लेकर पूरे देश को दिशा दिलाई। एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण के लिए बिहार ने लंबी लड़ाई लड़ी है। राजद, कांग्रेस और इंडी गठबंधन के दल इन लोगों के साथ बहुत बड़ा विश्वासघात कर रहे हैं। हमारा संविधान कहता है भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। बाबा साहेब आंबेडकर कहते थे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होगा। लेकिन, राजद और कांग्रेस वोट जिहाद करते हैं। वह लोग अपने खास वोट बैंक को धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। जब मैंने इनकी साजिश का पर्दापाश किया तो एक-एक बार एससी-एसटी और ओबीसी आरक्षण विरोध करतूतें सामने आने लगी। राजद और कांग्रेस ने मिलकर मेरे यादव, कुर्मी, कुशवाहा, कलवार, तेली, सूरी, कानू, निषाद, पासवान, रविदास, मुसहर परिवारों के हक पर डाका डाला। अंधेरे में इन लुटेरों ने आपके हक को लूटा है। इन जातियों के आरक्षण का कोटा कमकर अपने वोट बैंक को दे दिया। एससी-एसटी और ओबीसी का हक छीनकर इन्हें दे दिया।

लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान

राष्ट्रपति मुर्मू, सोनिया, राहुल, विदेशमंत्री जयशंकर, केजरीवाल ने डाले वोट

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छठे चरण में अब तक 39.13 फीसदी मतदान हो चुका है। सबसे ज्यादा 54.80 फीसदी मतदान बंगाल में हुआ है, जबकि दिल्ली में सबसे कम 34.37 फीसदी वोटिंग हुई है। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर शनिवार को एक पोस्ट किया है। उन्होंने बांकुड़ा जिले रघुनाथपुर में 5 ईवीएम पर भाजपा का टैग लगे होने का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग ने इस पर कहा- वोटिंग शुरू होने से पहले कैंडिडेट के एजेंट साइन करते हैं। इन सेंटर्स पर टीएमसी के एजेंट मौजूद नहीं थे, इसलिए सिर्फ भाजपा एजेंट्स के साइन हैं।

आज सुबह 7 बजे से ही वोटिंग शुरू हो गई है और यह शाम 6 बजे तक चलेगी। लोकतंत्र के इस पर्व में भागीदारी करने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, डॉ. एस जयशंकर, हरदीप सिंह पुरी, आतिशी, बांसुरी स्वराज, हर्ष मल्होत्रा समेत कई नेता मतदान केंद्र पहुंचे और वोटिंग की। इनके अलावा दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा और पूर्व भारतीय क्रिकेटर गौतम गंभीर ने भी आज अपना मतदान किया। राष्ट्रपति द्रोपती ने आज सुबह मतदान केंद्र पहुंच कर मतदान किया और अपनी मतदान करने के बाद अपनी स्याही लगी हुई ऊँगली दिखाई।

सोनिया गांधी और राहुल गांधी सुबह करीब 9.30 बजे मतदान करने पहुंचे। यह पहला मौका है जब गांधी परिवार ने गैर कांग्रेसी उम्मीदवार को वोट किया है। इसी तरह प्रियंका वाड्रा और उनके बच्चों ने भी इसी सीट पर मतदान किया। दूसरी ओर, रॉबर्ट वाड्रा और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के बच्चे रेहान राजीव वाड्रा और मिराया वाड्रा को भी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए वोट डालने के लिए दिल्ली के एक मतदान केंद्र पर कतार में खड़े देखा गया।

पश्चिम बंगाल के तमलुक में वोटिंग से पहले भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ झड़प में एक टीएमसी समर्थक घायल हो गया। यहां से कलकत्ता हाईकोर्ट के पूर्व जज भाजपा के प्रत्याशी हैं। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग-राजौरी से प्रत्याशी महबूबा मुफ्ती धरने पर बैठ गईं। उन्होंने ईवीएम के साथ छेड़छाड़ और मोबाइल फोन का आउटगोइंग कॉल बंद करने का आरोप लगाया है। 2019 में इन सीटों पर सबसे ज्यादा भाजपा 40, बसपा 4, बीजेडी 4, सपा 1, जदयू 3, टीएमसी 3, एलजेपी और आजसू ने 1-1 सीट जीती थीं। कांग्रेस और आप को एक भी सीट नहीं मिली थी।

केजरीवाल की फोटो पोस्ट करके पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने लिखा- नफरत की हार होगी, केजरी बोले- अपना देश संभालें

लोकसभा चुनाव के छठे फेज की वोटिंग के दौरान दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने शनिवार सुबह अपने परिवार के साथ दिल्ली में वोट डाला, जिसकी तस्वीर उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट की। केजरीवाल की तस्वीर को फिर से पोस्ट करते हुए पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी ने लिखा- मैं कामना करता हूं कि शांति और सद्भाव से नफरत

और उग्रवाद की ताकतों की हार होगी। केजरीवाल ने फवाद चौधरी को जवाब देते हुए कहा- चौधरी साहिब, मैं और मेरे देश के लोग अपने मसलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। आपके ट्वीट की जरूरत नहीं है। इस वक्त पाकिस्तान के हालात बहुत खराब हैं। आप अपने देश को संभालें। भारत में हो रहे चुनाव हमारा आंतरिक मामला है। अतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजकों का हस्तक्षेप भारत बर्दाश्त नहीं करेगा।

वोट करने पहुंचे विदेश मंत्री जयशंकर को वोटर लिस्ट में नहीं मिला नाम, घर लौटे तो पता चला..

केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी वोटिंग करने के लिए पोलिंग बूथ पहुंचे। हालांकि, वहां करीब 20 मिनट लाइन में लगने के बाद पता चला कि उनका नाम वोटर लिस्ट में नहीं है। ऐसे में वो बिना वोट किए ही वापस घर लौट गए। घर पर उन्होंने दोबारा चेक किया तो पता चला कि उनका वोटिंग सेंटर दूसरा है। फिर दूसरे मतदान केंद्र पर उन्होंने अपना वोट डाला। साथ ही लोगों से रिकॉर्ड संख्या में वोटिंग करने की अपील भी की।

केंद्रीय मंत्री एस. जयशंकर के साथ ये पूरा घटनाक्रम शनिवार सुबह में हुआ। बताया जा रहा कि जयशंकर सुबह तुगलक लेन के जिस अटल आदर्श स्कूल में वोट डालने गए थे, वहां वोटर लिस्ट में इनका नाम ही नहीं मिला। इस दौरान वो वोटिंग के लिए करीब 20 मिनट लाइन में भी लगे रहे थे। हालांकि, जब वोटर लिस्ट में नाम नहीं मिला तो वो बाद में घर आए दोबारा चेक किया। तब किसी दूसरे सेंटर पर नाम मिला और उन्होंने वहां पहुंचकर अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया।

अपने केंद्र पर वोट करने वाले पहले पुरुष मतदाता बने जयशंकरः नई दिल्ली के डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिस की ओर से एस. जयशंकर को उस पोलिंग स्टेशन पर पहले पुरुष मतदाता बनने पर सर्टिफिकेट भी दिया गया। इसमें बताया गया कि नई दिल्ली के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र-04 को पोलिंग स्टेशन नंबर- 53 में एस. जयशंकर वोट करने वाले पुरुष मतदाता थे। खुद केंद्रीय मंत्री ने सर्टिफिकेट के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट की है।

दीपक बावरिया बोले- दिल्ली की सभी सात सीटें आप-कांग्रेस जीतेंगी

दिल्ली कांग्रेस के प्रभारी दीपक बावरिया ने शनिवार को कहा कि आप और कांग्रेस राज्य की सभी 7 सीटें जीतेंगी। लोगों में भाजपा और नरेंद्र मोदी के खिलाफ जबरदस्त गुस्सा है। बावरिया ने कहा, 2019 के लोकसभा चुनाव में नतीजों में काफी हेरफेर हुआ था। भाजपा ने पुलवामा हमले का फायदा उठाने की कोशिश की। पिछले डेढ़ साल से कांग्रेस और इंडिया ब्लॉक के प्रयास जमीनी स्तर पर पहुंच गए हैं। आज लोग कह रहे हैं मोदी हटाओ देश बचाओ।

नौतपा के साथ भीषण गर्मी का कहर, 6 राज्यों में लू का रेड अलर्ट

भोपाल में गर्मी के कारण फ्लाइट नहीं उड़ सकी; राजस्थान में 2 दिन में 13 की मौत

नई दिल्ली/भोपाल। आज 25 मई से नौतपा शुरू हो गया है। यहं 2 जून तक रहेगा। इस दौरान देश के कुछ हिस्सों में तापमान 49 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। मौसम विभाग ने आज दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात, पंजाब और हरियाणा के लिए लू (हीटवेव) का रेड अलर्ट जारी किया है। ज्योतिष के हिसाब से सूर्य कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है तब से नौ दिन तक नौ तपा होता है।

उत्तर भारत में शुक्रवार को औसत अधिकतम तापमान 49 और न्यूनतम 31 डिग्री सेल्सियस रहा। राजस्थान में गर्मी से 5 मौतें हुईं। राज्य में 2 दिन में यह आंकड़ा 13 हो गया है। भोपाल-हैदराबाद इंडिगो की फ्लाइट शुक्रवार को एक घंटे देरी से रवाना हुई। बताया गया कि बाहर का तापमान ज्यादा होने के चलते इंजन रिस्ट्रिक्टेड मोड में चला गया था। उधर, कश्मीर घाटी में भी तापमान बढ़ा है। यहां 23 मई को अधिकतम तापमान 32.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह 11 साल में सबसे ज्यादा रहा। 25 मई 2013 को 32.2 डिग्री सेल्सियस था।

राजस्थान में भीषण गर्मी के चलते अब तक 13 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में शुक्रवार को फलौदी 49 डिग्री पार करके सबसे गर्म रहा। बीकानेर, कोटा, गंगानगर, जैसलमेर, बाड़मेर का तापमान 45 पार कर गया। मौसम विभाग ने अभी 2 डिग्री तापमान और बढ़ने की चेतावनी दी है।

नौ तपा शुरू होने के साथ ही गर्मी के तेवरों में और इजाफा हो गया है। अब तक प्रदेश में गर्मी के कारण 13 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। कई जिलों में तापमान सामान्य से 2 डिग्री ऊपर दर्ज किया जा रहा है। शुक्रवार को प्रदेश में फलौदी सबसे गर्म रहा, यहां तापमान 49 डिग्री पहुंच गया। वहीं जोधपुर में 47 .6, गंगानगर 46.6, बीकानेर 45.8, बाड़मेर 48.2, जैसलमेर 48.3 तापमान दर्ज किया गया। अगले 72 घंटों में अधिकतम तापमान में और बढ़ोतरी होने की चेतावनी मौसम विभाग ने दी है। इस अवधि में जोधपुर, बीकानेर, उदयपुर और कोटा संभाग में पारा 2 डिग्री तक बढ़ सकता।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष एवं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने शनिवार को झारखंड के देवघर स्थित प्रमुख ज्योतिर्लिंग बाबा वैद्यनाथ की पूजा - अर्चना कर देश एवं प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए कामना की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद व झारखंड प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी एवं देवघर विधायक नारायण दास उपस्थित रहे।

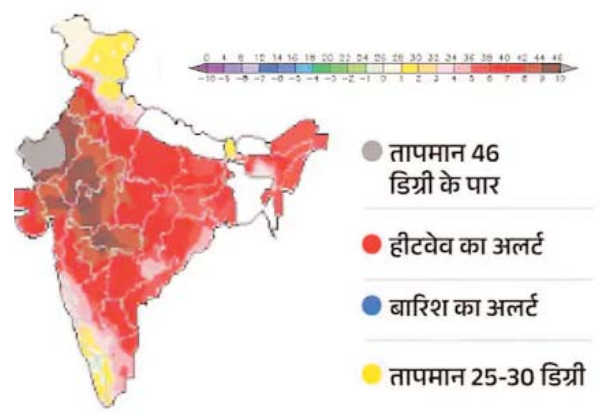

पुणे पोर्श एक्सीडेंट केस में आरोपी का दादा गिरफ्तार

पुणे। पुणे पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पोर्श एक्सीडेंट केस में शनिवार (25 मई) को नाबालिग आरोपी के दादा सुरेंद्र अग्रवाल को गिरफ्तार किया है। उस पर फैमिली ड्राइवर को बंधक बनाने का आरोप है। इस मामले में नाबालिग के पिता विशाल अग्रवाल भी आरोपी है। पुलिस ने उसे 21 मई को गिरफ्तार किया था।

क्राइम ब्रांच के अधिकारी के मुताबिक, 18-19 मई की रात हादसे के बाद आरोपी के दादा और पिता ने नाबालिग को बचाने के लिए ड्राइवर को फंसाने की प्लानिंग की थी।

ड्राइवर की शिकायत पर पुलिस ने दोनों के खिलाफ आईपीसी की धारा 365 (गलत तरीके से कैद करने के इरादे से अपहरण करना) और 368 (गलत तरीके से छिपाना या कैद में रखना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। 42 साल के ड्राइवर ने पुलिस को दिए अपने बयान में बताया कि घटना के तुरंत बाद मुझे सुरेंद्र अग्रवाल का फोन आया। वह फोन पर पहले चिल्लाए। फिर अपनी कार में जबरन बिठाकर मुझे अपने बंगले ले गए। वहां 19-20 मई तक कैद रखा।

ड्राइवर के मुताबिक, नाबालिग के पिता और दादा ने उसका मोबाइल फोन छीन लिया था। उन्होंने हादसे का इल्जाम लेने के लिए पैसे का लालच दिया और कहा कि वे उसे जल्दी ही जेल से निकाल लेंगे। दोनों ने धमकी भी दी और कहा कि इस बारे में किसी से बात की तो याद रखना। मेरी पत्नी ने मुझे छुड़ाया।

देवास में बिजली व पानी के लिए घमासान, सड़क पर उतरे लोग

देवास। जिले में चल रहे भीषण गर्मी के दौर के बीच पानी व बिजली को लेकर कई क्षेत्रों में घमासान मचा हुआ है। इसके लिए लोग सड़क पर उतर रहे हैं और विवाद भी हो रहे हैं। ऐसे ही तीन मामलों में से दो में शासकीय कार्य में बाधा, नुकसान सहित एक अन्य में मारपीट का केस दर्ज हुआ है। एक मामले में सरपंच व उसके स्वजन भी आरोपी हैं।

खातेगांव क्षेत्र के जियागांव में जल संकट को लेकर शुक्रवार को लोगों ने धरना प्रदर्शन किया। जियागांव ग्रिड पर जाकर कई गांवों की बिजली सप्लाय बंद करवा दी। बाद में बोरिंग के लिए गांव में मशीन पहुंची। रात में इस मामले में विद्युत वितरण कंपनी की ओर से खातेगांव थाने में शिकायत दर्ज करवाई गई। पुलिस के अनुसार फरियादी लोकेश विश्वकर्मा की शिकायत पर आरोपी राहुल इनानिया, सचिन इनानिया व अन्य के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा, विद्युत अधिनियम व अन्य धाराओं में केस दर्ज किया गया। बागली तहसील के पुंजापुरा के मजरे बयड़ीपुरा में जल संकट से परेशान ग्रामीणों ने पुंजापुरा आकर खाली बर्तनों के साथ ग्राम पंचायत कार्यालय के सामने धरना प्रदर्शन किया। इसी दौरान सरपंच मोहन राठौर व अन्य ने एक महिला के साथ मारपीट की।

WHO: कोविड-19 के कारण लगभग दो साल घट गई है लोगों की औसत आयु, मोटापे सहित इन बीमारियों का भी बढ़ा खतरा

वैश्विक स्तर पर जारी कोरोना महामारी को चार साल से अधिक का समय बीत गया है। इस दौरान कोरोना के वैरिएंट्स में कई बार म्यूटेशन हुआ और संक्रमितों में हल्के से लेकर गंभीर स्तर के लक्षण रिपोर्ट किए गए। कोरोना का खतरा अभी भी थमा नहीं है। हालिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वायरस में एक बार फिर से म्यूटेशन हुआ है, जिससे उत्पन्न नया सब-वैरिएंट कई देशों में संक्रमण बढ़ाता हुआ देखा जा रहा है। सिंगापुर की स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यहां पर दो सप्ताह में ही कोरोना के मामलों में 90 फीसदी से अधिक की वृद्धि रिपोर्ट की गई है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के विशेषज्ञों ने सभी लोगों को कोरोना से बचाव को लेकर लगातार सावधानी बरतते रहने की अपील की है। कोरोना के जोखिमों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बड़ी जानकारी भी साझा की है। रिपोर्ट में डब्ल्यूएचओ ने कहा

कोविड-19 के कारण वैश्विक जीवन प्रत्याशा में लगभग दो साल की कमी आ गई है। जीवन प्रत्याशा या लाइफ एक्सपेक्टेंसी उन अतिरिक्त वर्षों की औसत संख्या का अनुमान है जो एक निश्चित आयु का व्यक्ति जीने की उम्मीद कर सकता है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा, पिछले एक दशक में लाइफ एक्सपेक्टेंसी में बेहतर सुधार देखा जा रहा था। हालांकि कोविड-19 के कारण इसमें गिरावट आ गई है। संयुक्त राष्ट्र स्वास्थ्य एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में बताया कोविड-19 महामारी ने संपूर्ण स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, संक्रमण के कारण लोगों में कई प्रकार की बीमारियां भी विकसित होती देखी गई हैं। इन परिस्थितियों ने लाइफ एक्सपेक्टेंसी को बड़ा नुकसान पहुंचाया है।

कोविड-19 के कारण वैश्विक जीवन प्रत्याशा 1.8 वर्ष गिरकर अब 71.4 वर्ष रह गई है। साल 2012 में भी जीवन प्रत्याशा इसी के आसपास थी।

कामकाजी अभिभावक अब छुट्टी के दिनों में भी लगवा सकेंगे बच्चों को टीके

भोपाल । जिला वैक्सीन केंद्र में आदर्श टीकाकरण केंद्र बनाया गया है। यहां पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक टीकाकरण किया जावेगा। इस केंद्र में बच्चों को लगने वाले सभी टीकों के साथ-साथ वयस्क बीसीजी टीका भी लगाया जाएगा। केंद्र में अवकाश के दिनों में भी सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी ताकि कार्यालयों में काम करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी अपने बच्चों को टीके लगवा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि टी बी, हेपेटाइटिस बी, पोलियो, खसरा, रोटा वायरस डायरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस , टिटनेस, डिप्थीरिया , काली खांसी, हीमोफिलस इन्फ्लूएंजा, न्यूमोकोकल निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों से सुरक्षा हेतु टीका एक प्रभावी और सुरक्षित उपाय है । स्वास्थ्य संस्थाओं एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में टीकाकरण की सेवाएं नियमित रूप से निशुल्क दी जाती हैं। किंतु कई बार कामकाजी अभिभावक कार्यालयीन व्यस्तताओं के कारण वैक्सीनेशन के निर्धारित शेड्यूल पर टीका नहीं लगता पाते हैं। इसे देखते हुए जयप्रकाश चिकित्सालय परिसर स्थित जिला वैक्सीन केंद्र में आदर्श टीकाकरण केंद्र स्थापित किया गया है। जिससे की परिजन अपनी सुविधा के अनुसार आकर टीके लगवा सकें। टीके लगवाने के लिए बच्चों का टीकाकरण कार्ड लाना होगा।

शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस के 25 वर्ष पूरे होने पर सिल्वर जुबली उत्सव मनाया गया

भोपाल। भोपाल मंडल की प्रतिष्ठित ट्रेन शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12155/12156) ने अपनी 25 वर्षीय सेवा को पूरा किया। इस खास मौके पर रेलफैंस, ट्रेन के चालक दल (लोको पायलट और गार्ड), और रेलवे अधिकारियों ने रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के प्लेटफ़ॉर्म नंबर 1 पर मिलकर हर्षोल्लास के साथ जन्मदिन मनाया।

ट्रेन की महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ: शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस ने रेलवे बोर्ड द्वारा बनाए गए मानकों पर खरा उतरते हुए कई बार अवार्ड प्राप्त किए हैं। इस ट्रेन की समय की पाबंदी, उच्च स्तरीय साफ-सफाई, और उत्कृष्ट सेवाएं ने इसे यात्रियों के बीच बेहद लोकप्रिय बनाया है 2021 में इसे भारतीय रेलवे की पहली ड्रूस्ट (इंटीग्रेटेड मैनेजमेंट सिस्टम) प्रमाणित ट्रेन बनाया गया। 2018 में इसे भारतीय रेलवे की आदर्श ट्रेन का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ, जो इसकी उत्कृष्टता और सेवा की मान्यता का प्रमाण है। शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस के 25 वर्षों के सुनहरे सफर पर, रेलफैंस, यात्रियों, और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया गया। इस ट्रेन ने भारतीय रेलवे की उत्कृष्टता और समर्पण का प्रतीक बनाया है।

प्रसिद्ध समाजसेवी साबूमल रिझवानी के निधन पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने शोक व्यक्त किया

भोपाल। भोपाल के प्रसिद्ध समाजसेवी, पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रिझवानी का शुक्रवार को निधन हो गया। स्वर्गीय रिझवानी के निधन पर विधायक रामेश्वर शर्मा ने शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि - साबूमल रिझवानी जी जैसे समाजसेवी का निधन अत्यंत दु:खद है। वह केवल सिंधी समाज ही नहीं हम सभी की प्रेरणा के केन्द्र थे। उनका जाना संपूर्ण समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। समाजसेवा के क्षेत्र में उन्होंने जो योगदान दिया वह आज युवाओं के लिए भी प्रेरणा है। उनके कार्यों पर कभी भी उनकी उम्र का प्रभाव नहीं दिखा। वह वृद्ध तो थे, लेकिन उनमें एक युवा से भी अधिक ऊर्जा थी। वास्तविक अर्थों में यदि देखा जाए तो साबूमल रिझवानी जी हकीकत में एक साधु की तरह ही थे। उन्होंने जब तक जीवन जिया तो समाज के लिए जिया और जब गए तो समाज के लिए प्रेरणा बन गए। उनका व्यक्तित्व और कृतित्व हमें सदैव प्रेरणा देता रहेगा। गौरतलब है कि विधायक रामेश्वर शर्मा इस समय भाजपा की संगठन व्यवस्था के अनुरूप उड़ीसा लोकसभा चुनाव के निमित्त प्रवास पर हैं। स्व. रिझवानी जी के निधन का समाचार पाते ही उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

बैरागढ़ में हो रही बिजली गुल से लोगों में फूटा गुस्सा, रात भर जागने को मजबूर रहवासी

कांग्रेस के प्रतिनिधि मण्डल ने अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, विधायक ने लिया मामले में संज्ञान

संत हिरदाराम नगर। गर्मी के बीच बार-बार हो रही बिजली गुल की समस्या से रहवासियों को निजात नहीं मिल रही है। विगत दो रातों से लोग रात में जगने को मजबूर हो रहे हैं, गुरूवार को दूसरे दिन भी रात को करीब पांच घंटे बिजली गुल रही। भीषण गर्मी में परेशान लोगों को गुस्सा फूटा और रात को घरों से बाहर निकलकर बिजली कम्पनी के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान लोगों ने विधुत विभाग मुर्दाबाद की नारेबाजी भी की।

शुक्रवार सुबह ब्लॉक कांग्रेस कमेटी का एक प्रतिनिधि मण्डल अशोक मारण के नेतृत्व में विधुत मण्डल के अधिकारी समीर शर्मा से मिला और एक ज्ञापन भी सौंपा। उन्हें संत हिरदाराम नगर की बिजली समस्या से अवगत कराया। उन्होंने मुलाकात में कहा कि पिछले कई दिनों से संत नगर में बिजली बार-बार जाना एक आम बात हो गई है जिससे संत हिरदाराम नगर के रहवासियों का जीना मुश्किल हो गया है। बुधवार रात को संत नगर के आधे से भी ज्यादा क्षेत्रों में रात भर बिजली गुल रही। लोग सड़कों पर सो रहे थे वहीं कई मरीज भी है ऐसी भीषण गर्मी में कई मौतें भी हो रही है। अगर जल्द इससे निजात नहीं मिली तो विधुत विभाग के के सामने उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। बिजली गुल होने पर बिजली विभाग को फोन लगाया जाता है तो बहाना बनाकर बिजली मेंटिनेंस का बोला जाता है। विभाग मेंटिनेंस के नाम पर एक माह तक कटौती करता है और बढ़े हुए बिल देकर उपभोक्ताओं से सख्ती से वसूली भी करता है लेकिन फिर भी हालत खराब है।

विधायक ने लिया संज्ञान, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश: इधर, विधायक रामेश्वर शर्मा ने नागरिकों की परेशानी को देखते हुए विधुत विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से बात की। उन्होंने विधुत समस्या को लेकर अधिकारियों को स्थाई समाधान निकालने के सख्त निर्देश दिए। विधायक रामेश्वर शर्मा लोकसभा चुनाव को लेकर उड़ीसा प्रचार में गए हुए थे। यहां से लौटने के बाद उन्होंने जनता को हो रही परेशानी का संज्ञान लिया। अधिकारियों से चर्चा की। अब तुरंत पीटीआर बदलकर विधुत लोड को शिफ्ट किया जाएगा। एचटी लाईन का पीटीआर ट्रांसफार्मर बदलने के बाद बिजली गुल होने की समस्या से छूटकारा मिल जाएगा।

30 लाख की मांग कर इंजीनियर पति ने पत्नी को किया प्रताड़ित

भोपाल । नये शहर की चूना भट्टी थाना पुलिस ने विवाहिता की शिकायत पर फिरोजाबाद में रहने वाले उसके पति सहित ससुराल पक्ष के चार लोगो के खिलाफ दहेज प्रताड़ना का मामला कायम किया है। आरोप है कि इंजीनियर पति को कनाडा में नौकरी करने के लिये 30 लाख रुपये चाहिये थे, जिसकी मांग करते हुए पति सहित ससुराल पक्ष के लोग उसे प्रताड़ित कर रहे थे।

थाना पुलिस के अनुसार चूना भट्टी थाना क्षेत्र में रहने वाली 29 वर्षीय मोनल शर्मा ने शिकायत करते हुए बताया कि वह डेंटल डॉक्टर है। डेंटल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उसने नौकरी करनी शुरु कर दी थी। परिवार वालो ने उसने उसके रिश्ते के लिए एक मेट्रोमोनियल साइट पर बायोडाटा अपलोड किया था। इसके बाद फिरोजाबाद में रहने वाले उसका संपर्क शिवम शर्मा के परिवार से हुआ था। दोनो की बीच बातचीत और मुलाकात हुई इसके बाद दोनो परिवारो की सहमति से उसकी शादी 22 नवंबर, 2022 को हुई थी।

पति शिवम शर्मा पेशे से इंजीनियर हैं, फिलहाल वह हैदराबाद की एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। शादी के बाद शिवम को कनाडा की एक निजी कंपनी में काम करने का मौका मिल रहा था, लेकिन उसके लिये पति को 30 लाख रुपए की आवश्यकता थी। आरोप है कि पति शिवम सहित सास, ससुर और जेठ जिनके नाम राजेश शर्मा, अमरजीत शर्मा और छाया शर्मा बताये गये है, उसके परिवार से 30 लाख की रकम देने की मांग करने लगे। ससुराल वालो का कहना था, कि मोनल का परिवार काफी संपन्न हैं, लेकिन उन्होंने शादी के समय बेटी को कुछ नहीं दिया इसलिए अब उसके पति के कैरियर के लिए मदद करे। रकम न मिलने पर ससुराल वाले उसे लगातार प्रताड़ित करने लगे। परेशान होकर पीड़ीता भोपाल अपने परिजनो के पास आ गई। विवाहिता के परिवार वालो ने ससुराल वालो को समझाइश देने का काफी प्रयास किया लेकिन वह अपनी मांग पर अड़े रहे।

लिफ्ट लगवाने के नाम पर सेना के रिटायर्ड अफसर से लाखों की ठगी

भोपाल । बागसेवनिया पुलिस ने कोर्ट के आदेश के बाद सेना के रिटायर्ड अफसर के घर में लिफ्ट लगवाने के नाम पर रकम लेने के बाद काम अधुरा छोड़कर चंपत हुए ठेकेदार के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार एमरॉल्ड सिटी पार्क में रहने वाले हरगोवदिं तेजपाल आर्मी से रिटायर्ड हैं। करीब दो साल पहले उन्होने अपने घर में लिफ्ट लगवाने के लिये कटारा हिल्स इलाके में रहने वाले सत्यशील वालखेड़े नाम के युवक से संपर्क किया था। सत्यशील छोटे-बड़े भवनों में लिफ्ट लगाने का काम करता है। बातचीत के दौरान दोनों पक्षों के बीच हुए एग्रीमेंट के अनुसार फरियादी ने सत्यशील ने काम शुरू करने के लिये पॉच लाख की रकम दे दी। उसने काम से जुड़ा सामान साइट पर रखवाकर काम शुरु किया लेकिन जल्द ही काम बंद कर दिया। बातचीत करने पर वह जल्द ही काम दोबारा शुरु करने का कहते हुए टालमटोल करने लगा। जब कई महीनों तक सत्यशील उन्हें टरकाता रहा तब हरगोविंद तेजपाल ने सत्यशील के खिलाफ अदालत में परिवाद लगा दिया। करीब दो साल पुराने मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने पुलिस को धोखाधड़ी की धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज करने के आदेश दिए। कोर्ट के आदेश पर पुलिस ने सत्यशील के खिलाफ ठगी का प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी।

चार पुगिलसकर्मी लाइन हाजिर

भोपाल । बैरागढ़ थाने में पदस्थ एक प्रधान आरक्षक और तीन आरक्षकों को डीसीपी ने लाइन हाजिर कर दिया हैं। इन चारों पुलिसकर्मियों पर झूठे केस में फंसाने की एवज में एक लाख रुपये वसूलने के आरोप लगे थे। मामले में फरियादी ने डीसीपी को लिखित शिकायती आवेदन दिया था। जिसमें उसने बताया कि अगर उसे परेशान किया गया तो वे खुदकुशी कर लेगा। जानकारी के अनुसार विनय खूबचंदानी बैरागढ़ में रहते हैं। बुधवार को उनके घर पर कार्यक्रम चल रहा था। जहां सभी रिश्तेदार घर पर मौजूद थे। वे किसी काम से घर के बाहर खड़ी में बैठे थे। तभी देर रात थाने के प्रधान आरक्षक दीपक गुरूवानी, आरक्षक अर्जुन वर्मा, आरक्षक तरूण गौर,और आरक्षक सरवर विश्वकर्मा उनके पास पहुंचे और अपने साथ थाने ले गये। कुछ देर तक बिठाने के बाद वह सट्टा खेलने का आरोप लगाने लगे। विनय ने जब बताया कि वह इस कारोबार से दूर हैं। लेकिन पुलिस वाले उन्हें डराते रहे।

पिछड़ा वर्ग महा पंचायत में मनोज सोनी प्रांतीय उपाध्यक्ष नियुक्त

भोपाल। सामाजिक कार्यकर्ता मनोज सोनी को पिछड़ा वर्ग महा पंचायत मध्य प्रदेश के प्रांतीय अध्यक्ष राजेश विश्वकर्मा ने प्रांतीय उपाध्यक्ष नियुक्त किया उनकी इस नियुक्ति पर सेवा भारती के अमित जैन, चेतन पटेल मुकेश शर्मा, भगवानदास ढालिया,अशोक सांकले अध्यक्ष शहीद बीरबल ढालिया जन कल्याण परिषद, धीरज सोनी,विकास सोनी सुमित गर्ग दीपाली, रिंकेश सिंहल,सुदामा शर्मा मनोज हरदसानी, पारस वर्मा आदि ने वरिष्ठ नेतृत्व का आभार जताते हुए मनोज सोनी को बधाई शुभकामनाएं दी

नव युवक सभा द्वारा संचालित डी.डी. प्ले स्कूल मे समर कैंप का अयोजन

संत हिरदाराम नगर। नव युवक सभा द्वारा संचालित डी.डी. प्ले स्कूल में 1 मई से चल रहे समर कैंप का समापन किया गया। समर कैंप में विद्यार्थी व संत नगर के बच्चों ने सामूहिक रूप से भाग लिया। कैंप में डांस, आर्ट एंड क्राफ्ट, ड्रॉइंग, हिंदी व इंगलिश स्पीकिंग कोर्स व राइटिंग मे विद्यार्थियों को प्रशिक्षण दिया गया। संस्था के अध्यक्ष विष्णु गेहानी ने कहा कि गर्मियों के अवकाश में बच्चों का ध्यान मोबाइल से हटाते हुए बच्चों ने समय का सही उपयोग करते हुए अपने हुनर को निखारा है। जो भी कलाएं उन्होंने सीखी है उनको बहुत काम आएगी। समर कैंप के समापन के अवसर पर नवयुवक सभा प्रबंध समिति के अध्यक्ष विष्णु गेहनी, सचिव सुरेश राजपाल व संरक्षण वासदेव वाधवानी, प्राचार्य ज्योति चैहान, नवयुवक सभा शिक्षा समिति के पुरषोत्तम टिलवानी, ओम प्रकाश टहिलयानी, विद्यालय की इंचार्ज हेमलता संगतानी व शिक्षिकाएं उपस्थित थी।

रोहणी को समझे घड़ी का कांटा, पूरी पृथ्वी में गर्मी से नहीं है इसका नाता : सारिका घारू

भोपाल। जिस तरह घड़ी का कांटा सुबह ,दोपहर और शाम होने का अहसास कराता है ठीक उसी प्रकार नक्षत्रों की आकाशीय घड़ी में जब सूर्य रोहणी के सामने आता है तो वह मध्यभारत मे तीक्ष्ण गर्मी का समय होता है रोहणी नक्षत्र का पूरी पृथ्वी के तापमान से कोई संबंध नहीं होता है यह बात नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू कही द्यइसमें सारिका घारू ने बताया कि जब सूर्य की परिक्रमा करते हुए 365 दिन बाद पृथ्वी उस स्थिति में आ जाती है जबकि सूर्य के पीछे वृषभ तारामंडल का स्टार रोहिणी आ जाता है तो इससे पहले नौ दिन नौतपा कहलाते हैं । सारिका ने बताया कि वर्तमान पीढ़ी के लिए हर साल 25 मई को सूर्य के पीछे रोहिणी तारा आ जाता है ।सूर्य के पीछे रोहिणी तारा आने की यह घटना सन 1000 में 11 मई को हुआ करती थी संभवत: 1000 साल पहले इस अवधि में भारत के मध्य भारत में गर्मी होने से इसे नौतपा नाम दिया गया । वर्तमान मे यह घटना 25 मई को आरंभ होने लगी।

क्या रोहिणी तारा का है गर्मी से संबंध: सारिका ने बताया पृथ्वी के किसी भाग पर गर्मी वहां पड़ रही सूरज की सीधी किरणों के कारण होती है गर्मी में नक्षत्र की भूमिका रहती तो मकर रेखा में स्थित देशों में इस समय दिन का तापमान कम क्यों रहता । इस समय आस्ट्रेलिया में दिन का तापमान 18 डिग्री सेल्सियस वहीं मालदीप में 32 डिग्री के आसपास है रोहणी ,पृथ्वी से 65 लाईट इयर दूर है वो केवल किसी एक दो देश के तापमान बढ़ाने का काम क्यों करेगा द्य सूरज का रोहणी में आना केवल उस समय को एक घड़ी की तरह बताता है जब मध्य भारत में गर्मी पड़ती है।

प्रमुख सचिव ने बच्चों को बांटी चॉकलेट्स, वृद्धजनों के साथ काटा केक

दिव्यांग बच्चों और वृद्धजनों के साथ मनाया मध्यप्रदेश पर्यटन का स्थापना दिवस

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम ने शुक्रवार को अपना 46वां स्थापना दिवस दिव्यांग और वृद्धजनों के साथ अनूठे अंदाज में मनाया। निगम को भोपाल स्थित इकाईयों क्रमश: भोपाल एक्सप्रेस रेल कोच रेस्टोरेंट में आरूषि संस्था के दिव्यांग बच्चों, होटल पलाश रेसीडेंसी में अपना घर एवं आसरा संस्था के वृद्धजनों और विंड एण्ड वेव्स में बालनिकेतन के निराश्रित बच्चों को दोपहर के भोजन पर आमंत्रित किया गया।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला एवं पर्यटन विकास निगम के प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी . ने भोपाल एक्सप्रेस रेलवे कोच रेस्टोरेंट में बच्चों के बीच पहुंचें। यहां उन्हें चॉकलेट्स एवं गिफ्ट्स बांटे, साथ ही खाना परोसा। जहां एक ओर रेल कोच रेस्टोरेंट और विंड एण्ड वेव्स में बच्चों ने लजीज व्यंजनों का आनंद लेते हुए कविताएं सुनाई, वहीं पलाश रेसीडेंसी में वृद्धजनों ने शेर ओ शायरी सुनाकर माहौल खुशनुमा बना दिया। प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने बताया कि निगम के स्थापना दिवस को म.प्र. पर्यटन दिवस के रूप में मनाया जाता है। इसे यादगार बनाने हेतु यह नवाचार किया गया है। इन पुनीत सामाजिक कार्यों के अलावा एमपीटी की सभी होटल्स में डिस्काउंट ऑफर्स चलाए गए,

इधर निगम की होटल्स और रिजॉर्ट्स और रेस्टोरेंट्स में आज अन्य स्वादिष्ट व्यंजनों के साथ श्री अन्न (मिलेट्स) से बने विशेष व्यजंन जैसे कंगनी का दलिया, बाजरे का खिचड़ा, ज्वार के पराठे, कोदो की खीर आदि व्यंजन भी अतिथियों और फूड लवर्स को परोसे गए।

निगम मुख्यालय पर्यटन भवन में भी मनाया स्थापना दिवस: इससे पूर्व पर्यटन निगम के मुख्यालय पर्यटन भवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रमुख सचिव श्री शुक्ला ने निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए निगम के आगामी 50 वें स्थापना दिवस के लिए नए लक्ष्यों एवं सुविधाओं में विस्तार हेतु दिशा-निर्देश दिये। निगम के प्रबंध संचालक डॉ. इलैया राजा टी. ने भी पर्यटन निगम परिवार को शुभकामनाएं देते हुए निगम के 46 वर्षों के विकास यात्रा और उसमें योगदान देने वाले वर्तमान में कार्यरत तथा सेवानिवृत हो चुके समस्त अधिकारी कर्मचारियों के योगदान की सराहना की।

सैर सपाटा, लाइट एंड साउंड शो का लिया नि:शुल्क आनंद: निगम के प्रबंध संचालक डॉ.इलैया राजा टी ने बताया कि शहरवासियों के लिये इस दिन को यादगार बनाने हेतु विभिन्न पहल की गई। भोपाल में सैर सपाटा में पर्यटकों को मुफ्त प्रवेश दिया गया। ओरछा, ग्वालियर, चंदेरी, बुरहानपुर, इंदौर, मांडू, पचमढ़ी में मौजूद एमपीटी होटल एवं रिसोर्ट्स में ठहरे अतिथियों ने लाइट एंड साउंड शो का निःशुल्क आनंद लिया।

शैक्षणिक संस्थाओं में कौशल उन्नयन और रोजगारमूलक पाठ्यक्रम आरंभ हों: डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शैक्षणिक संस्थाओं में सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि के लिए ली बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्तर पर शालाओं से विद्यार्थियों को जोड़े रखने और सकल नामांकन अनुपात का उच्च स्तर बनाए रखने के लिए कौशल आधारित पाठ्यक्रम आरंभ करना आवश्यक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति की व्यवस्था अनुसार इस स्तर के विद्यार्थियों को क्षेत्र की आवश्यकतानुसार रेडीमेड गारमेंट, हॉर्टिकल्चर, कृषि आधारित कौशल और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों से जोड़ा जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शैक्षणिक संस्थानों में सकल नामांकन अनुपात बढ़ाने के लिए प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। मंत्रालय में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा श्रीमती रश्मि अरूण शमी, प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा श्री संजय गोयल, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य विभाग डॉ. ई. रमेश कुमार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सकल नामांकन अनुपात में वृद्धि के लिए जिला स्तरीय अधिकारियों तथा शिक्षकों के साथ मिलकर कार्ययोजना बनाकर कार्रवाई की जाए। जनजातीय जिलों के छात्रावासों के वार्डन को पढ़ाने के कार्य में लगाया जाए और हॉस्टल व्यवस्था के संचालन के लिए प्रशासक संवर्ग विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि भविष्य में एक ही छात्रावास में सभी वर्ग के विद्यार्थियों के एक साथ रहने की व्यवस्था करने पर भी विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को मिलने वाली छात्रवृत्ति में किसी भी स्थिति में विलंब न हो।

स्कूल शिक्षा विभाग, पर्यटन-संस्कृति-पुरातत्व-मैपकॉस्ट के साथ मिलकर संचालित करे गतिविधियां: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पढ़ाई में विद्यार्थियों की रूचि बढ़ाने के लिए शाला स्तर पर संवाद कार्यक्रम, विज्ञान मेले, विज्ञान यात्राएं और आओ-सीखो-जानो जैसी गतिविधियां संचालित करना आवश्यक है। स्कूल शिक्षा विभाग, मैपकॉस्ट, संस्कृति, पुरातत्व, पर्यटन विभागों के साथ मिलकर यह गतिविधियां संचालित करें।

फॉरेंसिक साईंस-पॉयलेट ट्रेनिंग-शारीरिक शिक्षा जैसे पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाविद्यालयीन स्तर पर कृषि और फॉरेंसिक साईंस जैसे विषय प्रदेश की

अधिक से अधिक संस्थाओं में आरंभ किए जाएं। स्नातक स्तर पर कृषि विज्ञान के अध्ययन से क्षेत्रीय कृषकों और उनके खेतों को भी व्यवहारिक अनुभव के लिए जोड़ा जाए। जिन जिलों में हवाई पट्टियां हैं, वहां विश्वविद्यालयों और पॉयलेट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के समन्वय से पॉयलेट ट्रेनिंग का प्रशिक्षण भी आरंभ किया जा सकता है। पैरामेडिकल से संबंधित रोजगारमूलक पाठ्यक्रम भी विश्वविद्यालयों द्वारा संचालित किए जाएं और शारीरिक शिक्षा व खेल गतिविधियों को कोर्स में सम्मिलित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शैक्षणिक संस्थाएं अपने यहाँ दीक्षांत समारोह, वार्षिक उत्सव, प्रदेश व प्रदेश के बाहर की यात्राएं और विषय-विशेषज्ञों के साथ संवाद कार्यक्रम भी आयोजित करें।

पॉलिटेक्निक और इंजीनियरिंग कॉलेजों का आंकलन और उनका उन्नयन आवश्यक: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की पॉलिटेक्निक संस्थाओं की ग्रेडिंग कर उनकी वास्तविक स्थिति का आंकलन किया जाए और उनके उन्नयन की दिशा में सार्थक प्रयास हों। परम्परागत पाठ्यक्रमों के साथ-साथ वर्तमान की आवश्यकता के अनुसार पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं। प्रदेश के इंजीनियरिंग कॉलेजों में भविष्य की माँग और चुनौतियों के अनुसार अध्ययन, शोध व प्रशिक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इंजीनियरिंग महाविद्यालयों को समन्वित रूप से डीम्ड विश्वविद्यालय बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जाएं, स्वशासी स्वरूप होने से यह महाविद्यालय आत्मनिर्भर भी बनेंगे।

5 से 15 जून तक चलेगा पेयजल संवर्धन अभियान: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में 5 से 15 जून तक पेयजल संवर्धन अभियान चलाया जाएगा, जिसके अंतर्गत पेयजल स्त्रोतों की स्वच्छता,

खरीफ के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हो: मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि खरीफ के लिए सभी स्थानों पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध हो। यह सुनिश्चित किया जाए कि कहीं भी कालाबाजारी की संभावना निर्मित न हो। प्रदेश में पर्याप्त उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए केन्द्र सरकार से निरंतर सम्पर्क किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृषकों को संतुलित उर्वरक एनपीके के उपयोग के लिए प्रोत्साहित किया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में कृषि आदान की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, कृषि उत्पादन आयुक्त श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव सहकारिता श्रीमती दीपाली रस्तोगी तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में यूरिया, डीएपी, एनपीक., एसएसपी और एमओपी उर्वरक की माँग, अब तक प्राप्त मात्रा तथा वितरण व्यवस्था की जानकारी प्राप्त की। बैठक में धान, कोदो, कुटकी, मक्का, ज्वार, बाजरा, उड़द, मूंगफली, सोयाबीन, कपास आदि के बीज की उपलब्धता की भी जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसल उपार्जन में अच्छी गुणवत्ता की पैदावार लाने वाले किसानों को सम्मानित व पुरस्कृत करने की प्रक्रिया भी आरंभ की जाए। भूमि की उर्वरकता बनाए रखने के लिए प्राकृतिक खाद के उपयोग को प्रोत्साहित करना जरूरी मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में प्राकृतिक खाद के उपयोग को बढ़ाने के लिए किसानों को प्रेरित किया जाए।

उत्पादन वृद्धि पर्याप्त नहीं है, हमें प्रसंस्करण पर काम करना होगा: प्रहलाद पटेल

मंत्री प्रहलाद पटेल ने की आजीविका मिशन के तहत किए जा रहे कार्यों पर चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता भोपाल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज मंत्रालय में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मध्य प्रदेश राज्य आजीविका मिशन के तहत किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि स्व सहायता समूह द्वारा तैयार किए जाने वाले गणवेश की गुणवत्ता का विशेष रूप से ध्यान दिया जाए, इसी के साथ ही गणवेश की सिलाई के लिए उचित प्रशिक्षण भी समूह की महिलाओं को दिया जाए। इसे और अधिक मानकीकृत बनाने के लिए टैक्सटाइल आधारित स्टार्ट अप्स को इसमें शामिल करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि विभिन्न स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पाद सिर्फ़ लोकल स्तर तक सीमित न रहे, उन्हें देश एवं विश्व स्तर पर पहचान दिलाने के लिए उनकी ब्रांडिंग की जाए और ई मार्केट के माध्यम से उनकी बिक्री कराई जाए।हमारे पारंपरिक उत्पादों को अभी भी उनकी उचित पहचान नहीं मिल पाई है। हमारे पास अपार क्षमता है, हमें इसे सुसज्जित रूप से उपयोग करने की जरूरत है। हमारे देश की अर्थव्यवस्था को यदि कोई संबल प्रदान कर सकता है तो वह हमारे देश की महिलाएँ ही है, उन्हें उनकी क्षमताओं का विस्तार करने में आजीविका मिशन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है और हमें इसे और बल प्रदान करना है।

विभागीय बजट पर चर्चा

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने आज मंत्रालय में ग्रामीण विकास विभाग के उच्च अधिकारियों के साथ विभागीय बजट पर चर्चा की। उन्होंने विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं के स्वरूप एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु बजट प्रावधान एवं अनुदान के सन्दर्भ में विभागीय अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री पटेल ने प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण,मनरेगा, प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, मुख्यमंत्री आवास मिशन, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, कृषि सिंचाई योजना सहित विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत आवंटित बजट एवं बजट प्रावधानों में की गई वृद्धि के संबंध में विस्तृत चर्चा की।मंत्री श्री पटेल ने चर्चा उपरांत आवश्यक निर्देश देते हुए कहा कि नगरीय क्षेत्रों से जुड़ी पंचायतों के समग्र विकास के लिये व्यापक विकास योजना तैयार की जाना अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके साथ ही पंचायतों में सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिले इसके लिए भी हमें नए सिरे से कार्य शुरू करना होगा। हमें विकास के साथ साथ पर्यावरण संरक्षण को अपनी योजनाओं में केंद्रित करना होगा। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अपर मुख्य सचिव मलय श्रीवास्तव, संचालक पंचायत राज मनोज पुष्प, केदार सिंह सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की कानून व्यवस्था की समीक्षा

ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित उपयोग पर रोक के अधिकारियों को निर्देश

सांध्य प्रकाश संवाददाता भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि धार्मिक स्थलों पर ध्वनि विस्तारक यंत्रों के अनियंत्रित उपयोग पर रोक का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। इस संबंध में जनजागरण के लिए गतिविधियां संचालित की जाएं, रोक पर कोई समझौता नहीं होगा। खुले में मांस की बिक्री पर भी नजर और डी.जे. पर भी नियंत्रण हों। जुआं, सट्टा, प्रोपर्टी संबंधी अपराध, धोखाधड़ी और सायबर क्राइम पर प्रभावी नियंत्रण के लिए हर स्तर पर सजग और त्वरित कार्रवाई की जाए। महिलाओं के विरूद्ध अपराध करने वालों पर कठोरतम कार्रवाई हो। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी रात्रि में थानों का आकस्मिक निरीक्षण सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंत्रालय में कानून व्यवस्था की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, प्रमुख सचिव गृह श्री संजय दुबे, पुलिस महानिदेशक श्री सुधीर कुमार सक्सेना तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

गाँवों में भी लगाए जाएंगे सीसीटीवी कैमरे: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिन क्षेत्रों में अधिक आपराधिक गतिविधियां घटित होती हैं, वहाँ सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था की जाए। ऐसे ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा जनजातीय कार्य विभाग के सहयोग से सीसीटीवी कैमरे लगाने की दिशा में प्रयास हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि थानों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण से प्रदेश के दो हजार से अधिक गाँव लाभान्वित हुए हैं। इसी आधार पर जिलों की सीमाओं की विसंगतियों को दूरकर थानों की सीमाओं का भी तद्नुसार समायोजन किया जाए। अन्य राज्यों के बड़े शहरों की व्यवस्था का अध्ययन कर प्रदेश के प्रमुख शहरों की व्यवस्था के लिए प्रस्ताव प्रस्तुत किए जाएं। बैठक में बताया गया कि जनप्रतिनिधियों व अन्य वर्गों के सुझाव प्राप्त करते हुए प्रदेश के 627 थानों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया गया, जिससे 2 हजार 216 गाँवों की थानों से दूरी कम हुई।

बेहतर कार्य करने पर ऑउट ऑफ टर्न प्रमोशन में विलंब न हो: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लापरवाही करने और कर्त्तव्य के प्रति गंभीर नहीं रहने वाले पुलिसकर्मियों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएं। पुलिसकर्मियों द्वारा बेहतर कार्य के लिए प्रोत्साहन स्वरूप दिए जाने वाले आउट ऑफ टर्न प्रमोशन के मामले लंबित न रहें, उन्हें तत्काल पदोन्नति प्रदान की जाए। बैठक में बताया गया कि 15 दिसम्बर से अब तक प्रदेश में 2 हजार 926 पदोन्नतियां की गईं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सांसी, कंजर, पारधी परिवारों की अगली पीढ़ी के युवाओं को समाज की मुख्य धारा में लाने की दिशा में भी प्रयास हों।

डोडा-चूरा को फसल मानकर नीलामी की व्यवस्था की जाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष प्रदेश में चलाए गए नक्सल विरोधी अभियान और आतंकवादी गतिविधियों पर नियंत्रण व लगातार की जा रही कार्रवाई की जानकारी प्रस्तुत की गई। उन्होंने कहा कि अंतर्राज्यीय अपराधों और अन्य गैरकानूनी गतिविधियों के संबंध में प्रदेश की सीमा से लगे सभी राज्यों के साथ निश्चित समयावधि में बैठक की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि डोडा-चूरा को फसल मानकर उसकी नीलामी की व्यवस्था हो।

सायबर अपराध से लोगों को बचाने के लिए सघन जागरूकता अभियान चलाया जाए: मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि नये आपराधिक कानून लागू करने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण, जागरूकता, तकनीकी उन्नयन और नवीन पदों के सृजन की दिशा में तेजी से कार्रवाई की जाए। प्रदेश के महाविद्यालयों में फॉरेंसिक साईंस के पाठ्यक्रम आरंभ किए जाएं। सायबर अपराध से लोगों को बचाने के लिए सघन जागरूकता अभियान चलाया जाए। सुनिश्चित किया जाए कि पुलिसकर्मियों को मध्यप्रदेश पुलिस स्वास्थ्य सुरक्षा योजना का लाभ आसानी से मिलता रहे और उनके देयक लंबित न हों।

पुलिसकर्मियों को निजी आवास खरीदने के लिए दी जाने वाली अनुमति की प्रक्रिया का सरलीकरण किया जाए और आसानी से निजी आवास लेने के लिए व्यवस्था विकसित की जाएं। उन्होंने प्रत्येक जिले में पुलिस बैंड विकसित करने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर बैंड, ढोल सहित अन्य परम्परागत वाद्य यंत्रों को प्रोत्साहित करने के लिए गतिविधियां संचालित करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में आपसी सहमति से अतिक्रमण हटाने के लिए की गई कार्यवाही साम्प्रदायिक सौहार्द का आदर्श और अनुकरणीय उदाहरण है।

नाबालिक मूकबधिर लड़की से बलात्कार के आरोपी को 20 वर्ष का कारावास

भोपाल। नाबालिक मूकबधिर लड़की से बलात्कार के आरोपी को 20 वर्ष का कारावास और जुर्माने की सजा सुनाई गई। थाना गढ़ अंतर्गत दिनांक 05/2/23 को अभियोत्री 14 वर्ष शाम 7 बजे शौच हेतु घर के बाहर गई थी तभी आरोपी नीरज साकेत उसका हाथ पकड़कर टूटे आंगनबाड़ी में ले गया और अभियोक्त्री से जबरदस्ती गलत काम किया ,अभियोक्तरी गूंगी होने के कारण हल्ला न कर सकी लेकिन तभी उसकी मां और बहन ढूंढती हुई आई तो उन्होंने भी आरोपी को देखा तब वह मां को धक्का देकर भाग गया । तब अभियोक्त्री को लेकर वो घर आए और थाना गढ़ में जाकर रिपोर्ट की। अभियोक्त्री के पुलिस कथन और न्यायलयीन कथन अनुवादक के माध्यम से कराए गए। प्रकरण में अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और तर्कों से सहमत होकर तेओथर न्यायालय पॉक्सो द्वारा आरोपी को धारा 4(2)पॉक्सो और धारा (6) ट में 20 वर्ष सश्रम कारावास और 3000 जुर्माना की सजा दी गई। प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक धीरज सिंह द्वारा की गई।।

थायराइड को प्राणायाम व योग के माध्यम से जड़ से आसानी से दूर किया जा सकता है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केन्द्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि शुगर की तरह थायरायड भी महामारी का रुप लेता जा रहा है। यह बीमारी महिलाओं में अधिकतर देखने को मिलती है। लेकिन इस खतरनाक रोग पर नियंत्रण पाया जा सकता है, अगर हम नियमित योग करें। अगर आपके बाल गिरने लगे और स्किन ड्राई, हमेशा चिड़चिड़े रहना जैसे संकेत दिखे तो आप साइलेंट किलर थायराइड के शिकार हो सकते हैं। अगर कम उम्र में ही हर वक्त थकान रहे, कम खाने के बावजूद तेजी से वजन बढ़ रहा है, कम उम्र में ही बुढ़ापे के लक्षण दिखने लगें तो समझ लीजिए सेहत ठीक नहीं है। ऐसे मरीजों को लाइफस्टाइल और खानपान का विशेष ध्यान रखना होता है। दरअसल, खराब दिनचर्या और गलत खानपान इसका बड़ा कारण है। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से विश्व थायराइड दिवस हर साल 25 मई को मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य थायराइड के महत्व और रोग की रोकथाम व उपचार के बारे में जागरूक करना है।

विश्व के पहले पत्रकार है नारद: मंत्री राकेश शुक्ला

भोपाल/ भिंड/ ग्वालियर। 25 मई देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला ने देशवासियों समेत मीडिया साथियों को नारद जयंती की शुभकामनाएं दी है। मंत्री शुक्ला ने कहा कि आधुनिक पत्रकारिता के लिए देवऋषि नारद का जीवन, संवाद शैली और साहित्य रचना तीनों एक आदर्श है। विश्व के सबसे पहले पत्रकार देवऋषि नारद ही है। मंत्री शुक्ला ने कहा कि देवऋषि नारद सनातन संस्कृति के संवाहक के रूप में पहचाने जाते हैं। उनके बिना देश का कोई भी ग्रंथ पूरा नहीं होता है। वहीं दूसरी ओर देवऋषि नारद जयंती के अवसर पर मंत्री राकेश शुक्ला ने देश-प्रदेशवासियों एवं मीडिया साथियों से अपील की है कि इस भीषण गर्मी में अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें।सुबह जब घर से काम के लिए निकले तो पहले कुछ खाएं और गर्मी से बचाव के लिए खूब पानी पीते रहे।

एम्स में विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाया

सांध्य प्रकाश संवाददाता भोपाल

एम्स भोपाल के मनोरोग विभाग और नर्सिंग कॉलेज द्वारा आज विश्व सिज़ोफ्रेनिया दिवस मनाया गया। इस अवसर पर एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक और सीईओ प्रो. (डॉ.) अजय सिंह, ने कहा कि गंभीर मानसिक बीमारियों के बारे में जागरूकता पैदा करना जरूरी है। सिजोफ्रेनिया से पीड़ित लोगों के परिवार के सदस्यों को समाज में अलगाव के साथ-साथ काफी बोझ का सामना करना पड़ता है। उन्होंने गंभीर मानसिक बीमारियों की शुरुआती अवस्था में पहचान करने और समय पर उपचार शुरू करने पर भी जोर दिया। प्रोफेसर सिंह ने कहा कि गंभीर मानसिक बीमारियों से पीड़ित महिलाओं पर ध्यान दिया जाना चाहिए क्योंकि आमतौर पर उन्हें बीमारियों के लिए उचित देखभाल नहीं मिलती है। हम सभी को इस कलंक को मिटाने और सिजोफ्रेनिया के अधिक से अधिक मामलों को उपचार में लाने के लिए सभी प्रयास करने की जरूरत है। उन्होंने इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ठीक हुए रोगियों और उनके देखभाल करने

वालों को सम्मानित भी किया।

मनोरोग विभाग के प्रमुख, प्रो. (डॉ) विजेंद्र सिंह ने कहा कि हमें सिज़ोफ्रेनिया वाले व्यक्तियों की समग्र देखभाल और उपचार के लिए एक समावेशी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। उन्होंने जोर दिया कि हमें गंभीर मानसिक बीमारियों से जुड़े कलंक को कम करने का लक्ष्य रखना चाहिए। उन्होंने बताया कि भारत सरकार टेली-मानस की बहुत आवश्यक सेवाएं चला रही है, जिसके माध्यम से देश और मध्य प्रदेश में टेली-मानस केंद्रों में प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और मानसिक स्वास्थ्य पेशेवरों द्वारा विशेष परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती हैं। मनोरोग विभाग और नर्सिंग कॉलेज ने सिज़ोफ्रेनिया जैसी गंभीर मानसिक बीमारियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इसमें गंभीर मानसिक बीमारियों से ठीक हुए व्यक्तियों और उनके देखभाल करने वालों द्वारा अपने अनुभव साझा करना शामिल था। नर्सिंग छात्रों ने सिज़ोफ्रेनिया के लक्षणों और उपचार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए के एक 卐मानव श्रृंखला卐 भी बनाई । इन गतिविधियों का उद्देश्य मानसिक बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को समाज में शामिल कर, समाज में गंभीर मानसिक बीमारियों से जुड़े कलंक और अलगाव से लड़ना था। इस बात पर भी चर्चा की गई कि समाज में गंभीर मानसिक स्वास्थ्य बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों के प्रति आम जनता का सकारात्मक दृष्टिकोण कैसे विकसित किया जाए । हेल्पलाइन नंबर (14416 या 1800-891-4416) चौबीसों घंटे उपलब्ध है।

एम्स में अब ला-इलाज बीमारियों का भी इलाज संभव हो सकेगा: डॉ. सिंह

सांध्य प्रकाश संवाददाता
भोपाल

एम्स में अब ला-इलाज बीमारियों का भी इलाज संभव हो सकेगा। एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रोफेसर (डॉ) अजय सिंह ने ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग के सेल और ऊतक इंजीनियरिंग प्रयोगशाला में आज 24.05.2024 को 3ष्ठ बायो प्रिंटर का उद्घाटन करते हुए कहा कि आज एम्स भोपाल में एक नया अध्याय लिखा जा रहा है। जिससे कि अब कई ला-इलाज बीमारियों का भी इलाज खोजने में सहायता मिलेगी। विशेष रूप से कैंसर जैसी घातक बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कदम होगा। 3-डी बायोप्रिंटर वर्धमान समूह से सीएसआर फंड के तहत खरीदे गए उपकरणों में से एक है। 3-डी बायोप्रिंटिंग एक उन्नत विनिर्माण प्रक्रिया है जो जीवित कोशिकाओं और बायोमटेरियल से बने बायो-इंक की परत बनाकर तीन आयामी जैविक संरचनाएं बनाती है। इस अभिनव तकनीक में पुनर्योजी चिकित्सा,

फार्मास्यूटिकल्स और बायोमेडिकल अनुसंधान सहित विभिन्न क्षेत्रों को बदलने की क्षमता है। 3ष्ठ बायो प्रिंटिंग मशीन एक किस्म का प्रिंटर है जिससे ह्यूमन टिशु यानी कि इंसान के शरीर में मौजूद टिशु निकाले जा सकते हैं। इस मशीन के द्वारा मानव स्किन यानी की त्वचा को बनाया जा सकता है। अभी तक यह केवल तभी संभव था जब कोई व्यक्ति अंग डोनेट करें या फिर किसी सर्जरी के माध्यम से टिशु को निकाला जाए। इन्हीं परेशानियों से बचने के लिए 3ष्ठ बायो प्रिंटर के द्वारा ह्यूमन स्किन बनाया जा सकता है। इस तकनीक का उपयोग रक्त वाहिकाओं हड्डियों हृदय त्वचा आदि जैसे जीवित ऊतकों को बनाने के लिए किया जा सकता है। 3ष्ठ बायो प्रिंटिंग का उपयोग करके ऊतकों को पुनर्जीवित किया जा सकता है विशेष रूप से हड्डी और त्वचा के ऊतकों के लिए इस नई तकनीक के जरिए कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज में नई क्रांति आ सकती है। प्रोफेसर सिंह ने कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी के तहत वर्धमान समूह द्वारा प्रदत्त इस 3ष्ठ बायो प्रिंटिंग मशीन के लिए उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके प्रयासों से हम स्वास्थ्य के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करेंगे और भविष्य में भी उनसे मिलने वाले सहयोग से हम लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान कर पाएंगे। एम्स भोपाल में 3ष्ठ बायो प्रिंटर की सुविधा अपने आप में पहली है। इस अवसर पर वर्धमान समूह के निदेशक श्री एस पाल के अतिरिक्त अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। इससे पूर्व उयस्थिति का स्वागत करते हुए ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग की अतिरिक्त प्रोफेसर और प्रमुख डॉ. रूपिंदर कौर ने 3-डी बायोप्रिंटिंग की परिवर्तनकारी क्षमता और स्वास्थ्य सेवा के भविष्य में इसकी उपयोगिता पर चर्चा की ।

सिल्वर स्क्रीनः भव्यता, तहजीब और आजादी के संघर्ष की मिसाल यानी हीरामंडी

हेमंत पाल

फिल्म इंडस्ट्री का पहला 'शो मैन' राज कपूर को माना जाता है, जिनके फिल्मांकन का कैनवस बहुत भव्य होता था। उनकी अधिकांश फिल्मों में ये दिखाई भी देता है कि जब किसी कथानक पर काम करते थे, तो उसमें डूब से जाते थे। उनके बाद यही नाम सुभाष घई को दिया गया। उनकी फिल्मों का कलेवर और कैनवस भी बहुत विशाल होता था। उनके बाद 'शो मैन' का खिताब मिला संजय लीला भंसाली को जिन्होंने अपनी फिल्मों को एक नया स्वरुप दिया। हम दिल दे चुके सनम, देवदास, बाजीराव मस्तानी और 'पद्मावत' जैसी उनकी फिल्मों में दर्शकों ने अलग ही भव्यता देखी। अब अपनी वही प्रतिभा वे अपनी पहली ओटीटी वेब सीरीज 'हीरामंडी' में ले आए। इस वेब सीरीज के रिलीज होने के साथ ही संजय लीला भंसाली अच्छी खासी चर्चा में हैं। खास बात यह कि उनको लेकर हो रही सारी चर्चा उनके काम के स्तर और सकारात्मक पक्ष को लेकर है। 'हीरामंडी' जैसे तवायफों के विषय को उन्होंने जिस भव्यता से फिल्माया और बारीकियों का ध्यान रखा, वो उनके काम के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

संजय लीला भंसाली अपने काम से कोई समझौता नहीं करते, यही कारण है कि उन्हें राज कपूर और सुभाष घई की तरह या यूं कहें कि उनसे कहीं ज्यादा बड़ा 'शो मैन' कहा जाता है। 'हीरामंडी' एक पीरियड कथानक है, जो 1940 और उसके आसपास के दौर की कहानी कहता है। खास बात यह भी है कि भारत के किसी शहर की नहीं, बल्कि ये बंटवारे से पहले पाकिस्तान के शहर लौहार की कहानी है। 'हीरामंडी' तवायफों का इलाका हुआ करता था, जिसे लेकर यह कहानी गढ़ी गई। वो दौर आजादी के आंदोलन का भी रहा, तो उसमें आजादी के लिए संघर्ष करने वाले क्रांतिकारियों को भी जोड़ा गया। शुरूआत के कुछ एपिसोड देखकर नहीं लगता कि 'हीरामंडी' की दो प्रतिद्वंदी तवायफों का किस्सा अंत तक आते-आते क्रांतिकारियों से जुड़ जाएगा और क्लाइमेक्स भी उसी पर केंद्रित होगा, पर हुआ यही!

संजय लीला भंसाली का कहानी को फिल्माने का अपना अलग ही तरीका है, जो 'हीरामंडी' में भी दिखाई दिया। 'हीरामंडी' सिर्फ आठ घंटे के आठ एपिसोड तक फैली लंबी कहानी ही नहीं है, इसमें बहुत कुछ ऐसा है, जो अपने आप में अनोखा कहा जाएगा। सेट की भव्यता तवायफों की पोशाक बताती है, कि संजय लीला भंसाली ने उस समय के दौर को कितनी गंभीरता से समझा और उसका फिल्मांकन किया। लेकिन, इस भव्यता से वेब सीरीज के बजट का अंदाजा नहीं लगाया जा सकता। नवाबों और महाराजाओं के उस समय काल में तवायफों की समाज में क्या जगह थी और तहजीब को लेकर उन्हें किस तरह इज्जत बख्शी जाती थी, ये 'हीरामंडी' देखकर ही पता चलता है। गौर करने वाली बात यह भी है कि फिल्म का काफी कुछ हिस्सा कम रोशनी में फिल्माया गया, जो थोड़ा खलता है। फिर भी ये निर्देशक की अपनी पकड़ है, कि वे दर्शकों को इसका अहसास नहीं होने देते।

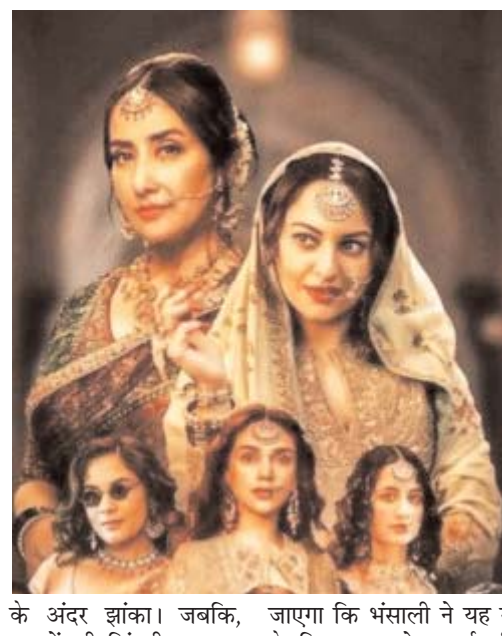

संजय लीला भंसाली के लिए तवायफों की दुनिया शुरू से ही रुचि का विषय रहा है। पहले उन्होंने 'देवदास' की चिर-परिचित कहानी को अपने अंदाज में फिल्माया। इसके बाद 'गंगूबाई काठियावाड़ी' के जरिए तवायफों की जिंदगी के दुख-दर्द के अंदर झांका। जबकि, 'हीरामंडी' भी इन्हीं तवायफों की जिंदगी का सच बखान करती है, पर कुछ अलग अंदाज में। 'हीरामंडी' की ये तवायफें अभाव में नहीं जीतीं और न किसी से डरती हैं। अंग्रेजी शासनकाल में भी उनकी दबंगता का अपना अलग ही अंदाज दिखाया गया। 'हीरामंडी' में मनीषा कोइराला और उनसे जुड़ी तवायफों के जरिए इस बाजार की शानो-शौकत को दिखाया गया है। जिसमें मनीषा कोइराला और सोनाक्षी सिन्हा की आपसी प्रतिद्वन्द्विता में बाजार पर कब्जे का संघर्ष है। इनके बीच शर्मीन सहगल को अड्डे की ऐसी लड़की बताया गया, जो तवायफों की दुनिया से निकलना चाहती है। उसे शायरी करना पसंद है, पर वो बाहर निकल नहीं पाती। वो जिसके सहारे इस दलदल से निकलने की कोशिश करती है, उसी की वजह से अंग्रेज सरकार के निशाने पर भी आ जाती है।

पहली बार परदे पर दिखाया गया कि आजादी के संघर्ष में तवायफों की भी अपनी भूमिका रही। ये वास्तव में हुआ भी या नहीं, यह तो पता नहीं! पर, संजय लीला भंसाली ने अपनी इस वेब सीरीज में जिस तरह घटनाओं के मनकों को पिरोया है, वो देखते समय तो सच जैसा लगता है। क्योंकि, कैनवास की भव्यता और कहानी की कसावट दर्शक को कुछ और सोचने का मौका ही नहीं देती। इससे यह भी प्रतीत होता है कि यदि निर्देशक की कल्पनाशीलता विशाल हो और बजट कोई मुद्दा नहीं हो, तो सामान्य से कथानक को भी भव्यता दी जा सकती है। 'गोलियों की रासलीला: रामलीला' के बाद संजय लीला भंसाली ने पीरियड और कॉस्टयूम ड्रामा को लेकर लगातार प्रयोग किए। इसके बाद बाजीराव मस्तानी, पद्मावत और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में भी कॉस्ट्यूम ड्रामा ही था। पर, 'हीरामंडी' में उसका भव्य रूप नजर आता है। यह इसलिए भव्य कहा जाएगा कि भंसाली ने यह सब डिजिटल प्लेटफॉर्म के लिए रचा। वे यथार्थ की दुनिया से लाहौर की तवायफों का स्वप्नलोक गढ़ने में सफल रहे।

संजय लीला भंसाली ने 'हीरामंडी' के जरिए उस दौर के नवाबों की दुनिया का नजारा तो दिखाया ही साथ ही तवायफों की समाज में इज्जत और उनका दबदबा भी दिखाया। 'हीरामंडी' तवायफों की वो दुनिया थी, जहां नवाबों की अय्याशी पलती थी और ये उनकी बेगमों को स्वीकार भी था। तवायफ़ों को लाहौर के इस बाजार से महफिल सजाने के लिए बुलाया जाता था। लेकिन, वैश्याओं की तरह नहीं, बल्कि नाचने-गाने वाली फ़नकारा की तरह। उन्हें मेहमान की तरह आमंत्रित किया जाता और बकायदा इज्जत बख्शी जाती। नवाबों के यहां इन्हीं तवायफों को तहजीब की पाठशाला कहा जाता था। एक दृश्य में कुदसिया बेगम (फरीदा जलाल) लंदन से पढ़कर लौटे अपने पोते ताजदार से कहती हैं 'हिंदी जुबां और रिवायतें हम नहीं सिखा सकते, इसके लिए आपको 'हीरामंडी' जाना होगा।' इस पर ताजदार कहता है कि वहां तो अय्याशी सिखाते हें। इस पर दादी कहती हैं, व्हाट नानसेंस। वहां तो सारे नवाब जाते हैं। वहां अदब सिखाते हैं, नफासत सिखाते हैं और इश्क भी।

फिल्म कलाकारों में जिस तरह आमिर खान को मिस्टर परफेक्शनिस्ट कहा जाता है, तो निश्चित रूप से संजय लीला भंसाली भी उनसे कम नहीं हैं। सोनाक्षी सिन्हा, ऋचा चड्ढा, शर्मिन सेगल, संजीदा शेख और मनीषा कोइराला जैसे कलाकारों के पास 'हीरामंडी' को लेकर कई अनुभव है जो उन्होंने वेब सीरीज रिलीज होने के बाद कई इंटरव्यू में बताए। संजय लीला भंसाली अपने काम को लेकर कितने गंभीर हैं, इस बारे में ऋचा चड्ढा ने एक इंटरव्यू में बताया कि आपने वो पोस्टर्स तो देखें होंगे, जिनमें मेरे सिर पर फूल हैं। वो फूल कई बार बदले गए। भंसाली जी हर थोड़ी देर बाद बोलते थे कि इन गुलाब को बदल दो! संजीदा शेख ने भी ऐसा ही एक अनुभव बताया कि सेट पर सिर्फ कलाकार ही एक्टिंग नहीं करते, सेट पर रखी कुर्सियां और पदों की भी अहम भूमिका होती है।

पदों की क्रीज का भी ध्यान रखा जाता है। सोनाक्षी सिन्हा ने भी संजय लीला भंसाली की तारीफ की और कहा कि उनके जैसा विजन किसी के पास नहीं है। कभी डेकोरेटिव लैंप बुझ जाता था, कभी परदे हवा से नहीं हिलते या कभी ड्रेस की ड्रेप ठीक नहीं होती तो एक ही टेक कई बार शूट किया जाता। संजय लीला भंसाली की भांजी शर्मिन सेगल ने तो अनोखी बात बताई कि शूटिंग के बाद भंसाली जी ने कैमरे में एक धागा देख लिया। दरअसल, एक क्लोजअप शॉट में ड्रेस से धागा निकलता दिख रहा था, तो उन्होंने सीन को कट किया और वो सीन फिर से शूट हुआ।

संजय लीला भंसाली ने आजादी से पहले के दौर की लाहौर की हीरामंडी की जो कहानी रची है, वो भले काल्पनिक हो, पर 'हीरामंडी' इलाका सही है। यह पाकिस्तान के लाहौर शहर का रेडलाइट एरिया है। जिसमें एक वक़्त पर हीरे, जेवरात बिका करते थे, इसलिए इसे हीरामंडी कहा जाने लगा। 'हीरामंडी' की कहानी पूरे आठ भागों में अद्भुत भव्यता से फिल्माई गई ऐसी कहानी है, जिसकी किसी और वेब सीरीज या तवायफों वाली फ़िल्मी कहानी से तुलना नहीं की जा सकती। इस वेब सीरीज ने ऐसे विषयों पर बनी और बनने वाली सभी फिल्मों के सामने एक ऊंची लाइन जरूर खींच दी कि तवायफों की फ़िल्में सिर्फ तवायफों के अड्डों और मुजरों तक सीमित नहीं होती। और भी बहुत कुछ होता है, जिसे खोजा जाना चाहिए, जैसा कि संजय लीला भंसाली ने किया।

संपादकीय

बेरोजगारी मुद्दा या समस्या...?

भले ही बेरोजगारी इस चुनाव के प्रमुख मुद्दों में अपना स्थान नहीं बना पाया, लेकिन बेरोजगारी देश की बहुत बड़ी समस्या तो बनी हुई है। हाल में केंद्र सरकार द्वारा जारी रिपोर्ट के मुताबिक इस साल जनवरी से मार्च की तिमाही मे ओवरऑल बेरोजगारी की दर बढ़ गई है। राज्यवार देखें तो इस दौरान दिल्ली में बेरोजगारी की दर सबसे कम रही, लेकिन यह तुलनात्मक विश्लेषण है।

यह सर्वे 15 से 29 साल की उम्र के बीच के व्यक्ति पर किया गया था। पिरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (पीएलएफएस) नाम की इस रिपोर्ट को केंद्र सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय ने जारी किया है। इसमें 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को शामिल किया गया है। केंद्र सरकार के इस सर्वे के मुताबिक बेरोजगारी दर की टॉप 5 पोजिशन में केरल के अलावा जम्मू और कश्मीर, तेलंगाना, राजस्थान और ओडिशा हैं। इस टॉप 5 सूची में बिहार जैसे राज्य का नाम गायब है, जबकि आप देश के किसी भी हिस्से में चले जाएं, वहां आपको बिहार का मजदूर दिख जाएगा।

इस रिपोर्ट की मानें तो आलोच्य अवधि के दौरान कुल मिला कर बेरोजगारी बढ़ी है। 15 से 29 साल की उम्र के बीच बेरोजगारी दर जनवरी-मार्च में 17 पर्सेंट थी। ये पिछली तिमाही के 16.5 पर्सेंट से ज्यादा है। हालांकि 2023 में जनवरी-मार्च के बीच बेरोजगारी दर थोड़ी ज्यादा 17.3 रेकॉर्ड की गई थी। सभी समूहों के लिए बेरोजगारी की दर 6.7 फीसदी थी जो कि पिछली तिमाही के 6.5 के मुकबाले ज्यादा है।

केंद्र सरकार की इस रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली, गुजरात और हरियाणा में बेरोजगारी की दर सिंगल डिजिट में रही। आलोच्य अवधि के दौरान दिल्ली में 3.1 फीसदी, गुजरात में 9 और हरियाणा में 9.5 फीसदी बेरोजगारी दर दर्ज की गई। बेरोजगारी की दर कर्नाटक में 11.5 और मध्यप्रदेश में 12.1 फीसदी रही।

कोरोना महामारी के बाद 15 से 29 साल की उम्र वालों के बीच बेरोजगारी की दर लगातार शीर्ष पर बनी हुई है, फिर भी इसमें कुछ सुधार हुआ है। इसकी वजह पॉलिसीमेकर्स द्वारा युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने पर जोर देना माना जा रहा है।

यह आंकड़ा राज्यों में महिलाओं के बीच बेरोजगारी की दर को भी दिखाता है। इसके मुताबिक आलोच्य अवधि के दौरान जम्मू और कश्मीर में 48.6 फीसदी, केरल में 46.6 फीसदी, उत्तराखंड में 39.4 फीसदी, तेलंगाना में 38.4 फीसदी और हिमाचल प्रदेश में 35.9 फीसदी महिलाएं बेरोजगारी की शिकार थीं। इस साल की पहली तिमाही में महिला बेरोजगारी दर 22.7 पर्सेंट रही, जो पिछली तिमाही के 22.9 फीसदी के मुकाबले 0.2 फीसदी ज्यादा है। पीएलएफएस बेरोजगारी, लेबर फोर्स की भागीदारी और लेबर पॉपुलेशन रेश्यो पर नजर रखता है। सर्वे में बेरोजगार उन्हें माना गया है जो पूरे सप्ताह काम मांगते रहे लेकिन उन्हें एक घंटे के भी लिए भी काम नहीं मिला।

इससे पहले इंटरनेशनल लेबर ऑर्गेनाइजेशन यानि आईएलओ ने इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन डेवलपमेंट (आईएचडी) के साथ मिलकर 'इंडिया एम्प्लॉयमेंट रिपोर्ट 2024' जारी की थी। इसके हिसाब से अगर भारत में 100 लोग बेरोजगार हैं, तो उसमें से 83 लोग युवा हैं। इसमें भी ज्यादातर युवा शिक्षित हैं।

आईएलओ की रिपोर्ट कहती देश के कुल बेरोजगार युवाओं में पढ़े-लिखे बेरोजगारों की संख्या भी 2000 के मुकाबले दोगुनी हुई है। 2000 में पढ़े-लिखे युवा बेरोजगारों की संख्या कुल युवा बेरोजगारों में 35.2 प्रतिशत थी। 2022 में ये बढ़कर 65.7 प्रतिशत हो गई है। इसमें उन ही पढ़े-लिखे युवाओं को शामिल किया गया है, जिन्होंने कम से कम 10वीं तक की पढ़ाई पूरी की है। आईएलओ की रिपोर्ट में वेतन के बारे में भी काफी कुछ बताया गया है. रिपोर्ट के अनुसार देश में लोगों का वेतन ज्यादातर एक जैसा रहा है, या ये घटा है। नियमित श्रमिकों और स्वरोजगार वाले व्यक्तियों के वेतन में साल 2019 के बाद नकारात्मक प्रवृत्ति देखी गई है। इतना ही नहीं बिना स्किल वाले श्रमिकों को साल 2022 में न्यूनतम वेतन तक नहीं मिला है।

टेक्नोलॉजी से जुड़े बदलावों ने कौशल और रोजगार के प्रकारों की मांग को भी प्रभावित किया है। रिपोर्ट के अनुसार हाई और मीडियम स्किल वाली नौकरियों में युवाओं का बेहतर प्रेजेंटेशन है। हालांकि, इन क्षेत्रों में नौकरी की इनसिक्योरिटी अभी भी परेशानी का सबब बनी हुई है।

रिपोर्ट में भारत के युवाओं में बुनियादी डिजिटल लिटरेसी की कमी के बारे में बताया गया है। इस वजह से उनकी रोजगार की क्षमता में रुकावट आ रही है। 90त्न भारतीय युवा स्प्रेडशीट में मैथ्स के फॉर्मूला लगाने में असमर्थ हैं। 60 प्रतिशत युवा फाइलें कॉपी और पेस्ट नहीं कर सकते हैं। वहीं 75 प्रतिशत युवा किसी अटैचमेंट के साथ ईमेल भेजने में असमर्थ हैं।रिपोर्ट महिला श्रम बल भागीदारी की कम दर के साथ लेबर मार्केट में बढ़ते जेंडर गैप के बारे में भी बात की गई है। रिपोर्ट के मुताबिक युवा महिलाओं, खासतौर पर हायर सेकेंडरी पास महिलाओं को रोजगार हासिल करने में काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

आईएलओ की रिपोर्ट को हम भले ही खारिज कर दें, लेकिन केंद्र सरकार की खुद की रिपोर्ट को तो मानना ही चाहिए। नजरअंदाज भले ही किया जा सकता है, क्योंकि इस मुद्दे पर सत्तापक्ष को वोट तो मिलने से रहे। विपक्ष ने जरूर इस चुनाव में भी बेरोजगारी को प्रमुख मुद्दों में जगह दी, लेकिन सत्तापक्ष ने लगातार इसे नकारने और जनता से दूर करने की कोशिश की। आम चुनाव में यह मुद्दा भले ही बहुत प्रभावी नहीं रहा हो, लेकिन सच्चाई यह है कि बेरोजगारी बहुत बड़ी समस्या है।

ओबीसी आरक्षण के वे फ़ैसले

-राकेश दुबे

दो दिन बीत गए जब कोलकाता उच्च न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में, 2010 के बाद, सभी ओबीसी प्रमाणपत्रों को निरस्त कर दिया । इस संबंध में सभी सूचियों को भी अवैध और अमान्य करार दिया गया हैं। दरअसल 5 मार्च, 2010 से 11 मई, 2012 तक जिन 42 वर्गों को ओबीसी प्रमाणपत्र दिए गए, उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार के उन आदेशों को भी रद्द कर दिया है।

ममता बनर्जी मई, 2011 में सत्ता में आई थीं, लिहाजा उनके कार्यकाल में भी दिए गए ओबीसी प्रमाणपत्र 'असंवैधानिक' करार दे दिए गए हैं। यकीनन यह ममता सरकार के लिए गंभीर धक्का है। अदालत के फैसले से करीब 5 लाख ओबीसी प्रमाणपत्र निरस्त हुए हैं। हालांकि जो पहले ही ऐसे आरक्षण का लाभ ले चुके हैं अथवा नौकरियों, सेवाओं में कार्यरत हैं या भर्तियों में चयन हो चुका है, वे अदालत के फैसले से अप्रभावी रहेंगे। मार्च, 2010 से पहले भी ओबीसी के 66 वर्गों में जो वर्गीकृत किए जा चुके हैं, उनसे जुड़े सरकार के कार्यकारी आदेश में भी अदालत ने हस्तक्षेप नहीं किया है, क्योंकि जनहित याचिकाओं में उनकी पहचान और वर्गीकरण को चुनौती नहीं दी गई है। अलबत्ता उच्च अदालत का जो फैसला सार्वजनिक हुआ है, उसमें मुसलमानों के ओबीसी दर्जे और आरक्षण का कोई उल्लेख नहीं है।

वैसे प्रधानमंत्री मोदी चुनाव-प्रचार में यह मुद्दा शिद्दत से उठाते रहे हैं कि कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन के घटक दल वोट बैंक और मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति करते आए हैं।अदालत का यह फैसला इंडिया गठबंधन के गाल पर करारा तमाचा है। गृहमंत्री अमित शाह की टिप्पणी है कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने वोट बैंक के लिए पिछड़े वर्गों के आरक्षण को लूटना चाहती हैं और उसे मुस्लिम समुदाय को देना चाहती हैं। ममता बनर्जी सरकार ने बिना कोई उचित सर्वे किए 118 मुस्लिम वर्गों को ओबीसी बनाया और फिर आरक्षण भी दिया। उसके लिए राष्ट्रीय पिछड़ा जाति आयोग के अधिनियम, 1993 के तहत पिछड़ा आयोग की कोई सलाह भी नहीं ली, जबकि राज्य सरकार के लिए ऐसा करना बाध्यता है।'' बहरहाल यह अपनी-अपनी राजनीति है।

अदालती फैसले में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि बंगाल में मुसलमानों या घुसपैठियों को ओबीसी का दर्जा दिया गया और फिर आरक्षण सुनिश्चित कर 'वोट बैंक' तैयार कर लिया गया। उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति तपब्रत चक्रवर्ती और न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की खंडपीठ के सामने यह मामला आया था, जिसमें ओबीसी के 77 समूहों की पहचान और वर्गीकरण को चुनौती दी गई थी। खंडपीठ ने कहा कि उन समुदायों का डाटा नहीं दिया गया, जिनके आधार पर बंगाल सरकार मानती है कि राज्य सरकार की सेवाओं में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है। एक समुदाय को सिर्फ पिछड़ेपन के आधार पर ही ओबीसी घोषित नहीं किया जा सकता। वे वैज्ञानिक और पहचान योग्य डाटा के आधार पर ही ओबीसी में हैं। समुदायों के अपर्याप्त प्रतिनिधित्व, जनसंख्या तथा अन्य अनारक्षित जमातों को भी शामिल करते हुए आकलन करना जरूरी है।

खंडपीठ का यह भी मानना था कि ओबीसी के ऐसे प्रमाणपत्र पिछड़ा वर्ग आयोग की कोई भी सलाह लिए बिना ही जारी किए गए। तृणमूल कांग्रेस के अभी तक के कार्यकाल में जितने भी ओबीसी प्रमाणपत्र दिए गए हैं, खंडपीठ ने सभी को अमान्य घोषित कर दिया है।

ओबीसी के 37 समुदायों के वर्गीकरण के संदर्भ में खंडपीठ ने 2012 के अधिनियम की धारा 16 को निरस्त कर दिया है। दरअसल यह धारा राज्य सरकार को शक्तियां देती है कि वह किसी भी अनुसूची में संशोधन कर सके। नतीजतन 37 समुदाय भी 2012 के अधिनियम की अनुसूची एक से बाहर कर दिए गए हैं। बहरहाल उच्च न्यायालय का निर्णय राजनीतिक, जातीय, सामाजिक दृष्टि से बेहद गंभीर है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अदालत का यह फैसला मानने से इंकार कर दिया है। संभवतः वह सर्वोच्च अदालत में इसे चुनौती देंगी। बेशक वह दावा कर रही हैं कि ओबीसी आरक्षण जारी रहेगा। ओबीसी आरक्षण पर अदालत ने पाबंदी नहीं थोपी है।

स्पिरिचुअल मोदी पॉलिटिक्स और बायोलॉजिकल गांधी पॉलिटिक्स

सरयूसुत मिश्रा

भारतीय दर्शन पॉलिटिक्स का शिकार हो गया है. पीएम नरेंद्र मोदी ने एक साक्षात्कार में अपने परमात्म भाव को क्या व्यक्त किया? इसका भी राजनीतिक विरोध चालू हो गया. राहुल गांधी और उनका प्रायोजित मीडिया इसको ऐसा प्रचारित करने लगा, कि मोदी अपने को ईश्वर का अवतार मानते हैं.

भारतीय दर्शन तो हर चेतना को ईश्वर का अंश मानता है. नास्तिक चिंतन ही सनातन विचारधारा का विरोधी है. सनातन के राजनीतिक विरोधी परमात्म भाव को समझ नहीं सकते. उनका सोच तो बायोलॉजिकल लोभ और सियासत से ज्यादा आगे जा नहीं सकता. वामपंथियों की जमात बायोलॉजिकल से आगे सोच भी नहीं सकती. दुर्भाग्यवश कांग्रेस, वामपंथी सोच का ही शिकार हो गई है. सबका साथ, सबका विकास और वसुधैव कुटुंबकम की स्पिरिचुअल मोदी पॉलिटिक्स को हर बात का, हर समय विरोध करना नास्तिक बायोलॉजिकल गांधी पॉलिटिक्स अपना दायित्व मानती है.

परमात्मा कोई व्यक्ति नहीं है. जिसने दुनिया और इंसान को बनाया है, निश्चित ही अस्तित्व में भगवत्ता का गुण विद्यमान है, यह गुण जिस इंसान में विद्यमान होता है, वही परमात्म भाव को महसूस करता है. भारतीय दर्शन तो कण कण में भगवत्ता के इसी गुण का दर्शन करता है. वह कोई भी व्यक्ति हो, चाहे प्रधानमंत्री ही क्यों नहीं हो, अगर उसमें ऐसे गुण और कर्म दिखाई पड़ते हैं, जिनको बायोलॉजिकल बहुमत समर्थन करता है,जिन गुणों और कर्म के कारण दुनिया का बायोलॉजिकल जगत किसी व्यक्ति को सिर माथे पर बैठाता है. जिन गुणों के कारण राष्ट्र की संप्रभुता मजबूत होती है. जिन गुणों के कारण सभी के लिए समान कानून की आशा बलवती होती है. जिन गुणों के कारण ऐसे कर्म किए जाते हैं, जिससे कि भारत का 500 साल पुराना सपना राम मंदिर का भव्य निर्माण होता है.

बायोलॉजिकल लेवल पर तो पीएम नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी भी एक हैं. लेकिन भगवत्ता के गुण के लेवल पर कोई भी दो व्यक्ति एक समान नहीं हो सकते. गुण और कर्मों का अंतर ही व्यक्ति को महान, बलवान, गुणवान बनाता है, या दीनहीन, दुर्बल, मोहवान बनाता है. राहुल गांधी और उनकी प्रायोजित मीडिया को भारतीय अध्यात्मिक दर्शन की गहराई समझने में कठिनाई होगी. परमात्मा व्यक्ति नहीं है, बल्कि उपस्थिति मात्र है. उपस्थिति का मतलब, हर व्यक्ति अपने कर्म और संस्कारों के अनुसार उसे महसूस कर सकता है. अगर नास्तिक चिंतन होगा तो ऐसा व्यक्ति हर उपस्थिति को भी कुछ पदार्थ बना देगा.और फिर उसी पदार्थ के अंधे कुएं में खुद गिर जाएगा.

हर व्यक्ति की चेतना की गहराई में उपस्थित परमात्मा ही है.और वह खुद उस व्यक्ति की अपनी उपस्थिति है. यह किसी दूसरे से मिलना नहीं है. पीएम नरेंद्र मोदी ने अगर परमात्म भाव को अपने में महसूस किया है, तो यह उनकी आध्यात्मिक यात्रा का परिणाम है. इसको राजनीति की घटिया पॉलिटिक्स से जोड़ना, बायोलॉजिकल गांधी पॉलिटिक्स ही कर सकती है.

नरेंद्र मोदी तो अपने आप को भारत कहने या मानने का साहस नहीं कर सके, इसके विपरीत बायोलॉजिकल पॉलिटिक्स इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा तक कहने का साहस किया है. भारत के अध्यात्मिक दर्शन को अगर आजादी के समय वरीयता मिलती तो शायद देश का विभाजन नहीं होता.

विश्व के शिक्षा केंद्रों नालंदा और तक्षशिला को नष्ट होने से शायद हम इसीलिए नहीं बचा सके, कि हमारी राजनीति बायोलॉजिकल ज्यादा हो गई थी. यह बायोलॉजिकल सोच है, कि बहुमत जुगाड़ने के लिए घुसपैठियों का स्वागत किया जाता है. इसके विपरीत आजादी के समय दिए गए वायदे के अनुसार पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान, बांग्लादेश से प्रताड़ित हो होकर आए हिंदुओं को नागरिकता देने के कानून का विरोध किया जाता है. इसे भारतीय दर्शन और चिंतन का विरोध ही कहा जाएगा.

भारत को पर्सनल ला पर संचालित करने की मंशा बायोलॉजिकल पॉलिटिक्स का ही प्रतीक है. अगर स्पिरिचुअल पॉलिटिक्स में भरोसा होता, तो इस तरीके की बात नहीं होती, कि कोई भी ऐसा काम किया जाए जिससे विभाजन की परिस्थितियां पैदा हो.

भारतीय दर्शन तो इंसान से इंसान को जोड़ने का दर्शन है. भगवत्ता के स्तर पर हर इंसान एक ही चेतना है. अनकॉन्शियस अलग-अलग हो सकता है, लेकिन कलेक्टिव अनकॉन्शियस एक ही होता है. कलेक्टिव अनकॉन्शियस आपस में जुड़ा हुआ है. बच्चों को कोई तकलीफ हो, तो मां हजारों किलोमीटर दूर तड़प उठती है. भारत की तो मान्यता है, कि शादियों के जोड़े जमीन पर नहीं ऊपर बनते हैं. सनातन तो पाप,पुण्य और कर्मफल में विश्वास करता है. हमारे संस्कार ही हमको परमात्मा से जोड़ते हैं. हमारी अनुभूति ही हमारी ताकत है. अगर कोई भगवत्ता की अनुभूति कर रहा हैं, तो यह उसकी चेतना के ऊर्जा की ताकत है. यह कोई आलोचना का विषय नहीं है, यह आध्यात्मिक उपलब्धि का विषय है.

भारतीय दर्शन व्यक्तियों पर नहीं साक्षी भाव और दृष्टा भाव पर टिका हुआ है. साक्षी भाव बायोलॉजिकल नहीं है, यही परमात्म भाव है. आवश्यकता केवल जागृति आने की है. जिस भी चेतना को साक्षी भाव और दृष्टा भाव की अनुभूति हो जाती है, वह सबका साथ, सबका विकास की भावना में सोचने लगता है. नास्तिक चिंतन भी चेतना के स्तर पर कलेक्टिव अनकॉन्शियस का ही हिस्सा है. अगर हमारा संस्कार आचरण और व्यवहार बायोलॉजिकल से ज्यादा, मन की गहराइयों से निकलेगा, तो उसमें भगवत्ता का गुण देखना स्वाभाविक है. सियासी संसार में नरेंद्र मोदी और राहुल गांधी अलग-अलग सोचते होंगे लेकिन, भारतीय दर्शन में तो चेतना और आत्मा के स्तर पर दोनों एक ही परमात्म भाव के हिस्से हैं. अगर दोनों के परमात्म भाव से कोई चीज निकलेगी, तो उसमें कोई भी अंतर नहीं देखा जा सकेगा.

इंसान के जीवन में सृजन ज्यादातर कलेक्टिव अनकॉन्शियस से निकलता है. चाहे नृत्य हो चित्रकला हो, संगीत हो, सब कलेक्टिव अनकॉन्शियस से ही आता है. इसीलिए इनको समझने के लिए भाषा क्षेत्र या कोई भी चीज बाधा नहीं बनती. कोई भाषा भले नहीं आती हो लेकिन उस भाषा का कोई व्यक्ति अगर नृत्य कर रहा है, तो वह दूसरी भाषा के व्यक्ति को भी समझने में कोई देर नहीं लगेगी.

सियासत में समत्व भाव आना बहुत बड़ी घटना है. क्योंकि सियासत विभाजन पर ही टिकी हुई है. बहुमत या अल्पमत विभाजन पर ही तय होता है,इसलिए सियासी ताकतें हमेशा विभाजन को ही प्राथमिकता देती हैं. भले ही वह धर्म हो, ईश्वर हो, परमात्मा हो अगर सियासत बायोलॉजिकल ढंग से सोचेगी तो, इसमें भी विभाजन ही खोजेगी.

नरेंद्र मोदी ईश्वर नहीं है. ईश्वर कोई व्यक्ति होता भी नहीं. व्यक्ति में तो संस्कार, गुण और कर्म होते हैं. गुण, कर्म और संस्कार पर ही व्यक्ति की छवि और दिशा तय होती है. कोई भी व्यक्ति अपने गुण, संस्कार और कर्म से जीवन को भगवत्ता के करीब पहुंचा सकता है. कोई अगर भगवत्ता का अनुभव कर रहा है, तो यह आलोचना का नहीं बल्कि खुशी का विषय है.

राहुल गांधी और उनके प्रयोजित मीडिया को इस बात के लिए खुश होना चाहिए, कि उनका प्रधानमंत्री भारतीय दर्शन के अनुसार अपने भीतर परमात्मा का अनुभव कर रहा है. जो भी ऐसा भाव रखेगा, वह कोई विभेद नहीं कर सकेगा. उसका सारा कर्म समत्व पर आधारित होगा. उसके कर्मों के परिणाम सकारात्मक होंगे. वह विध्वंस से ज्यादा सृजन को प्राथमिकता देगा. बायोलॉजिकल चिंतन करने वालों को इन्हीं आधार पर किसी भी व्यक्ति में भगवत्ता को अनुभव करने की प्रवृत्ति विकसित करने की आवश्यकता है.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

रायसेन जिला अध्यक्ष की दौड़ में संजय सिंह चौहान सबसे आगे

औबेदुल्लागंज । संजय सिंह ने बताया कि में 35 साल से पार्टी का सक्रिय कार्यकर्ता रहा हु। और मैने आज तक पार्टी से कुछ नही मांगा और आज भी मेरी कोई अपेक्षा नही हूँ। पार्टी ने मुझे जो भी दायित्व दिया मेने स्वीकार कर हर चुनोतियों का सामना किया वही जिले के तमाम कार्यकर्ता संजय सिंह के समर्थन में एक जुट हुए बैठे है। महिला कांग्रेस अध्यक्ष पवित्र कोर का कहना है। अगर संजय भैया को जिले का नेता बनाया तो हम मिलकर जिले 4 में से 4 सीट जीतेंगे वही युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष परेश नागर ने बताया संजय भैया हर वर्ग में घुले मीले है। वरिस्ठ तो वरिष्ठ युवा वर्ग के दिलो में भी राज करते है। विक्रांत राय और पंकज नागरानी का कहना है अगर उन्हें ये दायित्व मिलता है। तो पार्टी एक नई ऊर्जा के साथ जिले में खड़ी होगी

कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्र खेरा (पाँजी) पहुंचकर किया निरीक्षण

दमोह ~ कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर द्वारा आज आंगनबाड़ी केंद्र खेरा (पाँजी) क्रमांक 93 का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री कोचर द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में संचालित पंजियों जैसे- पूरक पोषण आहार रजिस्टर, गर्भवती महिला पंजी नंबर 05, वजन पंजी आदि पंजियों का अवलोकन किया गया। हाईरिस्क महिलाओं की पहचान एवं उनको मिलने वाली सेवाओं की जानकारी ली गई। आति कुपोषित बच्चों एवं मध्यम कुपोषित बच्चों की संख्या के बारे में जानकारी ली गई। साथ ही कलेक्टर श्री कोचर द्वारा आशा कार्यकर्ता की आशा डायरी का अवलोकन किया गया एवं ए.एन.एम. से टीकाकरण एवं व्ही.एच.एन.डी. की जानकारी ली गई। इस दौरान अंतरा फाउंडेशन द्वारा आंगनबाड़ी केंद्र में लगाए गये ग्राम खेरा (पाँजी) के मानचित्र का अवलोकन किया गया तथा उक्त मानचित्र में प्रदर्शित हो रहे गर्भवती महिला, अति कुपोषित बच्चों, मध्यम कुपोषित बच्चों, पलायन करने वाले हितग्राहियों को मानचित्र में चित्रण के आधार पर समझा गया।

गोहद चौराहा हादसे में बच्चों की मृत्यु- परिवार को मुआवजा देने की मांग

गोहद/भिंड~ गोहद चौराहा में हुए एक दर्दनाक हादसे में अपने दोनों बच्चों को खो चुके सुरेक्ष जाटव को मुआवजा देने की मांग की गई है। इस हादसे में उनके बेटे सुरेश जाटव और बेटी नन्दनी जाटव की मृत्यु हो गई थी। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है और उन दोनों मृतकों के भविष्य में परिवार की स्थिति सुधारने की आशा थी, लेकिन उनकी मृत्यु के कारण यह सम्भावना विलुप्त हो गई है। पीड़ित परिवार को 20-20 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना चाहिए।गोहद चौराहा पर हादसे की आधी सड़क पर दुकानों, टमटमों, और बसों का अतिक्रमण होता रहता है, जो तुरंत हटाया जाना चाहिए ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सके। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नैशनल हाईवे 719 के संदर्भ में सिक्स लेन बनाने की घोषणा की थी, और इसे अमल में लाने की आवश्यकता है ताकि भविष्य में होने वाली दुर्घटनाओं को रोका जा सके। अगर मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आम जनता को अनिश्चित कालीन आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

शासकीय आईटीआई में प्रवेश हेतु पंजीयन अब 10 जून तक

शहडोल -प्राचार्य संभागीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था शहडोल में जानकारी दी है कि शासकीय आईटीआई में संचालित एनसीव्हीटी/एससीव्हीटी व्यवसायों में प्रवेश हेतु पंजीयन की अंतिम तिथि अब 10 जून 2024 तक निर्धारित की गई है। इच्छुक संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम चयन हेतु की सुविधा 27 मई से 10 जून तक उपलब्ध रहेगी इच्छुक अभ्यर्थी विभाग के पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन एवं संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम चयन कर सकते हैं। प्रवेश संबंधी समस्त जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है। आईटीआई में प्रवेश के लिये रजिस्ट्रेशन एवं संस्थाओं तथा व्यवसायों की प्राथमिकता क्रम चयन हेतु किसी भी नजदीकी ऑनलाइन सहायता केंद्र पर कर सकते हैं। अधिक जानकारी हेतु विभाग के पोर्टल अथवा नजदीकी शासकीय आईटीआई में संपर्क कर सकते हैं।

सच्ची सेवा की मिसाल बनीं एएनएम रमा धूरिया

छतरपुर। सेवारूपी भाव से परिपूर्ण ये कहानी है रमा धूरिया की। जो छतरपुर जिले के बक्सवाहा में बम्होरी उप स्वास्थ्य केंद्र पर एएनएम के पद पर पदस्थ हैं। जिले के कलेक्टर संदीप जी.आर. ने विगत जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में समीक्षा के दौरान श्रीमती धूरिया के कार्यों की सराहना की गई। श्रीमती धूरिया ने बताया की वह उप स्वास्थ्य केन्द्र बम्होरी में 2010 से पदस्थ हैं। स्वास्थ्य केंद्र के अंतर्गत 8 गांव आते हैं, जिनमें लगभग 8 हजार से अधिक की आबादी है। उन्होंने बताया की केंद्र पर उनके द्वारा हर माह 25-30 गर्भवती महिलाओं की डिलेवरी की जाती है।

सादर आमंत्रण

कैलाशवासी राजमाता श्रीमन्त माधवीराजे सिंधिया जी को श्रदांजलि अर्पित करने के लिए भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमे दिल्ली के प्रख्यात भजन गायक श्री विनय वापना एवं श्रीमती उल्का वापना अपनी प्रस्तुति देंगे।

उक्त भजन संध्या में आप सादर आमंत्रित हैं।
समय शाम 6.00 बजे
दिनांक-26 मई 2024
स्थान- रानीमहल के सामने लॉन, ग्वालियर

स्वास्थ्य विभाग द्वारा खुलेआम शासन के नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

मंडला/अजीत पटेल--जिले में जहां स्वास्थ्य विभाग द्वारा खुलेआम शासन की नियमावली की धज्जियां उड़ाई जा रही है वहीं अन्य विभागों में भी लोक सेवा अधिनियम की धज्जियां उड़ाई जा रही है और इसी के साथ ही स्वास्थ्य विभाग में जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी आपसी सांठ-गांठ और संरक्षण के चलते अपनी भ्रष्टाचारी और लापरवाहियों को अपनी तिजोरी में बंद करके शासन-प्रशासन की नियमावली को ठुकराते हुए स्वयं की हिस्सेदारी का शासन चला रहे नतीजा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों द्वारा विभाग के शासकीय कर्मचारियों के 03 संताने की जानकारी छुपाई जा रही हैं जबकि सरकार के द्वारा 26 जनवरी 2001 को लोक सेवा अधिनियम पारित किया गया था जिसमे यह स्पष्ट आदेश किया गया था कि किसी भी लोक सेवक की आदेश पारित होने के पश्चात जीवित तीसरी संतान नही होनी चाहिए बावजूद इसके लगातार विभाग में शासकीय अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा इस अधिनियम को ताक में रख कर अपने वरिष्ठ कार्यालय को भ्रामक एवं झूठी जानकारी दी जा रही हैं।

जिम्मेदारों द्वारा अधिनियम के अंतर्गत नही की जा रही कार्यवाही

मंडला एक आदिवासी बाहुल्य जिला है जिसका खामियाजा लोगों को भुगतना पड़ रहा है।जिले में लोक सेवा अधिनियम को ताक में रखकर अधिकांश अधिकारी-कर्मचारियों द्वारा कार्यालयों में केवल दो ही संतान की जानकारी दी जा रही जबकि वास्तविक में दो से अधिक तीन और किसी के तो चार तक संताने है पर कार्यालय में केवल दो ही जानकारी देकर अधिकारियों को गुमराह कर रहें है और इनकी शिकायते होने के बाद भी कार्यालय में बैठे वरिष्ठ अधिकारी प्राप्त शिकायत में कार्यवाही नहीं करते हुए बल्कि जांच का हवाला देते हुए इन्हें संरक्षण देते है और अपने वरिष्ठ अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त होने के कारण इन्हें अधिनियम और शासकीय नियम से कोई भय नही है।

दो से अधिक संतान वाले मामले में न्यायालय भी सुना चुकी है फ़ैसला

लोक सेवा अधिनियम पारित होने के पश्चात जिसने अपने बच्चों की जानकारी विभाग से छिपाकर सही जानकारी नही दी है इसको लेकर पूर्व में जबलपुर हाई कोर्ट में भी कैस चला था और उस मामले में भी माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अधिनियम का हवाला देकर हुई शिकायत में कार्यवाही करते हुए उस लोक सेवक को झूठी जानकारी देने और साक्ष्य छुपाने को लेकर पद प्रथक करते हुए कार्यवाही की गई।वही इसी मामले में दमोह में भी शिकायत के बाद विभाग के द्वारा उचित कार्यवाही न होने पर शिकायतकर्ता ने माननीय न्यायालय की शरण ली जहां दमोह न्यायालय ने भी अधिनियम के तहत कार्यवाही करते हुए तीन संताने से अधिक लोक सेवक के ख़िलाफ़ कार्यवाही की है।

मंडला जिले के स्वास्थ्य विभाग में सुपरवाइजर दे रहे झूठी जानकारी

लोक सेवा अधिनियम के विरुद्ध मंडला जिले के स्वास्थ्य विभाग में अधिकांश कर्मचारी अपनी संतानों की जानकारी विभाग के समक्ष झूठी जानकारी दे रहे है,जबकि उनके दो से भी अधिक बच्चे जीवित अवस्था में है। इस मामले की शिकायत विभाग के मुखिया को दी गई तब विभाग प्रमुख द्वारा मामले को रफा-दफा करने की कीमत वसूल कर शिकायतकर्ता के खिलाफ जातिवाद, आत्महत्या तथा महिलाओं से झूठी शिकायत कराकर मामले यह मोड़ दे कर रफा-दफा कर दिया कि शिकायतकर्ता अज्ञानता फैला रहे है और अपने विभाग को झूठी भ्रामक जानकारी दे रहे है।

विभाग के इन भ्रष्टाचारीयों एवं झूठी जानकारी देने वाले लोक सेवको पर आखिर कार कब तक कार्यवाही किया जावेगा।वही जिले के बिछिया विकासखंड से स्वास्थ्य विभाग के एक लोक सेवक के द्वारा विभाग के समक्ष झूठी जानकारी देते हुए अपनी दो संतानों से भी अधिक संतानें होने का मामला सामने आया है और मामले की जानकारी को बीएमओ द्वारा छुपाने का मामला सामने आया है,जहां सुपरवाइजर ने शासन के नियमों को दरकिनार तीन बच्चों के पिता होने के बाद भी बड़े आराम से सरकारी नौकरी कर रहे है और सुपरवाइजर को अधिनियम की पूरी जानकारी होने के बाद भी आज धड़ल्ले से स्वास्थ्य विभाग में नोकरी कर रहा हैं और उसे न अधिनियम का भय है और न ही आला अधिकारियों द्वारा कार्यवाही करने का।

जब इस मामले की जानकारी बीएमओ और सीएमएचओ तथा स्वास्थ्य विभाग के संभागीय मुखिया क्षेत्रीय संचालक जबलपुर को दी गई तो उनका कहना है की 2001 के बाद अगर कोई शासकीय कर्मचारी की तीसरी संतान होती है,या फिर जिसकी तीन संतानों से अधिक है और वो गलत जानकारी देकर नौकरी करता है तो वह पूर्णतः गलत है और उस अधिकारी-कर्मचारी पर कार्यवाही निश्चित होना चाहिए।हमारे पास कोई शिकायत अथवा जानकारी यदि आती है तो हम तत्काल संबंधित सीएमएचओ को मामले से अवगत करा देते हैं।जिसमे सभी विकासखंडों में ऐसे सभी मामलों की जानकारी की माँग करते हुए कार्यवाही की मांग की जाती है।अब देखना होगा की शासन और लोक सेवा अधिनियम की धज्जियां उड़ाने और नियमों की अवहेलना करने वाले इन सुपरवाइजरों पर प्रशासन केवल जानकारी ही लेगा या लोक सेवक को सिविल सेवा आचरण अधिनियम का उलंघन करने पर एक्शन लिया जायेगा है या फ़िर केवल नोटिश देकर कागज़ों का पेट भरकर शिकायत को धूल खाने छोड़ दिया जायेगा तथा भ्रष्टाचार और लापरवाहियों को फलने-फूलने के लिए उसकी कीमत वसूली जाएगी।

इनका कहना है

01-प्राप्त जानकारी के आधार पर मामले की पूरी जांच कर नियमानुसार वैधानिक कार्यवाही किया जावेगा।
डॉ संजय मिश्रा
जे.डी.स्वास्थ्य विभाग।

सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में 90 प्रतिशत से अधिक अंक हासिल करने वाले छात्रों की संख्या में 80 फीसदी की वृद्धि दर्ज की

सिग्मा स्कूल ऑफ एक्सीलैंस, झालरापाटन, झालावाड़ की लक्ष्मी पाटीदार ने हासिल किए 95 फीसदी अंक

राजगढ़ - भारत के अग्रणी स्कूल एडटेक लीड के कक्षा 10 के छात्रों के 2024 बैच ने अपने सीबीएसई बोर्ड परीक्षा परिणामों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। इस वर्ष, लीड के 161 विद्यार्थियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त किए, जबकि पिछले वर्ष 90 छात्रों ने ही इतने अंक हासिल किए थे। लीड में बोर्ड परीक्षाओं में सफल होने के लिए स्कूलों को एक कंपलीट एजुकेशन सिस्टम मुहैया कराया जाता है। इस सिस्टम में विस्तृत पाठ योजनाएं, शिक्षकों के लिए पूरे संसाधन, अभ्यास परीक्षण और छात्रों के लिए मॉक परीक्षाओं की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, लीड ऐप छात्रों को असीमित अभ्यास के अवसर प्रदान करता है, जिससे उनकी परीक्षा की तैयारी में मदद मिलती है।

एक उल्लेखनीय उपलब्धि में, सिग्मा स्कूल ऑफ एक्सीलैंस, झालरापाटन, झालावाड़ की लक्ष्मी पाटीदार ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। इसके अलावा, लीड के अनेक विद्यार्थियों ने गणित, सामाजिक विज्ञान और संगीत जैसे विषयों में पूरे 100 अंक प्राप्त किए हैं।

लीड ग्रुप के सीईओ और को-फाउंडर, सुमीत मेहता ने कहा, ''कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में शानदार प्रदर्शन के लिए 2024 का लीड ग्रुप बधाई का हकदार है। विद्यार्थियों की उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि हमारे इस विश्वास को रेखांकित करती है कि सही स्कूली शिक्षा के साथ, हर छात्र में उत्कृष्टता हासिल करने की क्षमता होती है, भले ही उनका स्थान या पृष्ठभूमि कुछ भी हो। लीड ग्रुप में, हम अपने छात्रों की सफलताओं पर बहुत गर्व करते हैं और एक समय में एक स्कूल में समग्र शैक्षिक परिवर्तन लाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

सिग्मा स्कूल ऑफ एक्सीलैंस, झालरापाटन, झालावाड़, राजगढ़ की छात्रा लक्ष्मी पाटीदार ने कहा, ''सीबीएसई कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षा में अपनी परफॉर्मेंस को लेकर मैं बहुत खुश हूं। मैं अपने स्कूल के शिक्षकों और अपने माता-पिता की आभारी हूं, जिनके निरंतर सपोर्ट के बिना यह उपलब्धि संभव नहीं होती। लीड के पाठ्यक्रम और टीचिंग-लर्निंग मैथड ने मुझे सभी विषयों को बेहतर ढंग से समझने और इस वैचारिक समझ को अपनी बोर्ड परीक्षाओं में प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद की है।'' सिग्मा स्कूल ऑफ एक्सीलैंस, झालरापाटन, झालावाड़, राजगढ़ के प्रिंसिपल श्री रवींद्र ने कहा, ''सीबीएसई कक्षा 10 बोर्ड में असाधारण प्रदर्शन के लिए हमें लक्ष्मी पर बहुत गर्व है। लक्ष्मी के समर्पण और कड़ी मेहनत के साथ-साथ लीड द्वारा प्रदान किए गए व्यापक शैक्षणिक समर्थन और मार्गदर्शन के कारण ऐसा प्रभावशाली परिणाम हासिल किया जा सका है। लीड के कक्षा 10 के कठोर कार्यक्रम ने, गहन अभ्यास और समय पर पूरी तैयारी पर जोर देने के साथ, छात्रों की विषयों की वैचारिक समझ को काफी बढ़ाया है और उन्हें अधिक आत्मविश्वासी बनने में मदद की है।''

तुष्टिकरण की राजनीति को आगे बढ़ा रही ममता सरकार - डॉ शरद विजयवर्गीय

कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले के समर्थन में भाजपा कार्यालय पर कार्यक्रम आयोजित

धार । ÷कलकत्ता हाई कोर्ट ने ओबीसी कोटा उपश्रेणी के तहत धर्म विशेष के लोगो को दिए आरक्षण को रद्द कर दिया। कोर्ट ने 2010 से 2024 तक पश्चिम बंगाल में समुदाय विशेष को जारी किए गए ओबीसी प्रमाणपत्र को भी रद्द कर दिया है। इन दोनों फैसलों से यह स्पष्ट होता है कि कैसे ममता बनर्जी तुष्टीकरण को आगे बढ़ा रही थी और धर्म के आधार पर आरक्षण देने का काम कर रही थी।

यह बात भाजपा नेता डॉ शरद विजयवर्गीय ने गुरुवार को जिला कार्यालय पर कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कही। हाल ही में कलकत्ता हाईकोर्ट द्वारा पश्चिम बंगाल में धर्म के आधार दिए गए आरक्षण हटाने का फैसला स्वागत योग्य है। संविधान में स्पष्ट रूप से कहा गया है की धर्म के आधार पर आरक्षण नही दिया जाएगा, लेकिन पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार ने अपने वोट बैंक की राजनीति के चलते वहा धर्म विशेष के लोगो को खुश करने के लिए ओबीसी का आरक्षण देकर उनके प्रमाण पत्र बनवा दिए जो की गलत है। उन्होंने कहा, कि÷करीब पांच लाख ओबीसी प्रमाणपत्र कलकत्ता हाईकोर्ट ने रद्द कर दिए । भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने बताया कि इस दौरान जिला कार्यालय मंत्री जगदीश जाट, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर, जिला कोषाध्यक्ष मनीष प्रधान, मोर्चा जिला महामंत्री अनिल गेहलोत, रविंद्र परिहार, मुन्नालाल राठौड़, सनी होडा कैलाश पिपलोदिया निलेश राठौड़, राजू डोड, प्रताप सिंह, कमलेश बिजवा, भय्यूराम गुप्ता , नितिन चौहान, कमल यादव, भानु प्रताप राजपूत आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे जिन्होंने ममता बनर्जी की घोर निंदा की। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

महिलाओं और बच्चों के लिए जागरूकता शिविर

सांध्य प्रकाश, विदिशा। महिला बाल विकास विभाग, किशोर न्याय बोर्ड, यूनिसेफ और सफ़ल शिक्षा समिति द्वारा संयुक्त रूप

से जतरापुरा की आदिवासी बस्ती में बच्चों और महिलाओं के लिए जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में बच्चों और महिलाओं के अधिकार और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस आयोजन में विभाग से जिला संरक्षण अधिकारी अनुज जैन, किशोर न्याय बोर्ड से पर्यवेक्षण अधिकारीश्याम शर्मा, यूनिसेफ से अरविंद मिश्रा, सामाजिक कार्यकर्ता संतोष रघुवंशी, सफल शिक्षा अध्यक्ष मनोज कौशल, सदस्य सुनील त्रिवेदी, कार्यक्रम समन्वयक कुसुम मीना, श्री सनातन हिन्दू उत्सव समिति से मिथलेश दांगी और जिझौतिया ब्राह्मण समाज अध्यक्ष रागिनी मिश्रा आदि अनेक लोग उपस्थित थे। अनुज जैन ने शासन की विभिन्न

योजनाओं और बाल अधिकारों पर विस्तृत रूप से बताया। सफल शिक्षा समिति द्वारा जीवन में शिक्षा के महत्व और उनसे जीवन में बदलाव सहित समिति द्वारा पिछले सात वर्षों में किये गए प्रयासों की जानकारी प्रदान की।

दुकानें बंद होने के बाद भी मिल रही शराब

कलेक्टर बोले होगी कार्यवाही

सांध्य प्रकाश, विदिशा। वित्तवर्ष शुरू होने के साथ ही शराब ठेके परिवर्तित हुए हैं। जिले की सभी 74 शराब दुकानों का ठेका एक ही ठेकेदार द्वारा लिया गया है। जिससे उसकी मनमानी चरम पर है। सोशल मीडिया पर वायरल पोस्ट के अनुसार आबकारी विभाग के अथक परिश्रम और सहयोग से आबकारी ठेकेदार को बड़ा समाजसेवी घोषित किया गया है। दरअसल शराब पीने वाले लोगों के लिए ठेकेदार हर प्रकार की सुविधा और हर वक्त शराब खरीदकर पीने की व्यवस्था करके रखे हुए है।

शराब दुकान खुलने का समय सुबह साढ़े 8 बजे है। दुकान बंद होने का समय देर रात साढ़े 11 बजे है। लेकिन विदिशा शहर ही नहीं जिले की अधिकांश शराब दुकानें साढ़े 8 बजे से पहले ही खुल जाती है। किसी जरूरतमंद शराबी को सुबह 6 बजे भी शराब की दरकार है तब भी उसे इन दुकानों से मनमाफिक शराब उपलब्ध हो जाएगी। कुछ राशि ज्यादा लगेगी तब अतिरिक्त सेवा के लिए सुरा प्रेमी उसे देने से परहेज नहीं करता। कमोवेश यही हाल देर रात का भी है। साढ़े 11 बजे दुकान बंद होने पर शराब पीने वाले को दिल पर पत्थर रखकर बिना पिए सोने की जरूरत नहीं है। साढ़े 11 बजे दुकान बंद होने के बाद भी उसे आसानी से शराब उपलब्ध हो जाएगी। हास परिहास ही सही पर वास्तविक हालात यही हैं। ठेकेदार आबकारी विभाग के साथ नियम विरूद्ध 24 घंटों में जब चाहे तब शराब बेचने की हिम्मत कर पा रहा है।

कुछ दिन पहले शिकायतें हुई थीं तब आबकारी विभाग ने ग्रामीण अंचल की पांच दुकानों पर कार्यवाही कर मामला खत्म कर दिया था। लेकिन विदिशा शहर में शराब दुकानों के 24 घंटे उपलब्धता की शिकायतों पर भी कोई कार्यवाही नहीं की। इस मामले में जिला आबकारी अधिकारी विनय रंगशाही से संपर्क करना चाहा तो उनका मोबाइल बंद था। इस पूरे मामले को लेकर कलेक्टर बुद्धेश कुमार वैद्य ने इस गंभीर विषय मानते हुए औचक निरीक्षण करने, जांच कर कार्यवाही करने की बात कही है।

साइबर अपराध का वीभत्स चेहरा , भोली- भाली आदिवासी लड़कियों को बनाया शिकार , 7 लड़कियों से दुष्कर्म

मध्य प्रदेश के सीधी जिले में आदिवासी लड़कियों से कुछ लड़कों ने महिला की आवाज में बात की। उन्हें अपने जाल में फंसाया और 7 लड़कियों के साथ रेप किया...

मध्य प्रदेश में सात आदिवासी छात्राओं से रेप का मामला सामने आया है (ह्ड्डश्चद्ग 2द्बह्ल्ध ह्ल्द्धड्डद्य द्द्बह्ल्द्मह्य)। साइबर अपराध (ष्4ड्डद्गह्म- ष्ह्वद्बद्वद्ग) का वीभत्स चेहरा आदिवासी बहुल सीधी जिले का है। यहां लड़कों की आवाज को लड़की की आवाज में बदलने वाले मैजिक वॉइस ऐप के जरिए तीन आरोपियों ने कॉलेज में पढ़ने वाली सात से ज्यादा छात्राओं को झांसा देकर उनके साथ बलात्कार किया। आरोपी द्बड्डद्बष 1श्द्बष्ट्ठ ड्डश्चश्च से इन लड़कियों के साथ कॉलेज की टीचर बनकर बात करते थे। बातचीत के दौरान छात्राओं को स्कॉलरशिप में कागजों की कमी या इससे संबंधित दस्तावेज मंगवाने के बहाने सुनसान जगह बुलाया जाता था। इसके बाद आरोपी उनसे रेप करते थे।

झांसे में आ जाती थीं छात्राएं

फोन पर बातचीत में छात्राओं को किसी तरह का शक न हो, इसके लिए पहले ही बता देते कि उन्हें तय स्थान पर लेने के लिए एक लड़का बाइक से आएगा, जो उन्हें टीचर के पास पहुंचा देगा। स्कॉलरशिप पाने की चाहत में छात्राएं भी इन लड़कों की बातों में आ जाती थीं।

लोकेशन से आरोपी तक पहुंची पुलिस

पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी उन कॉलेज छात्राओं को निशाना बनाते थे, जिन्हें स्कॉलरशिप मिलती है। पूरे मामले का खुलासा उस समय हुआ, जब एक पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस से की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच शुरू। पीड़िता के बयान और घटनास्थल की लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम ने सर्चिंग शुरू की तो मुख्य आरोपी का पता चला।

पुलिस ने जब आरोपी को गिरफ्त में लेकर पूछताछ की तो उसने इस पूरे कांड में दो और लोगों के शामिल होने की जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अभी तक आरोपियों ने सात छात्राओं से बलात्कार करने की बात कबूल कर ली है। वहीं चार पीड़िताओं ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस का कहना है कि अफसरों के मुताबिक पीड़िताओं की संख्या और भी अधिक हो सकती है। आरोपियों से पूछताछ जारी है।

पुलिस ने 3 आरोपियों को लिया हिरासत में

दिल दहला देने वाले इस मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी ब्रजेश प्रजापति (30) समेत राहुल प्रजापति और संदीप प्रजापति को पकड़ा है। ब्रजेश, राहुल और संदीप ने सीधी जिले के एक सरकारी कॉलेज के वॉट्सऐप ग्रुप से छात्राओं के फोन नंबर निकाले थे। इन फोन नंबर पर रंजना मैडम बनकर कई बार कॉल कर उन्हें विश्वास में लेते थे। विश्वास पूरी तरह जम जाने के बाद ये छात्राओं को फोन कर स्कॉलरशिप लेने के लिए जरूरी दस्तावेज तत्काल मंगवाने को कहते थे। साथ में यह भी कहते कि उनका लड़का बाइक से लेने आएगा। स्कॉलरशिप के लिए इनके झांसे में आकर आदिवासी छात्राएं साइबर अपराध और रेप का शिकार हो जाती।

यूट्यूब से सीखा आवाज बदलने का तरीका, फिर छात्राओं को लेडी टीचर बन फंसाया

मध्य प्रदेश के सीधी से हैरान करने वाला मामला सामने आया है. एक युवक ने आवाज बदलकर महिला टीचर की आवाज में कई लड़कियों को फंसाया और उसके साथ दुष्कर्म किया. सभी लड़कियां आदिवासी बताई जा रही है. आरोपियों ने करीब 7 छात्राओं को अपना शिकार बनाया. पुलिस ने मामले में 3 लोगो को गिरफ्तार किया है.

आवाज बदलकर छात्राओं से दुष्कर्म

जानकारी के मुताबिक़, 4 छात्राओं ने थाने में दुष्कर्म की शिकायत दर्ज कराई थी. शिकायत में पीड़िताओं ने बताया कि आरोपी ने कॉलेज लेडी टीचर की आवाज में उनसे बात की. स्कॉलरशिप के लिए डाक्यूमेंट्स मंगवाने के नाम पर धोखे से उन्हें बुलाया और दुष्कर्म किया.

यूट्यूब से सीखा आवाज बदलना

ब्रजेश प्रजापति ने बताया कि वो पहले मजदूरी करता था. काम के दौरान उसके दोनों हाथ जल गए थे. तो उसने काम छोड़ दिया था. खाली वक्त में यूट्यूब में वीडियो देखने लगा था. इस बीच उसने यूट्यूब से पहले आवाज बदलने वाले एप का पता चला . मोबाइल में मैजिक वॉइस एप इंस्टॉल कर उसका इस्तेमाल करना सीखा. उसके बाद आदिवासी छात्राओं को शिकार बनाना शुरु किया.

कॉलेज लेडी टीचर बनकर फंसाया

इसमें उसने अपने दो दोस्तों की मदद ली. और कॉलेज के ग्रुप से छात्राओं का नंबर निकाला. पहले छात्राओं को कॉल करते और कॉलेज की महिला की आवाज में बात करते थे. जिससे छात्राओं को शक नहीं होता था. उन्हें छात्रवृति सम्बन्धी डाक्यूमेंट्स मंगवाने के लिए सुनसान जगह पर बुलाते थे. फिर उनके साथ दुष्कर्म करते थे.

7 से ज्यादा छात्राओं से दुष्कर्म

इस तरह 7 से ज्यादा छात्राओं से दुष्कर्म किया. पुलिस के मुताबिक़, इस मामले में कई पीड़िताओं ने डर से शिकायत दर्ज नहीं कराइ है. पीड़िताओं की संख्या और भी बढ़ सकती है. हालांकि मामले की जांच जारी है.

सोशल मीडिया से

OUR PREDICTION CAME TRUE

WHISPERSINTHECORRIDORS.COM

Satyajiyt Tripathy appointed Member IRDAI from May 24

(WE SAID THIS ON FEB 27)

Four Insurance men short-listed for IRDAI

Four senior officials from the Indian insurance industry have been short-listed for selecting Member, Distribution at the IRDAI after completing the interviews. The shortlisted names include of Satyajit Tripathy, CMD, United India Insurance, Randip Singh Jagpal, executive director, IRDAI, LK Shyamsunder, zonal manager, South Central Zone, Life Insurance Corporation and Debasis Das, general manager, National Insurance Company .

(WE SAID THIS ON MARCH 20)

Who will be new Member Distribution at IRDAI ?

Race for new Member Distribution in IRDAI has started . Tie is said to be between Satyajit Tripathy, Retd CMD, United India insurance Company Limited and Randip Singh Jagpal, Executive Director, IRDAI.

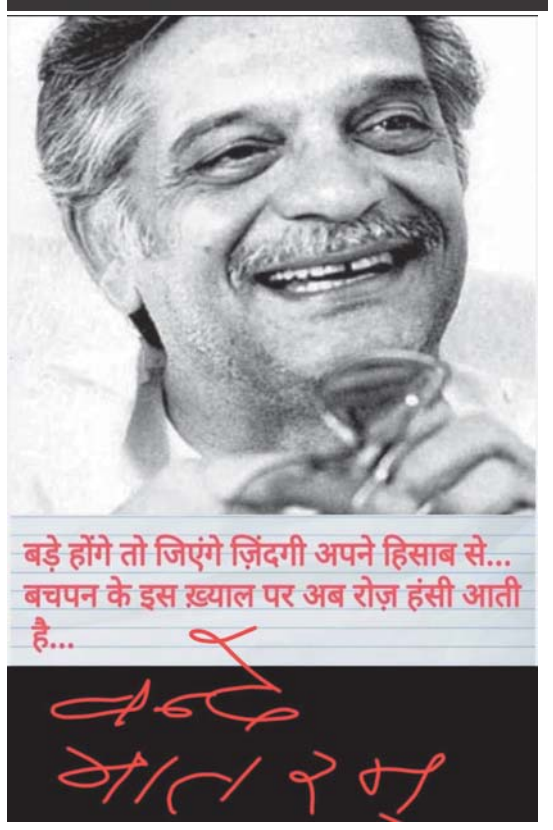

भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन की वार्षिक आम

भोपाल मैनेजमेंट एसोसिएशन की वार्षिक आम सभा होटल शीशम मैं शुक्रवार को आयोजित की गई । वार्षिक सभा मैं चेयरमैन सुनील भार्गव ने सब सदस्यों का स्वागत किया महासचिव डॉ आदित्य गुप्ता ने बीएमए की वर्ष भर की गतिविधियों से अवगत कराया सबसे महत्त्वपूर्ण 2 मई 24 को शापिंग यंग माइंड कार्यक्रम रहा जिसने 750 छात्र छात्राओं ने भागीदारी की 3 स्टूडेंट चैप्टर खोले गए सदस्यता 30 प्रतिशत वृद्धि हुई अब 587 सदस्य हो गए है स्टूडेंट ट्रेनिंग प्रोग्राम भी निरंतर हो रहे है न्यूज लेटर का भी नियमित प्रकाशन हो रहा है। कोषाध्यक्ष मनोज झा ने वार्षिक अकाउंट्स प्रस्तुत किए जो पास किए गए ।राजेश तिवारी ने सुझाव दिया की आगामी वर्ष मैं बीएमए को इंडस्ट्री में फोकस किया जाय अन्य सदस्यों ने भी सुझाव दिए।एजीएम के पश्चात शिक्षाविद पूर्व ज्वाइंट डायरेक्टर राजेश तिवारी का व्याख्यान भी हुवा उन्होंने कहा ,÷जिनके आचरण शुद्ध होते है उन्हें ही उपदेश देने का अधिकार होता है÷ ओम शब्द की व्याख्या करते हुवे इसे प्रबंधन का सूत्र बताया ओर कहा जब हम रिसोर्स के होने के बावजूद उनका सही इस्तमाल नही करते तो प्रबंधन फेल हो जाता है श्रेष्ठता को परखे उन्हें प्रोत्साहित करे उन्होंने रामायण के प्रसंगों से प्रबंधन के गुर बताए।एजीएम में पूर्व चेयरमैन डॉ महेश शुक्ला पूर्व उपाध्यक्ष फ्रांडिश , राजीव अग्रवाल एनके छिब्बर ,विश्वास घुसे , सलिल चटर्जी डॉ निष्ठा त्यागी ,पलाश सुरजन जी के छिब्बर , मनोज गौर एवम् अनेक कॉरपोरेट और औद्योगिक संस्थानों के सदस्य उपस्थित थे। एजीएम का संचालन दीपा अयाची और पल्लवी तिवारी ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन आर जी दिवेदी ने किया

कोर्टयार्ड बाय मैरियट में साउथ इंडियन फूड फेस्टीवल का आगाज

भोपाल-शहर को अनेक आथेंटिक और जायकेदार फूड फेस्टीवल देने के लिए लोकप्रिय ÷कोर्टयार्ड बाय मैरियट÷ भोपाल एक बार फिर मुंह में पानी ला देने वाली डिशेस को सर्व करने जा रहा है। इस फूड फेस्टीवल में चुनिंदा डिशेस आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल और कर्नाटक से पेश की जाएंगी। यह फेस्टीवल 24 मई से होटल के मल्टी कुजिन रेस्टोरेंट ÷मोमो कैफे÷ में आरंभ हुआ है और शाम 7-30 से रात 11 बजे तक चलेगा। यह फूड फेस्टीवल 2 जून तक जारी रहेगा। होटल के जनरल मैनेजर राकेश उपाध्याय ने आज आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि साउथ इंडियन कुजिन मुगल, तुर्की, अरबी और तेलुगू कुजिन का मिश्रण है। इन कुजिन्स को बनाने के लिए बहुत धैर्य और लगन की जरूरत होती है। इस फेस्टीवल के दौरान हमारे एक्जीकिटिव शेफ अमोल पाटिल, साउथ इंडियन डिशेज स्पेशलिस्ट शेफ राम कुमार, और उनकी टीम भोपाल के फूड लवर्स को स्टार्टर्स से लेकर मेन कोर्स और वेजेटेबल तक ढेरों लजीज व्यंजन पेश करेंगे।

शेफ अमोल ने बताया कि साउथ इंडियन कुजिन में ब्रेकफास्ट से लेकर डिनर तक बनाई जाने वाली डिशेस में चावल, गेहूं, और मीट का खासाइस्तेमाल हो।

भारत के फिट एक्सपर्ट- ब्लैकबेरीज़ ने, पूरे भारत में कॉम्प्लीमेंट्री रीफिट वार्डरोब सेवा देने की पेशकश की

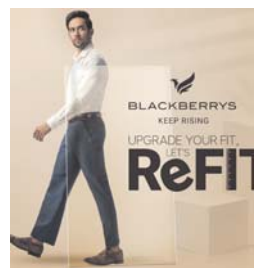

गुरुग्राम, एजेंसी। देश के फिट एक्सपर्ट के रूप में अपनी पहचान बना चुके प्रमुख समकालीन भारतीय मेन्सवियर ब्रांड ब्लैकबेरीज़ ने, एक और अनोखा आइडिया पेश किया है, जो ग्राहक सेवा को नए रूप में परिभाषित करता है। ब्रांड की अपनी तरह की पहली रीफिट सेवा के तहत, पूरे भारत के पुरुष अपने नजदीक स्थित चुनिंदा ब्लैकबेरीज स्टोर पर जा सकते हैं और अपने किसी सबसे पसंदीदा परिधान को स्टोर के फिटएक्सपर्ट द्वारा मुफ्त में पूरी तरह से फिट करवा सकते हैं। यह ऑफर 12 जून 2024 तक उपलब्ध है। चाहे वह कोई सूट हो, जैकेट हो, पतलून की जोड़ी हो या ग्राहक द्वारा किसी अन्य ब्रांड से खरीदी गई शर्ट हो, ब्लैकबेरीज़ के फिट एक्सपर्ट उस पोशाक को मुफ्त में रीफिट कर देंगे। इस सेवा का उद्देश्य यह है कि पुरुषों को अपने पसंदीदा परिधान दोबारा पहनकर बदलते फैशन रुझानों के बीच स्टाइलिश और प्रासंगिक बने रहने में सक्षम बनाया जाए। अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए नितिन कहते हैं, ब्लैकबेरीज़ की कॉम्प्लीमेंट्री रीफ़िट सेवा उन पुरुषों के लिए है जिनके पास कोई न कोई पसंदीदा कपड़ा मौजूद है - भावनात्मक मूल्य रखने वाला कोई सूट या मनभावन फैब्रिक वाला कोई पसंदीदा जैकेट, जो फैशन के मौजूदा रुझानों के मुताबिक अपनी शक्ल और प्रासंगिकता खो कर उपेक्षित पड़ा हुआ है या बस हाल ही में खरीदी गई वह शर्ट, जो आपके मनमुताबिक फिट नहीं हो रही है।

लोक निर्माण विभाग के भ्रष्टाचार की खुली पोल

गलत जवाब देकर छुपाई जा रही थी भ्रष्टाचार की सच्चाई

मण्डला ।-लोक निर्माण विभाग हमेशा से विवादों में उल्झा रहा है,इस पीडब्ल्यूडी का इस तरह विवादित होने का मुख्य कारण है अधिकारियों द्वारा की जा रही भ्रष्टाचार और लापरवाही, पहले भी कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग द्वारा कोरोना से याददाश्त कमजोर होने का मामला सामने आया है।

आरटीआई नियमावली के विरुद्ध जवाब देने का मामला सामने आया

लोक निर्माण विभाग में सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत मांगी गई जानकारी पर विभाग द्वारा अपनी भ्रष्टाचारी और लापरवाहियों को छुपाने को लेकर आवेदक को नियम विरुद्ध जवाब देकर भ्रष्टाचार और लापरवाहियों छुपाने का पुरजोर प्रयास करने का मामला सामने आया है मामला यह है कि दिनांक 09/05/2024 को आवेदक अधिवक्ता अजीत पटेल द्वारा विभाग द्वारा किए गए शासकीय निर्माण कार्यों की जानकारी चाही गई जिसका विभाग ने पत्र क्रमांक 1303/सू.लि./2024-25 मण्डला दिनांक -15/05/024 द्वारा आवेदक को गुमराह कर सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के नियमविरुद्ध आवेदन का जवाब सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा (6)(1) के अंतर्गत चाही गई जानकारी के लिए सूची तैयार कर जानकारी प्रदान करने का प्रावधान नहीं है का पत्र बनाकर आरटीआई के नियम विरुद्ध गलत जवाब दिया गया है जबकि सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 की धारा (6)(1) अंतर्गत कोई व्यक्ति जो इस अधिनियम के अधीन कोई सूचना अभिप्राप्त करना चाहता है, लिखित में या इलेक्ट्रॉनिक युक्ति के माध्यम से अंग्रेजी या हिंदी में या उस क्षेत्र की, जिसमें आवेदन किया जा रहा है, राजभाषा में ऐसी फीस के साथ,जो विहित की जाए,-परन्तु कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक निर्माण विभाग (भ/स)संभाग मण्डला (म.प्र.) द्वारा किए गए भ्रष्टाचार एवं लापरवाहियों को छुपाने के संविधान द्वारा रचित अधिनियम का गलत जवाब उल्लेख कर आवेदक को पत्राचार कर आवेदक को भ्रमित किया गया है जो संविधान का अपमान की श्रेणी में आता है जो एक घोर अपराध है।

इसके पहले भी लोक निर्माण विभाग के करतूतों का पर्दाफाश किया जा चुका है जहां कार्यपालन यंत्री शारदा सिंह द्वारा विभाग द्वारा किए गए भ्रष्टाचार एवं लापरवाहियों को छुपाने के लिए जवाब देने से बचने हेतु कोरोना वायरस से स्वयं की याददाश्त कमजोर होने का बहाना बनाकर करोड़ों के भ्रष्टाचार का आपसी बंटवारा कर रातों-रात शासकीय राशि का गबन कर रफूचक्कर हो गए और मामले को जांच की फाइल बनाकर आलमारी में बंद कर दिया गया है।आज एक बार पीडब्ल्यूडी द्वारा किए गए भ्रष्टाचार और लापरवाहियों का पर्दाफाश किया गया जिसमें भ्रष्टाचार को छुपाने के मामले का खुलासा हुआ है, जिसमें लोक सूचना अधिकारी द्वारा आरटीआई का नियम विरुद्ध जवाब देना नतीजा भ्रष्टाचारीयों की सच्चाई का सामने आना अब देखना यह है कि उक्त दोषियों के खिलाफ विभाग एवं शासन-प्रशासन द्वारा क्या कार्यवाही किया जावेगा।

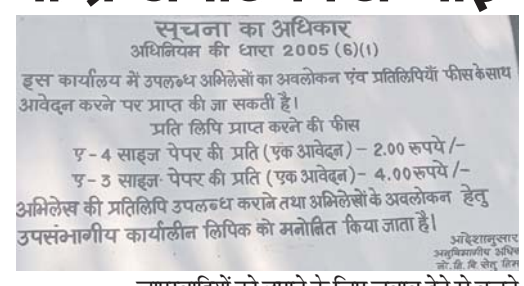
सूचना का अधिकार
अधिनियम की धारा 2005 (6)(1)
इस कार्यालय में उपलब्ध अभिलेखों का अवलोकन एवं प्रतिलिपियाँ फीस के साथ आवेदन करने पर प्राप्त की जा सकती है।
प्रति लिपि प्राप्त करने की फीस
ए-4 साइज पेपर की प्रति (एक आवेदन) – 2.00 रुपये /-
ए-3 साइज पेपर की प्रति (एक आवेदन)- 4.00 रुपये /-
अभिलेख की प्रतिलिपि उपलब्ध कराने तथा अभिलेखों के अवलोकन हेतु उपसंभागीय कार्यालीन लिपिक को मनोनीत किया जाता है।

स्काई इंडस्ट्रीज ने वित्त वर्ष वृद्धि की रिपोर्ट दी

मुंबई, एजेंसी। एक प्रमुख हूक और लूप निर्माता और निर्यात, स्काई इंडस्ट्रीज लिमिटेड (बीएसई 526479), ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है. मुख्य वित्तीय विशेषताएं (स्टैंडअलोन) कुल आय 22.54 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 21.75 करोड़ हुई , एबिटडा 70.79 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 2.71 करोड़ हुआ, एबिटडा मार्जिन 352 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 12.48 प्रतिशत हुई ,शुद्ध लाभ 176.97 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 1.53 करोड़ हुआ , शुद्ध लाभ मार्जिन 382 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 6.90 प्रतिशत हुई ,ईपीएस 181.16 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 1.94 हुई वित्त वर्ष 2024 के दौरान कुल आय 11.62 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 83.98 करोड़ हुई ,एबिटडा 62.13 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 9.13 करोड़ हुआ ,एबिटडा मार्जिन 339 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 10.87 प्रतिशत हुई ,शुद्ध लाभ 163.92 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 4.71 करोड़ हुआ , शुद्ध लाभ मार्जिन 322 बीपीएस वार्षिक बढ़कर 5.57 प्रतिशत हुई , ईपीएस 164.16 प्रतिशत वार्षिक बढ़कर 5.97 हुई कंपनी ने 31 मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 1 (10 प्रतिशत) अंतिम लाभांश की भी घोषणा की है., कंपनी का वित्त वर्ष 24 में ऑपरेटिंग कैश फ्लो 353 प्रतिशत बढ़कर 8.25 करोड़ हुआ. स्काई इंडस्ट्रीज लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री शैलेश शाह ने कहा, वित्त वर्ष 24 का प्रदर्शन प्रमाण है कि स्काई इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने हूक और लूप उद्योग में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अपनी ख्याति लगातार बरकरार रखी है. फॉरवर्ड लुकिंग अप्रोच के साथ एक्सीलेंस के प्रति हमारी बरकरार प्रतिबद्धता ने हमें बढ़ी लाभ मार्जिन के साथ दोनों हमारी टॉप लाइन और बॉटम लाइन प्रदर्शन में उल्लेखनीय परिणाम हासिल करने में समर्थ बनाया है. वर्ष के दौरान हमने ग्रोथ सुअवसरों का लाभ उठाने के लिए हमारी एक्सपर्टीज और इनोवेशन सॉल्यूशंस का उपयोग करते हुए बाजार की चुनौतियों का व्यूहात्मक रूप से सामना किया है. नैरो वोवन फैब्रिक मार्केट में हमारा विस्तार उद्योग के उभरते डायनामिक को अपनाने की हमारी चपलता और दूरदृष्टि की कसौटी के रूप में खड़ा है. इसके अतिरिक्त व्यूहात्मक गठबंधन करने और ग्रोथ के लिए नए स्थलों की छानबीन करने पर हमारा फोकस लाभप्रद साबित हुआ है जिससे हम हमारे प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में विविधता लाने और नए बिजनेस मॉडलों की छानबीन करने में समर्थ हुए हैं. इसने ना सिर्फ मार्जिन बढ़ाने में योगदान दिया है ।

जबरदस्त पॉवर और स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर के साथ पोको ने लॉन्च किया एफ6 5जी

मुंबई, एजेंसी। जैन ज़ी ट्रेंडसेटर्स को मिड-रेंज सेगमेंट में क्रांतिकारी फ्लैगशिप स्मार्टफोन अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध, पोको ने आज नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में भारत के लिए अपनी एफ सीरीज़ में एफ6 5जी पेश किया। पोको एफ6 5जी के साथ लंबे इंतजार के बाद भारत में स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर उतर रहा है, जो विशेष रूप से जैन ज़ी के गेमर्स, फोटोग्राफी प्रेमियों, और टेक प्रेमियों के लिए बनाया गया है।

पोको एफ सीरीज़ ने स्मार्टफोन के बाजार में अपनी एक अलग पहचान बनाई है, जो किफायती मूल्य में सर्वश्रेष्ठ परफॉर्मेंस प्रदान करता है। यह आसानी से उपलब्ध इनोवेशन का प्रतीक बन गया है, और मिड रेंज स्मार्टफोन में लगातार अपेक्षाओं को बढ़ा रहा है। अपनी इसी परंपरा को बरकरार रखते हुए पोको एफ6 5जी पोको द्वारा अभी तक पेश किया गया सबसे ज्यादा परफॉर्मेंस केंद्रित स्मार्टफोन है।

पोको इंडिया के कंट्री हेड, हिमांशु टंडन ने कहा, ''हम पोको एफ6 5जी डिवाईस भारत में पेश करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। यह डिवाईस स्मार्टफोन से काफी बढ़कर है। यह एक गेमचेंजर है, यह पॉकेट में एक क्रांतिकारी डिवाईस है, जो स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर द्वारा पॉवर्ड है। पोको एफ6 5जी के साथ हम निडर, साहसी, एवं दिल से युवा ग्राहकों को सेवा देते हुए मिड रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट के मानकों को बदल रहे हैं। आईडीसी की नई रिपोर्ट के मुताबिक भारत में सर्वोच्च एंड्रॉयड स्मार्टफोंस की सूची में उठकर छठवें स्थान पर आ जाने से हमारे विकास का उल्लेखनीय सफर प्रदर्शित होता है। लेकिन हम यहीं नहीं रुकेंगे। पोको एफ6 5जी का लॉन्च सीमाओं को बढ़ाने के हमारे सफर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और हम अपेक्षाओं से आगे बढ़ने के लिए तैयार हैं।''

परफॉर्मेंस एवं स्टोरेज

पोको एफ6 5जी में शक्तिशाली स्नैपड्रैगन 8एस जेन 3 प्रोसेसर लगा है, जिसमें अत्याधुनिक 4एनएम प्रोसेस टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया है। इस प्रोसेसर के कॉन्फिगुरेशन में 1 कॉर्टेक्स एक्स4 कोर, जो 3.0 गीगाहर्ट्ज़ पर चलती है, 4 कॉर्टेक्स ए720 कोर, जो 2.8 गीगाहर्ट्ज़ पर चलती हैं, और 3 कॉर्टेक्स ए520 कोर हैं, जो 2.0 गीगाहर्ट्ज़ पर चलती हैं। इस कॉम्बिनेशन द्वारा पोको एफ6 5जी को बेहतरीन परफॉर्मेंस और रिस्पॉन्सिवनेस मिलती है, जो गेमिंग से लेकर मल्टीटास्किंग तक अनेक टास्क के लिए उपयोगी है। ग्राफिक्स के मामले में पोको एफ6 5जी में एड्रिनो 735 जीपीयू लगा है, जो खूबसूरत विज्युअल्स के साथ स्मूथ गेमप्ले प्रदान करता है।

जेन एआई द्वारा पॉवर्ड कन्वर्सेशनल कॉमर्स व्यवसायों के लिए वृद्धि का अगला दौर लेकर आएगा

मुंबई, एजेंसी। बड़े और छोटे व्यवसायों द्वारा तेजी से कन्वर्सेशनल मैसेजिंग प्लेटफॉर्म्स अपनाए जाने के साथ परिवर्तनकारी जनरेटिव एआई की शक्ति व्यवसायों को कन्वर्सेशनल कॉमर्स की ओर ले जा रही है। बायन एंड कंपनी एंड मेटा द्वारा आज जारी की गई 'विन विद कन्वर्सेशंस' रिपोर्ट के अनुसार सर्वे में शामिल 70 फीसदी बड़े उद्यम अपने आधे ग्राहकों के साथ पहले से ही कन्वर्सेशनल प्लेटफॉर्म्स की मदद से संवाद कर रहे हैं। साथ ही सर्वे में शामिल 60 फीसदी बड़े उद्यम अगले 3 से 4 सालों में कन्वर्सेशनल प्लेटफॉर्म्स पर अपना निवेश बढ़ाने की योजना बना रहे हैं। मेटा इन इंडिया में हेड और वीपी, संध्या देवनाथन ने कहा, ''व्हाट्सऐप पर बिज़नेस मैसेजिंग अपनाने में वृद्धि के साथ हम व्यवसायों के लिए टूल्स और सॉल्यूशंस में निवेश कर रहे हैं, जो उन्हें मजबूत पहचान स्थापित करने, टेलर्ड मैसेजिंग के साथ सही ग्राहकों से कनेक्ट होने और रोचक इन-थ्रेड अनुभव प्रदान करें, ताकि ग्राहकों की सहभागिता और निवेश पर रिटर्न में वृद्धि हो।

शक्ति पंप्स को इनोवेटिव मोटर टेक्नोलॉजी के लिए मिला 14 वां पेटेंट

पीथमपुर, एजेंसी। भारत में सोलर पंप और मोटर बनाने वाली अग्रणी निर्माता कम्पनी शक्ति पंप्स (इंडिया) लिमिटेड को मेथड एंड ऐपरेटस फॉर सॉफ्ट स्टार्ट, सॉफ्ट स्टॉप, प्रोटेक्शन एंड ब्राउन आउट ऑपरेशन ऑफ़ अ ग्रिड कनेक्टेड मोटर का आविष्कार करने के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ है। भारत सरकार के पेटेंट कार्यालय ने पेटेंट अधिनियम 1970 में निर्धारित प्रावधानों का पूरी तरह से पालन करते हुए शक्ति पंप्स को यह पेटेंट प्रदान किया है। यह पेटेंट दाखिल करने की तारीख से 20 वर्षों की अवधि के लिए मान्य है। यह कम्पनी को मिला 14 वां पेटेंट है। यह पेटेंट तकनीक मोटर और ग्रिड विद्युत प्रणालियों दोनों के लिए कई प्रमुख लाभ प्रदान करती है। यह मोटर की गति को धीरे-धीरे बढ़ाकर, सॉफ्ट स्टार्टर मोटर और जुड़े उपकरणों पर मेकेनिकल स्ट्रेस को कम करता है जिससे मोटर की लाइफ बढ़ती है साथ ही मेंटेनेंस कॉस्ट भी कम होती है। यह पारंपरिक स्टार्टिंग टेक्निक के सडन टॉर्क और मैकेनिकल शॉक को खत्म करते हुए, एक स्मूथ और नियंत्रित स्टार्ट देती है।

फाइबरवेब इंडिया की वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही में कुल आय 328 प्रतिशत बढ़ी

मुंबई, एजेंसी। नान वोवन फैब्रिक की निर्माता और 100 प्रतिशत ईओयू, फाइबरवेब (इंडिया) लिमिटेड ने वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणाम की घोषणा की है. प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए फाइबर वेब (इंडिया) लिमिटेड के डायरेक्टर श्री भावेश पी सेठ ने कहा,हम सहर्ष वित्त वर्ष 24 की चौथी तिमाही और वित्त वर्ष 24 के परिणाम की घोषणा करते हैं जो हमारे लचीलेपन और हमारे वित्तीय प्रदर्शन में उल्लेखनीय टर्नअराउंड को दर्शाते है. हमने लाभप्रदता में भी पर्याप्त सुधार हासिल किया है, जो हमारी मजबूत मार्जिन ग्रोथ में परिलक्षित होता है. सुधरती बाजार स्थित से हमारी ग्रोथ आगे भी कायम रहने की उम्मीद है. हम दीर्घकालीन समर्थन के लिए हमारे सभी स्टेकधारकों के हार्दिक आभारी है.

बच्चों की शिक्षा पर स्टैंडअप फॉर लर्निंग गैप के लिए पी एंड जी शिक्षा अभिज्ञान से जुड़ीं कोंकणा सेन शर्मा

मुंबई, एजेंसी। पी एंड जी इंडिया के सीएसआर विभाग की एक प्रमुख पहल, पी एंड जी शिक्षा ने एक नया अभियान स्टैंडअप फॉर लर्निंग गैप लॉन्च किया है। नेशनल अचीवमेंट सर्वे द्वारा 2021 में कराए गए सर्वे के मुताबिक देशभर में 6 करोड़ से ज्यादा बच्चों में शैक्षिक प्रगति की कमी पाई गई है। इन बच्चों की समस्या पर ध्यान देने के उद्देश्य से पीएंडजी शिक्षा ने यह अभियान शुरू किया है। हालाँकि शिक्षा तक पहुंच में काफी सुधार हुआ है, लेकिन गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच एक चुनौती बनी हुई है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित कई बच्चों को समाज में मजाक या उपहास का सामना करना पड़ता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि इस मुद्दे की सार्वजनिक समझ कम है। ऐसी गुणवत्ताहीन शिक्षा का बच्चों पर प्रभाव इस विषय पर एक विचारोत्तेजक सेमिनार का आयोजन अभियान के तहत किया गया।

स्टैंडअप फॉर लर्निंग गैप की अवधारणा पर आधारित इस सेमिनार का संचालन लेखिका और पूर्व पत्रकार प्रियंका खन्ना ने किया। दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता अभिनेत्री और निर्माता कोंकणा सेन शर्मा, पी एंड जी इंडिया के ब्रांड ऑपरेशंस के उपाध्यक्ष और ग्रूमिंग प्रमुख अभिषेक देसाई, तथा स्टैंड-अप कलाकार राहुल दुआ ने पैनल में भाग लिया।इन वक्ताओं ने बड़े होने के दौरान अपने स्वयं के अनुभवों के माध्यम से सीखने में अंतराल वाले बच्चों के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की, साथ ही भारत में सभी बच्चों के लिए एक सहायक सीखने का माहौल बनाने के लिए शिक्षकों, माता-पिता और समुदाय के बीच सहयोग के महत्व पर चर्चा की। कोंकणा और राहुल ने अपने सीखने के स्तर को निर्धारित करने के लिए स्वयं एक परीक्षण भी दिया। उन्होंने वैचारिक समझ और मजबूत नींव बनाने पर ध्यान देने की जरूरत बताई। इस आयोजन में, पी एंड जी शिक्षा पहल के तहत एक नया विज्ञापन फिल्म जारी की गई। यह अपनी तरह की पहली फिल्म है जो दर्शकों को जोड़ने के लिए प्रासंगिक हास्य और स्टैंड-अप अनुक्रम का उपयोग करती है, तथा उन्हें शैक्षिक कमजोरी पर ध्यान देने और इस उद्देश्य के लिए खड़े होने के लिए प्रेरित करती है। सेमिनार में अभिनेत्री कोंकणा सेन शर्मा ने कहा, मेरा मानना है कि बच्चों को उनकी पूरी क्षमता उजागर करने के लिए शिक्षा आवश्यक है। पी एंड जी शिक्षा के साथ अपने जुड़ाव के माध्यम से, मैं शैक्षिक अंतर के बारे में और जागरुकता फैलाने में मदद करना चाहती हूं।

नए विज्ञापन के बारे में बोलते हुए, पी एंड जी इंडिया के ब्रांड संचालन के उपाध्यक्ष और ग्रूमिंग श्रेणी नेता अभिषेक देसाई ने कहा, पिछले 19 वर्षों से, पी एंड जी शिक्षा ने भारत में लाखों वंचित बच्चों को शैक्षिक अवसर प्रदान किए हैं।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के पार पहुंचा

मुंबई, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 23 मई, 2024 को 5 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (416.57 ट्रिलियन रुपये) को पार कर गया। उसी दिन, निफ्टी 50 इंडेक्स 22,993.60 के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। निफ्टी 500 इंडेक्स ने भी सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ। आज 21,505.25 का उच्च स्तर दर्शाता है कि इक्विटी बाजार में वृद्धि केवल बड़े, पूंजीकृत शेयरों तक ही सीमित नहीं है।भारतीय सूचीबद्ध कंपनियों के बाजार पूंजीकरण को 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (जुलाई 2017) से 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (मई 2021) तक पहुंचने में लगभग 46 महीने लगे, 3 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से 4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर (दिसंबर 2023) तक पहुंचने में लगभग 30 महीने लगे और अब नवीनतम अमेरिकी डॉलर 1 ट्रिलियन जोड़ने में केवल 6 महीने लगे। बाजार पूंजीकरण के हिसाब से शीर्ष 5 कंपनियां रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज लिमिटेड, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड और भारती एयरटेल लिमिटेड हैं। पिछले 10 वर्षों में, निफ्टी 50 इंडेक्स ने 13.4 प्रतिशत रिटर्न (टोटल प्राइस इंडेक्स सीएजीआर) दिया है। इसी अवधि के दौरान, घरेलू म्यूचुअल फंडों का एसेट अंडर मैनेजमेंट (इक्विटी और ऋण) अप्रैल 2014 के अंत में 9.45 ट्रिलियन रुपये से 506 प्रतिशत बढ़कर अप्रैल 2024 के अंत में 57.26 ट्रिलियन रुपये हो गया। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की प्रबंधन के तहत संपत्ति (इक्विटी और ऋण) अप्रैल 2014 के अंत में 16.1 ट्रिलियन रुपये से 345 प्रतिशत बढ़कर अप्रैल 2024 के अंत में 71.6 ट्रिलियन रुपये हो गई।

प्रतिभा खोज बेडमिंटन स्पर्धा का हुआ पुरुस्कार वितरण समारोह, सीनियर खिलाड़ियों ने किया मार्गदर्शन

छिंदवाड़ा। जिला बैडमिंटन संघ छिंदवाड़ा द्वारा जिला स्तरीय जूनियर महिला पुरुष बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 24 मई तक स्थानीय ओलंपिक बैडमिंटन स्टेडियम में किया गया जिसमें जिले भर के खिलाड़ियों ने भाग लिया उल्लेखनीय है कि बैटमिंटन प्रतिभा खोज चयन स्पर्धा के माध्यम से खिलाड़ियों के खेल स्तर में सुधार कर उनको आगामी प्रतियोगिताओं के लिए तैयार किया जा रहा है इसी के साथ ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण शिविर के माध्यम से खिलाड़ियों को तराशा जा रहा है आज खेले गए फाइनल मैचों में छिंदवाड़ा के खिलाड़ी अग्रणी रहे इस अवसर पर वरिष्ठ खिलाड़ियों द्वारा कैम्प व स्पर्धा में भाग ले रहे खिलाड़ियों को मार्गदर्शन प्रदान कर खेल स्तर में सुधार के टिप्स प्रदान किये गए। खिलाड़ियों के उत्साह वर्धन हेतु अभिषेक पाटनीए जितेंद्र सोलंकीएबाबर खानएडॉ प्रकाश टाटाएआर आर नागलेएडॉ अनिल जैनएसैय्यद अस्सु अली एपवन मालवी एअजहर खान व ललिता सरवैया उपस्थित रहे। इस अवसर पर 12 प्रशिक्षक व निर्णायकों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया ।साथ ही 30 विजेता ओर उपविजेता जूनियर खिलाड़ियों को पुरुष्कृत किया गया । स्पर्धा अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह बैंस ने बताया कि इस चैंपियनशिप में जीते खिलाड़ी आगामी दिनों में आयोजित राज्यस्तरीय स्पर्धा में भाग लेंगे सचिव व आयोजक जावेद खान ने बताया कि अगले सप्ताह परासिया में आयोजित जिला चेम्पियनशिप में छिंदवाड़ा जिले के खिलाड़ी भाग लेंगे। स्पर्धा में राज्यस्तरीय निर्णायक रत्नेश दुबेएकोमल साहए आनंद पाठक एविनय सिंह आयुषी जैनएमहिमा यादव एतरुण सोनी ने अपनी सेवाएं दी।

देवर्षि नारदजी की जयंती

छिंदवाड़ा। देवर्षि नारद की जयंती पर सभी पत्रकार साथियों को हार्दिक शुभकामनाएं।

मतगणना के संबंध में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक 27 मई को

छिन्दवाड़ा। लोकसभा निर्वाचन 2024 के अंतर्गत 04 को मतगणना की जायेगी। मतगणना के संबंध में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक 27 मई को शाम 5 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित की गई है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के.सी. बोपचे ने जिले के सभी मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष-सचिव और लोकसभा निर्वाचन 2024 के सभी अभ्यर्थियों से 27 मई को मतगणना संबंधित वर्कशॉप के बाद शाम 5 बजे आयोजित स्टैंडिंग कमेटी की बैठक में स्वयं एवं अपने निर्वाचन अभिकर्ता के साथ उपस्थित रहने का अनुरोध किया है। साथ ही उन्होंने पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा, सभी सहायक रिटर्निंग ऑफिसर, मतगणना संबंधी सभी नोडल अधिकारियों और नेशनल लेवल एवं स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर्स को भी बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं।

काउंटिंग सहायक को प्री.कांउटिंग की प्रक्रिया का दिया गया प्रशिक्षण

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी शीलेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार ई.दक्ष केन्द्र छिन्दवाड़ा में ईटीपीबीएस के लिये नियुक्त काउंटिंग सुपरवाईजर एवं काउंटिंग सहायक (तकनीकी सहायक) को प्री.कांउटिंग की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया एवं डेमो पोर्टल पर हैंड्स ऑन कराया गया।

श्रीमती मालन बाई पंचतत्व में विलीन

छिंदवाड़ा। दीनदयाल पुरम के साथी भाई संतोष देशमुख की माता स्व. सुरेश देशमुख की धर्मपत्नी श्रीमती मालन बाई देशमुख का देवलोक गमन हो गया उनके अंतिम संस्कार में समाज के सभी वर्गो के लोगों ने भाग लेकर श्रद्धांजली अर्पित की।

जिला अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था मिले

मेडीकल और अस्पताल के चिकित्सक अपनी अपनी जिम्मेदारी निभाएं, कलेक्टर ने ली मेडिकल कॉलेज और जिला चिकित्सालय के अधिकारियों की बैठक ली

छिंदवाड़ा। जिला चिकित्सालय में बिगड़ी स्वास्थ्य व्यवस्था को सुधारने के लिए कलेक्टर ने तीखे तेवर दिखाते हुए जिला अस्पताल और मेडीकल प्रबंधन को निर्देश दिए कि इलाज में मरीजों को परेशानी नही होनी चाहिए। सभी चिकित्सक अपनी अपनी जिम्मेदारी निभाएं। कलेक्टर शीलेंद्र सिंह ने जिला अस्पताल प्रबन्धन के संदर्भ में छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज एवं जिला चिकित्सालय के अधिकारियों की बैठक ली। कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित इस बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पार्थ जायसवाल अपर कलेक्टर के.सी. बोपचे मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी.सी.चौरसिया छिंदवाड़ा मेडिकल कॉलेज के इंचार्ज डीन डॉ. वाघमारे मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ. विपिन जैन और जिला अस्पताल छिंदवाड़ा से सिविल सर्जन सह अधीक्षक जिला अस्पताल डॉ. एम.एस.सोनिया,आरएमओ डॉ. संजय राय,असिस्टेंट मैनेजर डॉ. उदय पराड़कर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में जिला अस्पताल चिकित्सालय के आरएमओ प्लानिंग बनाएं। जिन वार्डों में मरीजों की संख्या ज्यादा होती वहां ज्यादा कर्मचारी डिप्लॉय कोई जाएं। आउट सोर्स से कार्यरत सुपरवाईजर्स की जिम्मेदारी भी तय की जाए यदि किसी वार्ड में गड़बडी पाई जाती है तो संबंधित सुपरवाईजर को नोटिस दिया जाए और कार्यवाही भी की जाए।

प्रबंधन के संदर्भ में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा उपरान्त आवश्यक दिशा . निर्देश दिये गये।

साफ सफाई व्यवस्था विशेष ध्यान दें

कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि जिला अस्पताल परिसर की साफसफाई नियमित रूप से सुनिश्चित हो इसके लिए नगर पालिक निगम छिंदवाड़ा से समन्वय बनाकर कार्यवाही करें। जिला अस्पताल में उपलब्ध सुरक्षा कर्मियों सफाई कर्मचारियों आदि के स्टॉफप्रबन्धन के लिए डीन मेडिकल कॉलेज एवं सिविल सर्जन से चर्चा कर

अस्पताल में बंद लिफ्ट तत्काल ठीक कराएं

जिला अस्पताल की बंद लिफ्ट को तत्काल ठीक कराएं।अस्पताल में फायर सेफ्टी सिस्टम बन्द है उसे यथाशीघ्र सुधरवाएं। सभी ड्यूटी डॉक्टर्स की उनके नियत समय में अस्पताल में ड्यूटी पर उपस्थिति सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला अस्पताल में कार्यरत सफाई कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के लिए जिन वार्डों में साफसफाई नियमित रूप से बेहतर पाई जायेगी उन्हे आगामी 15 अगस्त एवं 26 जनवरी पर सार्वजनिक समारोह में सम्मानित किए जाने के संबंध में सभी को अवगत कराने के निर्देश भी दिये गये।

अंतर्राज्यीय मोटरसायकिल चोर गिरोह पकड़ाया

4 मोटरसायकिल जब्त, दो आरोपी गिरफ्तार

छिंदवाड़ा। अमरवती में वेटर का काम करते करते दो युवक बाइक चोरी करने लगे ओर उसे सस्ते दामों में छिंदवाड़ा के नवेगांव में लाकर बेचने लगे नवेगांव पुलिस ने दोनो चोरों को पकड़ लिया। और इनके कब्जे से चार बाईक जब्त की है। दरअसल पिछले दिनों इन युवाओं ने को एलईडी चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

इनके पास एक बाईक भी मिली थी। जांच से पता चला कि यह अमरावती से चुराई गई थी पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की तो आरोपी ने चोरी की वारदात का खुलासा किया। उनके पास से 2 लाख 50 हजार की 4 मोटरसायकिल जब्त की गई है। नवेगांव थाना प्रभारी राजेश साहू ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन में चोर गिरोह को पकड़ने में पुलिस को कामयाबी मिली आरोपियों ने सावलाल पिता चम्पालाल धुर्वे ग्राम उमरघोड खुर्द में अपनी अपनी बहन के विवाह के दौरान टेंट पंडाल में से उपहार स्वरूप दी गई 32 इंच एलईडी चोरी होने की रिपोर्ट लिखाई थी विवेचना पर आरोपी जसवंत भन्नारे से बरामद एक मोटर सायकिल की जानकारी आरटीओ से ली गई पूछताछ पर तीन और मोटरसायकिल बरामद की गई। पकड़ाए आरोपियों में जसवंत पिता सुग्रीव भन्नारे निवासी डोडासेमर नवेगांव, बबलू पिता बालारामा सिंगारे निवासी अमरावती महाराष्ट्र शामिल हैं।

कड़ी मेहनत और समर्पण से मिलती है सफलता

इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में परिणाम एवं सम्मान समारोह

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में 2019 बैच के छात्रों की शैक्षणिक उपलब्धियों का जश्न मनाते हुए एक भव्य सम्मान और परिणाम उत्सव समारोह आयोजित किया गया। छात्रों की कड़ी मेहनत और समर्पण का सम्मान करने के लिए फैकल्टी और छात्र संस्थान के डॉक्टर रजा सभागार में एकत्र हुए।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में संस्थान के डीन डॉ. विवेकानन्द वाघमारे की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग की प्रमुख डॉक्टरसिरपुरकर के द्वारा स्वागत भाषण में शैक्षणिक उत्कृष्टता के महत्व और अनुकूल शिक्षण माहौल को बढ़ावा देने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। डॉ. सिरपुरकर ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रों की सराहना की।

डॉ. वाघमारे ने अपने मुख्य भाषण में छात्रों के दृढ़ संकल्प और मेहनत की प्रशंसा कीए विशेष रूप से कोविड.19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के आलोक में। उन्होंने चिकित्सा क्षेत्र में दृढ़ता और सीखने मे निरंतरता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहाए आपकी यात्रा अभी शुरू हुई है। आपने यहां जो ज्ञान और कौशल हासिल किया हैए वह स्वास्थ्य देखभाल में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए जिवनभर आपके उपकरण बनेंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 2019 बैच के श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने वालों का सम्मान कार्यक्रम था। विभिन्न विषयों और समग्र शैक्षणिक प्रदर्शन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों का सम्मान कर उन्हे पुरस्कार प्रदान किए गए। पुरस्कार पाने वालों में प्रथम तीन छात्र थे।

'टॉपर्स, बैच 2019 प्रथम कु. मुस्कान शर्मा, द्वितीय कु. जसविंदर कौर अजमानी तथा तृतीय कु. सौम्या अग्रवाल' विषय मे 75 से ज्यादा नंबर पाने वाले छात्रों को भी समानित किया गया।' प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग में 9 सर्जरी में 1 और पीडिया ट्रिक्स में 1 छात्र को 75 प्रतिशत से ज्यादा अंक प्राप्त हुए। उनके उम्दा प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया। शल्यचिकित्सा और बालरोग शास्त्र इस विषय मे कु. मुस्कान शर्मा और प्रसूती शास्त्र स्त्री रोग इस विषय में कु. जसविंदर कौर, अनुप्रिया दुबे, आस्था बागड़े, मल्लिका खरे, प्रियल नागर, श्रेया देवकते, शिवानी मिश्रा, सौम्या अग्रवाल तथा अजय मिश्रा इनको यह गौरव प्राप्त हुआ।

समारोह का समापन एंकर के वोट ऑफथैंक्स के साथ हुआए जिन्होंने आयोजन समिति के प्रयासों और सभी उपस्थित लोगों की भागीदारी की सराहना की। उन्होंने छात्रों की शैक्षणिक यात्रा को आकार देने में प्रशासन के समर्थन और फैकल्टी के योगदान को उर्दूत किया। उपस्थित फैकल्टी में डॉ. प्रीतम खैरकर, डॉ. अश्विनी पटेल, डा. विकास रंगारे, डॉ. भूपेन्द्र जैन, डॉ. ज्योति नागवंशी, डॉ. रितेश उपाध्याय, डॉ. रूपेश साहू, डॉ. संदीप भौत, डॉ. कपिल रघुवंशी, एवं डॉ. स्वाति मीना थे।

सभी देवताओं में केवल शिवजी ही दो स्वरूपों में पूजे जाते हैं : लवकुश महाराज

नगर के गणेश मंदिर में जारी है सात दिवसीय संगीतमय शिव महापुराण

बिछुआ। नगर के नजरपुरा रोड स्थित गणेश मंदिर में इन दिनों संगीतमय शिव महापुराण कथा का आयोजन चल रहा है। शिव महापुराण ज्ञान यज्ञ में वृंदावन धाम से आए प्रसिद्ध कथावाचक लवकुश महाराज के द्वारा बड़े ही मनमोहक अंदाज में प्रतिदिन कथा का वर्णन किया जा रहा है। बीती रात्रि कलीन बेला में लवकुश महाराज ने भगवान महादेव की कथा का वर्णन करते कहा कि इस सृष्टि में सभी देवताओं में केवल भगवान शिवजी ही जिनकी दो स्वरूपों में पूजा की जाती हैं। पहला शिवलिंग और मूर्ति स्वरूप में पूजे जातें है। भक्त भोलेनाथ को साकार और निराकार दोनों ही स्वरूपों में पूजते हैं। प्रतिदिन शिवलिंग का जल से अभिषेक करने के फायदे बताते हुए कहा कि पार्थिव शिवलिंगों की पूजा से जन्म जन्मांतर के पापों से मुक्ति मिलती है। रविवार को लोग छुट्टी का दिन समझकर आराम करते हैं लेकिन वास्तव में इस शिवजी की पूजा करने से भोलेनाथ सबसे ज्यादा प्रसन्न होते हैं। उन्होंने से शिवलिंग के स्वरूप धरण करने की महिमा का बखान भी किया। काशी विश्वनाथ में भोलेनाथ के दर्शन के महत्व को बताया।

प्रतिदिन दोनों समय हो रही कथा

गणेश मंदिर स्थापना के तृतीय वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर जारी संगीतमय शिव महापुराण की कथा में कथावाचक लवकुश महाराज के द्वारा के द्वारा प्रतिदिन दोपहर में 2 से 5 बजे तक तथा रात्रि में 8 से 11 बजे तक कथा बताई जा रही है। आयोजन समिति ने धर्म प्रेमियों से कथा में पहुंचकर कथा श्रवण कर धर्मलाभ लेने की अपील की है। कथा आगामी 28 मई तक जारी रहेंगीए जिसका 29 मई को महाप्रसादी वितरण के साथ समापन होंगा। कथा नगर समेत आसपास ग्रामों के धर्मप्रेमियों के सहयोग से संपन्न हो रही है।

निरीक्षण | समय पर आंगनवाड़ी केन्द्र न खुलने पर बनाया पंचनामा

राजीव आवास में अव्यवस्थाओं पर नाराज हुए कानूनगो

सांध्य प्रकाश, विदिशा। शुक्रवार को राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष शुक्रवार को विदिशा दौरे पर थे। जहां उन्होंने कुपोषण की समस्या से निपटने आंगनवाड़ी केन्द्रों का दौरा किया। सोराई मार्ग पर स्थित राजीव आवास का निरीक्षण किया, जहां पेयजल की समस्या के साथ-साथ बच्चों के स्कूल दूर होने, आंगनवाड़ी केन्द्र न होने पर नाराजगी व्यक्त की। एक दिन के भीतर बच्चों का डाटा मांगा गया है।

शुक्रवार को राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो विदिशा पहुंचे। सुबह साढ़े 10 बजे वे वार्ड 33 के अंतर्गत आंगनवाड़ी केन्द्र पहुंचे। जहां केन्द्र सुबह 9 बजे खुलना था, वह साढ़े 10 तक नहीं खुला था। उनकी सूचना और परियोजना अधिकारी की सूचना के बाद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बसंती अहिरवार, आंगनवाड़ी सहायिका रजनी बाथम ने ताले खोले। आंगनवाड़ी केन्द्र का निरीक्षण कर यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। केन्द्र समय पर न खुलने प्रियंक कानूनगो ने नाराजगी व्यक्त की। वहीं उन्होंने कहा कि

कुपोषण की समस्या से निजात पाने के उद्देश्य से आंगनवाड़ी केन्द्र में कई सुविधाएं दी गई है। आकांक्षी जिले में शामिल विदिशा के लिए नीति आयोग ने विशेष कार्यक्रम भी रखे हैं, जिस तरीके जमीनी तौर पर आंगनवाड़ी केन्द्र काम नहीं कर रहे हैं, वह ठीक नहीं है।

राजीव आवास की अव्यवस्थाओं पर नाराजगी

आंगनवाड़ी केन्द्रों और खास तौर पर शहरी क्षेत्र से कुछ दूरी पर स्थित केन्द्रों के निरीक्षण और वहां की व्यवस्थाओं को जांचने के लिए प्रियंक कानूनगो शहर के दूसरे छोर सोराई रोड पर स्थित जतरापुरा के आगे राजीव आवास योजनांतर्गत बनाई गई कालोनी में पहुंचे। राष्ट्रीय आयोग के सरकारी वाहन और उनके साथ चल रही सुरक्षा व्यवस्था और अन्य चीजों को देखकर वहां रहने वाले लोगों को लगा कि उनकी पेयजल की समस्या हल करने कोई अधिकारी आए हैं। इसी दौरान पेयजल समस्या को लेकर भी उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारी से बात कर हल करने की बात कही। वहीं बाद में स्कूल और आंगनवाड़ी के संबंध में जानकारी देखी। जिसमें मालूम हुआ कि बच्चों का स्कूल लगभग 7 से 8 किमी दूर है। वहीं यहां आंगनवाड़ी केन्द्र नहीं है। जबकि इस आवास कालोनी में लगभग 300 परिवार हैं, निश्चित है कि बच्चों की तादात भी जो अलग-अलग आयु वर्ग में है वह काफी है। मौके पर पार्षद कपिल साहू को भी बुलवाया गया।

उनके जवाबों से भी प्रियंक कानूनगो संतुष्ट नहीं हुए। उन्होंने इस कालोनी में रहने वाले 0 से 3, 4 से 6, 7 से 14 और 15 से 18 वर्ष के बच्चों का डाटा 24 घंटे में उपलब्ध कराए जाने के निर्देश दिए हैं। उनकी पढ़ाई, उनके स्वास्थ्य के बारे में भी जानकारी मांगी है। उसके बाद आगे कार्यवाही की बात प्रियंक कानूनगो ने कही।

नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विश्वविद्यालय के बोर्ड मेम्बर आज आयेंगे छिंदवाड़ा

छिन्दवाड़ा। उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ.एच.जी.एस. पक्षवार ने बताया कि नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विश्वविद्यालय के बोर्ड मेम्बर एवं मध्यप्रदेश पोल्ट्री इंडस्ट्रीज के विशेषज्ञ डॉ.महेन्द्र सिंह 25 को छिंदवाडा आयेंगे। डॉ.सिंह के साथ भदभदा फार्म भोपाल से सेवानिवृत संयुक्त संचालक डॉ. जीतेन्द्र कुल्हारे भी छिंदवाड़ा प्रवास पर रहेंगे। जिले में पदस्थ सभी पशु चिकित्सकों से सौजन्य भेंट कर पशुपालनए मुर्गीपालन एवं बकरी पालन में हो रहे नवाचार के संबंध में चर्चा करेंगे। इस दौरान उप संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग डॉ. पक्षवार, सहायक संचालक डॉ. एम.के. मौर्य एवं शासकीय पशु प्रजनन प्रक्षेत्र के प्रबंधक डॉ. एस.आर. सूर्यवंशी तथा शासकीय कुक्कुट प्रक्षेत्र के प्रबंधक डॉ.सोनू कदम भी उपस्थित रहेंगे। डॉ सिंह द्वारा जिले के पोल्ट्री फार्मर्स से भी भेंट की जायेगी।

धुरवार नवलपुर मे हो रहे अवैध कोयले खनन पर एसडीएम की कार्यवाही

शहडोल :- जिले के संवेदनशील कलेक्टर द्वारा अवैध खनन रोकने गये दो शासकीय व्यक्तियों की हुई मौत वाले प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए जिले मे धारा 144 प्रभावशील कर दी है परंतु जिम्मेदारो द्वारा इसका पूर्ण रूप से पालन होता प्रतीत नहीं हो रहा है, थाना क्षेत्र सोहागपुर अंतर्गत ग्राम नवलपुर और धुरवार क्षेत्र मे अवैध कोयले का खनन एक लम्बे समय से जारी है, आये दिन कोयला कारोबारियों द्वारा ग्रामीणों की जान जोखिम मे डालकर कोयले का अवैध उतखन्न करवाया जा रहा है जिसका स्टिंग वीडियो हमारे पत्रकार साथी द्वारा जब अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अभिषेक दीवान और एसडीएम अरविन्द शाह के समक्ष रखा गया तो पूरी सक्रियता और पारदर्शिता के साथ एसडीएम अरविन्द शाह खनिज विभाग के इंस्पेक्टर प्रभात पट्टा माइनिंग सर्वेयर समयलाल गुप्ता पुलिस के चार जवान और होमगार्ड के दो जवानों के साथ दल मे मौके पर पहुचे जहाँ उन्हें मौके पर उतखन्न होते मिला जिसपर उन्होंने खनन कर रहे लोगो को पकड़ने की कोशिश की तो पुलिस को देख खनन कर रहे लोग भाग खड़े हुए विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण उन्हें पकड़ना संभव न हो सका जिसपर उन्होंने मौके पर खनन के लिये पड़े अवजार और कोयले की बोरिया भारी मात्रा मे जप्त की है 7

आखिर क्यों नहीं हो रही कड़ाई :-

विदित हो की लगातार जिले मे अवैध खनन जारी है जिसको रोकने हेतु जिला प्रशासन एड़ी चोटी का बल लगा रहा है परन्तु ऐसी क्या बात है जो इसपर लगाम नहीं लग पा रही है सूत्रों की माने तो धुरवार नवलपुर धनगवा हर्री बिरुहली क्षेत्र मे एक लम्बे अरसे से कोयला एवं रेत का खनन अवैध रूप से जारी है वही आश्चर्य वाली बात तो यह भी है की पुलिस की कड़ाई के बावजूद दिन के उजाले मे सबके सामने से कोयले और रेत का खनन किया जा रहा है

खनन पर उठ रहे सवाल :-

जिस तरह से धुरवार और नवलपुर क्षेत्र मे कोयले खनन के लिए खाई खोद दी गयी है इससे एक बात तो स्पष्ट है की ये कार्यक्रम एक दिन का तो नहीं है वही एक लम्बे अरसे से चल रहे इस कार्य पर आखिर जिम्मेदारो की निगाहें क्यों नहीं पड़ी आखिर क्या ऐसी बात है जिसके चलते पुलिस की कड़ी निगाह से इतनी बड़ा धंधा ओझल है आखिर क्यों जिम्मेदारो के कार्यवाही का चाबुक इनपर नहीं पड़ा जैसे तमाम सवाल आज स्थानीय ग्रामीणों से लेकर जिले के बुद्धजीवीयो के जहन मे है

ईट भटठो पर भी डाले नजर :-कैलाश तिवारी

जिले के भाजपा नेता कैलाश तिवारी ने कहाँ की कोयले की चोरी एक गंभीर विषय है जिले के संवेदनशील कलेक्टर द्वारा धारा 144 लागू कर सख्त निर्देश दिए गये है परंतु जिम्मेदारो द्वारा इसका अक्षरसः पालन नहीं किया जा रहा है, उन्होंने कहाँ की यदि जिले भर के ईट भट्ठो पर जांच की जावे तो कोयला चोरी का ज्यादातर माल इन्ही के पास प्राप्त होगा, उन्होंने आगे कहाँ की ईट भट्ठो मे कोयले की खपत ज्यादा है जिसके चलते चोरी के कोयले का बड़ा लाट यहाँ खपता है मेरा जिला के संवेदनशील कलेक्टर से अनुरोध है की जिले भर मे हो रहे ईट भट्ठे के संचालन पर विधिवत कार्यवाही की जावे तो कोयले की चोरी और अवैध खनन पर लगाम लगाई जा सकती है 7

मप्र के 23 जिलों में कागजों पर बंट गया मध्यान्ह भोजन

भोपाल। मध्यप्रदेश के 23 जिलों में कागजों पर मध्यान्ह भोजन (द्वद्वस्त्रस्त्रड्ड4 द्वद्गड्डद्य) का वितरण कर दिया गया। जिम्मेदारों की हिम्मत देखिए कि उन्होंने भोजन वितरण की फर्जी जानकारी मॉनीटरिंग सिस्टम पोर्टल पर भी दर्ज कर दी, लेकिन वह यह भूल गए कि इस दौरान उन्होंने भोजन वितरण करने की जानकारी दर्ज की है, उस समय स्कूलों में छुट्टियां थी। अब मामला सामने आया तो जिम्मेदारों पर कार्रवाई की तैयारी की गई है।

मामला यह है कि प्रधानमंत्री पोषण कार्यक्रम के तहत सरकारी स्कूलों में मध्यान्ह भोजन का वितरण बच्चों में किया जाता है। प्रदेश के 23 जिलों के स्कूलों में एक मई से 15 जून 2024 तक मध्यान्ह भोजन का वितरण करने की जानकारी ऑटोमेटिव मॉनीटरिंग सिस्टम (एएमएस) पोर्टल पर दर्ज की जा रही है, जबकि इस अवधि में स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई है। पोर्टल की मॉनीटरिंग कर रहे अधिकारियों की नजर जब इस फर्जीवाड़े पर पड़ी तो उन्होंने 23 जिलों के स्कूलों में पदस्थ जिम्मेदारों पर कार्रवाई करने के लिए पत्र लिख दिया।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के राज्य समन्वयक मनोज पुष्प के अनुसार प्रदेश के बड़वाही, सतना, रायसेन, भिंड, गुना, जबलपुर, आगर मालवा, झाबुआ, टीकमगढ़, मंडला, मंदसौर, बालाघाट, बैतूल, भोपाल, डिंडौरी, नरसिंहपुर, रतलाम, सागर, सिवनी, शहडोल, श्योपुर, शिवपुरी जिलों के स्कूलों में अवकाश अवधि के दौरान मध्यान्ह भोजन वितरण किया गया है।

स्कूलों में अवकाश अवधि के दौरान बच्चों को मध्यान्ह भोजन वितरण करने की जानकारी मॉनीटरिंग पोर्टल पर दर्ज की जा रही थी। इसकी खबर मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग को नहीं लगी। इस फर्जीवाड़े को केन्द्र सरकार की मॉनीटरिंग एजेंसी ने पकड़ा और मप्र स्कूल शिक्षा विभाग को जानकारी दी। इसके बाद प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के राज्य समन्वयक एक्शन में आए और आनन फानन में 23 जिलों में हो रहे फर्जीवाड़े पर कार्रवाई करने की तैयारी की गई।

शाला प्रभारियों के खिलाफ होगी कार्रवाई

मध्यान्ह भोजन में फर्जीवाड़ा करने वाले शाला प्रभारियों के खिलाफ कार्रवाई जाएगी। इसके लिए प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण के राज्य समन्वयक मनोज पुष्प ने जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को पत्र लिखा है।

कृपया ध्यान दें

नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय नागरिकों और निवासियों को निम्नलिखित के बारे में चेतावनी देता है

आने वाले दिनों में तापमान में वृद्धि के कारण, जो 47 से 55 डिग्री सेल्सियस के बीच है, और क्यूम्यलस बादलों की उपस्थिति के कारण अधिकांश क्षेत्रों में घुटन भरा वातावरण बन रहा है, यहाँ कुछ चेतावनियाँ और सावधानियाँ दी गई हैं...

कारों को इनसे दूर रखना चाहिए
गैस सामग्री।
लाइटर।
कार्बोनेटेड पेय।
सामान्य रूप से परफ्यूम और डिवाइस बैटरी।

कार की खिड़कियाँ थोड़ी खुली होनी चाहिए (वेंटिलेशन)।
कार के ईंधन टैंक को पूरा न भरें।
शाम के समय कार में ईंधन भरें।
सुबह कार से यात्रा करने से बचें।
कार के टायरों में हवा न भरें, खासकर यात्रा के दौरान।

बिच्छुओं और साँपों से सावधान रहें क्योंकि वे अपने बिलों से बाहर निकलेंगे और ठंडी जगहों की तलाश में खेतों और घरों में घुस सकते हैं।

खूब सारा पानी और तरल पदार्थ पिएँ।
सुनिश्चित करें कि गैस सिलेंडर धूप में न रखें।

सुनिश्चित करें कि बिजली मीटर ओवरलोड न हों और घर के व्यस्त क्षेत्रों में ही एयर कंडीशनर का उपयोग करें, खासकर जब बहुत ज़्यादा गर्मी हो।

सीधे धूप में न निकलें, खासकर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे के बीच।

अंत में- कृपया इस जानकारी को साझा करें क्योंकि हो सकता है कि अन्य लोगों को इसकी जानकारी न हो और वे इसे पहली बार पढ़ रहे हों...

सादर, नागरिक सुरक्षा महानिदेशालय

मप्र में किसी ने सड़क पर नमाज पढ़ी तो खैर नहीं, यूपी फॉर्मूला भी अपनाएगी सरकार

भोपाल। सीएम मोहन यादव ने लॉ एण्ड ऑर्डर के लिए सख्त रुख अपना लिया है। उन्होंने शुक्रवार 24 मई को मंत्रालय में कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश के पुलिस महकमे की बड़ी बैठक ली। दो टूक शब्दों में कहा कि पहले जो चल रहा था, वह अब नहीं चलेगा। व्यवस्था न सुधरी तो अफसरों को हटा दिया जाएगा।

सीएम ने डेढ़ घंटे डीजीपी सुधीर सक्सेना सहित, एडीजी इंटेलिजेंस, सीआईडी, प्लानिंग शाखा के तमाम अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा की। उन्होंने कहा, अब प्रदेश में कहीं भी सड़क पर नमाज पढ़े जाने की खबर नहीं आनी चाहिए। यदि ऐसा हुआ तो संबंधित जिले के एसपी पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सीएम ने डीजीपी सुधीर सक्सेना से कहा कि प्रदेश की संकरी और अंधी गलियों में पुलिस फोर्स नहीं पहुंच पाती है। लिहाजा, ऐसे क्षेत्रों में अतिक्रमण हटाया जाए, ताकि पुलिस उन गलियों में भी आसानी से पहुंचकर अपराधियों की धरपकड़ कर सके। सीएम डॉ. यादव ने यह भी निर्देश दिए कि ?राज्य के जिन शहरों और इलाकों में पिछले 10 वर्षों में कर्फ्यू अथवा दंगे की स्थिति बनी है तो उसे सूचीबद्ध करें। ऐसे इलाकों में पुलिस का मूवमेंट बढ़ाया जाए, ताकि अपराधियों में भी डर का माहौल हो।

यूपी फॉर्मूले पर रहा सीएम का जोर : बैठक के दौरान सीएम ने तीन से चार बार यूपी फॉर्मूले की बात कही। अप्रत्यक्ष रूप से उनका यही कहना था कि जिस तरह यूपी में अपराधियों पर लगाम कसने के लिए कड़ी कार्रवाई की गई है, वैसी ही अब मध्यप्रदेश में होनी चाहिए। पुलिस महकमे की किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विभिन्न राज्यों में भाजपा प्रत्याशियों के चुनाव प्रचार में व्यस्त रहने के बावजूद, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विभागीय समीक्षा बैठकों का सिलसिला जारी रखे हुए हैं। शुक्रवार को उन्होंने मंत्रालय में कानून व्यवस्था की समीक्षा बैठक ली और अधिकारियों से पूछा कि कहीं भी सड़क पर नमाज पढ़ने जैसी स्थिति तो नहीं है। अधिकारियों द्वारा इससे इनकार किए जाने पर उन्होंने कहा कि ऐसी कोई भी सूचना सामने न आए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून व्यवस्था के मामले में किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे व्यवस्थाओं में सुधार करें, अन्यथा उन्हें हटा दिया जाएगा।

जिला वैक्सीन केंद्र मे टीकाकरण केंद्र प्रारंभ

कामकाजी अभिभावक अब छुट्टी के दिनों में भी लगवा सकेंगे बच्चों को टीके

भोपाल। जिला वैक्सीन केंद्र में आदर्श टीकाकरण केंद्र बनाया गया है। यहां पर प्रतिदिन सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक टीकाकरण किया जावेगा। इस केंद्र में बच्चों को लगने वाले सभी टीकों के साथ-साथ वयस्क बीसीजी टीका भी लगाया जाएगा। केंद्र में अवकाश के दिनों में भी सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक टीकाकरण की सुविधा उपलब्ध रहेगी ताकि कार्यालयों में काम करने वाले अधिकारी एवं कर्मचारी अपने बच्चों को टीके लगवा सके।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ प्रभाकर तिवारी ने बताया कि टी बी, हेपेटाइटिस बी, पोलियो, खसरा, रोटा वायरस डायरिया, जापानी इंसेफेलाइटिस, टिटनेस, डिप्थीरिया, काली खांसी, हीमोफिलस इन्फ्लूएंजा, न्यूमोकोकल निमोनिया जैसी गंभीर बीमारियों से सुरक्षा हेतु टीका एक प्रभावी और सुरक्षित उपाय है। स्वास्थ्य संस्थाओं एवं आंगनबाड़ी केंद्रों में टीकाकरण की सेवाएं नियमित रूप से निशुल्क दी जाती हैं। किंतु कई बार कामकाजी अभिभावक कार्यालयीन व्यस्तताओं के कारण वैक्सीनेशन के निर्धारित शेड्यूल पर टीका नहीं लगता पाते हैं। इसे देखते हुए जेपी अस्पताल स्थित जिला वैक्सीन केंद्र में आदर्श टीकाकरण केंद्र स्थापित किया गया है।

भोपाल में वाहन चालकों को तपिश से बचाने भोपाल के टेंट व्यवसायियों ने चौराहों पर लगाए टेन्ट

भोपाल। परमजीत सिंह खनूजा अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश टेंट एसोसिएशन ने वाहन चालकों को तपिश से बचाने के लिए शुक्रवार शाम न्यू मार्केट स्क्वायर से टेंट लगाने की शुरूआत की। इस अवसर पर न्यू मार्केट व्यापारी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष सतीश गंगराड़े, पूर्व सचिव अजय देवनानी आदि मौजूद रहे।

उज्जैन ने पेश की सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल

शहर के विकास के लिए नागरिकों ने 18 धार्मिक स्थलों को आपसी सामंजस्य से हटाया

उज्जैन। दुनिया में महाकाल ज्योर्तिलिंग से प्रसिद्ध, मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन ने सांप्रदायिक सौहार्द का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया है। शहर में विकास की दृष्टि से कोई बाधा न हो, इसके लिए सभी धर्मों के नागरिकों ने आपसी तालमेल और समन्वय से जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए जिला प्रशासन को सहयोग प्रदान किया। दरअसल उज्जैन शहर के केडी मार्ग के चौडीकरण का कार्य प्रगति पर है, मार्ग में सभी धर्मों के 18 धार्मिक स्थल एवं निजी भवन विकास में बाधा बन रहे थे, जिन्हें नागरिकों के आपसी सामंजस्य, समन्वय व स्वेच्छा से शांतिपूर्वक हटाया गया है। धार्मिक स्थलों को लोगों द्वारा स्वेच्छा से हटाना विकास की दिशा में सांप्रदायिक सौहार्द का उल्लेखनीय उदाहरण प्रस्तुत करता हैं।

उज्जैन जिला प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम की संयुक्त टीम द्वारा गुरुवार और शुक्रवार को केडी गेट तिराहें से तीन इमली चौराहे के जद में आने वाले 18 धार्मिक स्थलों को जनसहयोग से शांतिपूर्वक ढंग से हटाने की कार्रवाई की गई हैं। जिसमें धार्मिक स्थलों के व्यवस्थापकों , पुजारियों और लोगों द्वारा भी सहयोग किया गया। 18 धार्मिक स्थलों में 15 मंदिर, 2 मस्जिद, एक मजार हैं, जिन्हें पीछे करने और अन्यत्र स्थापित करने की कार्यवाही की गई हैं। हटाई गई प्रतिमाओं को प्रशासन द्वारा धार्मिक स्थलों के व्यवस्थापकों द्वारा बताए गए निर्धारित स्थान पर विधि विधान से स्थापित किया गया। साथ ही 20 से अधिक भवन जिनका गलियारा आगे बढ़ा लिया गया था। ऐसे भवनों के उस हिस्से को भी भवन स्वामियों द्वारा स्वेच्छा से तोड़ने की कार्यवाही की गई।

धार्मिक भावना आहत न हो इसका रखा गया विशेष ध्यान

जिला प्रशासन के निर्देशानुसार धार्मिक स्थलों को हटाने से पूर्व और दौरान प्रत्येक संप्रदाय के व्यस्थापकों और प्रमुख लोगों से चर्चा की गई और समन्वय स्थापित किया गया। कलेक्टर श्री सिंह के निर्देशानुसार किसी भी संप्रदाय की धार्मिक भावना आहत न हो इस बात का विशेष ध्यान रखा गया।

नौतपा शुरू: मप्र में भीषण गर्मी का दौर, लू का रेड अलर्ट

भोपाल। सूर्य के कृतिका से रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करने के साथ ही आज 25 मई से नौतपा शुरू हो गया है। प्रदेशभर में भीषण गर्मी पड़ रही है। 2 जून तक तेज गर्मी रहेगी, क्योंकि सूर्य की किरणें सीधे धरती पर पड़ेंगी। पहले ही दिन गुना, अशोकनगर और निवाड़ी में लू का रेड अलर्ट है। 10 साल के आंकड़ों पर नजर डालें तो 5 साल ऐसे रहे, जब नौतपा में प्रदेश जमकर तपा। सबसे गर्म ग्वालियर, चंबल, मालवा-निमाड़ रहे। इस बार भी इन्हीं जिलों में भीषण गर्मी पड़ेगी। महाकाल के दर्शन करने उज्जैन पहुंच रहे श्रद्धालुओं के लिए मंदिर समिति ने नंदी हॉल में कूलर लगाए हैं। मंदिर परिसर में रास्तों पर पानी डाला जा रहा है। इधर, गुना जिला अस्पताल में मरीजों को घर से पंखे लेकर जाना पड़ रहा है।

आईएमडी भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक डॉ. वेदप्रकाश सिंह ने बताया, 31 मई तक प्रदेश में भीषण गर्मी का अलर्ट है। ग्वालियर, चंबल, इंदौर-उज्जैन संभाग में तेज गर्मी पड़ेगी। अन्य जिलों में भी हीट वेव, यानी गर्म हवाओं का असर रहने का अनुमान है। हिल स्टेशन पचमढ़ी में पारा बाकी शहरों के मुकाबले तापमान कम है। पचमढ़ी में अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 22 डिग्री के आसपास है। शुक्रवार को यहां अधिकमत तापमान 37.8 डिग्री, न्यूनतम 22.6 डिग्री रिकॉर्ड हुआ। यह शिमला से 5.2 डिग्री ज्यादा है, वहां शुक्रवार रात का पारा 17.4 रिकॉर्ड हुआ है। शुक्रवार को 1 हजार से ज्यादा पर्यटक पचमढ़ी पहुंचे। 150 फीट ऊंचाई से गिरता वी फॉल, अप्सरा झरना और यहां की हरियाली टूरिस्ट को पसंद आ रही है।

शुक्रवार को एमपी में सबसे गर्म था राजगढ़

शुक्रवार को राजगढ़, रतलाम-नीमच में रिकॉर्ड 46 डिग्री पारा रहा। इनमें राजगढ़ सबसे गर्म रहा। यहां दिन का तापमान 46.3 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, 12 शहरों में तापमान 44 डिग्री के पार रहा। मौसम विभाग ने शनिवार को छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में आंधी-बारिश का अलर्ट भी जारी किया है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. अमर डिब्बेवाला ने बताया, रोहिणी 15 दिन की रहती है, लेकिन 9 दिन में तेज गर्मी पड़ती है। धारणा है कि पानी गिरने पर कम बारिश होती है और इसे पानी गिरने पर रोहिणी को गलना कहा जाता है? रोहिणी वर्षा ऋतु का चक्र होता है। अच्छे योग बनने से मानसून में औसत से अधिक बारिश होती है।

एमपी नगर की 52 दुकानों का मामला अवैध कब्जे के मामले में नगर पालिका निगम की कार्रवाई

भोपाल । अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर रखी गई 52 दुकानों की चर्चा एमपी नगर जॉन 1 में हो रही है। इन दुकानों के मालिकों ने भगत जी चाऊमीन से लेकर भारत गैरेज तक कई वर्षों से अवैध तरीके से जमीन पर अपनी दुकानें रखी हैं। इसमें 2 फरवरी 2024 को अजय दुबे की दुकान को बिना सूचना दिए हटा दिया गया था, जबकि उसके पास दुकान के पेपर हैं। यह जो दुकानें रखी गई हैं, उन्हें नगर निगम के अधिकारियों से रखने की अनुमति थी।

पांच लोगों ने नगर निगम कमिश्नर को आवेदन दिया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इन लोगों ने सीएम हेल्पलाइन में भी शिकायत की, लेकिन अधिकारियों ने उनकी मिली भगत से कोई कार्रवाई नहीं की। सीएम हेल्पलाइन को हटा दिया गया है। जिसमें 2 फरवरी 2024 को अजय दुबे की दुकान को बिना सूचना दिए हटा दिया गया जबकि दुकान के कागजात हैं। सीएम हेल्पलाइन में भी अजय दुबे के द्वारा शिकायत की गई जो कि अभी तक लंबित है। उसमें उन्हें गुमठी वापसी के लिए विधिवत समझौता शुल्क जमा करने की प्रक्रिया करनी होगी।

भोपाल में दो मंजिला बिस्किट बैकरी में आग लगी, 5 दमकलों ने 3 घंटे में बुझाई

भोपाल। भोपाल के कबाड़खाना इलाके में बिस्किट की बैकरी में शनिवार सुबह आग लग गई। इससे लाखों रुपए का सामान जल गया। 5 दमकलों की मदद से आग पर करीब 3 घंटे में काबू पाया जा सका।

घटना सुबह 5.30 बजे की है। कबाड़खाना इलाके में मजहर की दो मंजिला बिल्डिंग में बैकरी है। सुबह साढ़े 5 बजे जब लोग बैकरी के सामने से गुजरे तो शेड और खंभे के पास धुआं उठते देखा। तुरंत फायर स्टेशन पर सूचना दी गई। इसके बाद न्यू कबाड़खाना, फतेहगढ़, पुल बोगदा और बैरागढ़ से 5 दमकलें मौके पर पहुंचीं। साढ़े 8 बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

दमकलकर्मी नौशाद खान ने बताया

बुझाने के बावजूद आग सुलग रही थी। इसलिए 9 बजे तक टीमें कूलिंग में जुटी रहीं। दो मंजिला बैकरी के ऊपरी हिस्से में शेड है, जो पूरी तरह से आग की चपेट में आ गया। आग की ऊंची-ऊंची लपटें उठ रही थी। इससे आसपास रहने वाले दहशत में आ गए। कई लोग तो खुद ही आग बुझाने में मदद करने लगे। इस बैकरी में दिन-रात काम होता है, लेकिन शुक्रवार-शनिवार की रात में काम नहीं हो रहा था। इसी दौरान आग लग गई। बैकरी में लाखों का सामान रखा था, जो पूरी तरह से जल गया।

बेकाबू कार हाईवे की पुलिया से टकराई, 3 की मौत,एक गंभीर घायल

रायसेन। रायसेन जिले के बरेली में शुक्रवार रात अनियंत्रित होकर एनएच 45 छींद मोड़ के पास एक कार हाईवे पर पुलिया से टकरा कर पलटी गई। रात करीब 11.30 बजे हुई इस घटना में कार सवार 3 युवकों की मौत हो गई। वहीं, एक घायल को भोपाल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार उदयपुरा तहसील के बिजन्हाई गांव के महेन्द्र यादव अपनी बहन के मकान के उद्घाटन कार्यक्रम में सीहोर गए थे। कार्यक्रम में शामिल होकर सीहोर से वापस लौट रहे थे। कार में चार लोग सवार थे। इसी दौरान यह घटना घटी। बरेली पुलिस ने मौके पर पहुंचकर सभी को कार से बाहर निकाला। हादसे में महेन्द्र यादव पिता जमुना प्रसाद

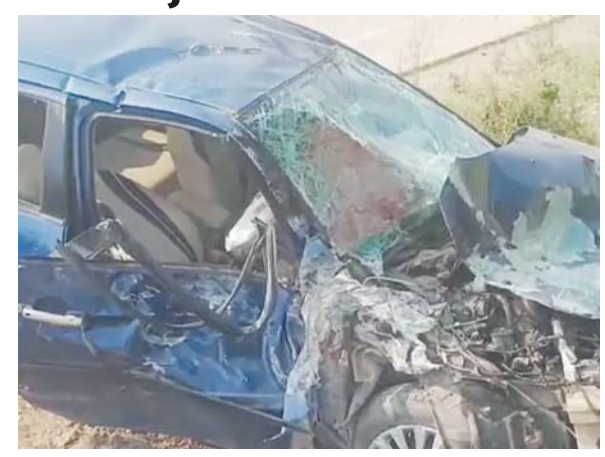

यादव (38), राजेश यादव पिता मुन्नालाल यादव (35) और राजा यादव पिता शंकरलाल यादव (28) की मौत हो गई। तीनों उदयपुरा तहसील के बिजन्हाई गांव के रहने वाले थे। वहीं एक अन्य यशवंत धाकड़ को गंभीर हालत होने के चलते सिविल अस्पताल बरेली से भोपाल रेफर किया गया है। यशवंत को एम्स में भर्ती करवाया गया है

अस्पतालों, नर्सिंग होम्स की जांच करेंगे नगर निकाय: होगी कार्रवाई

भोपाल। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में बने सरकारी और निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम्स की जांच होगी। भीषण गर्मी के दौर में आग लगने की घटनाओं को देखते हुए नगरीय विकास और आवास विभाग ने सभी जिलों के कलेक्टरों और नगरीय निकाय प्रमुखों से कहा है कि अस्पताल और नर्सिंग होम्स की फायर सेफ्टी की जांच कराकर रिपोर्ट दी जाए। इसको लेकर पिछले माह स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख सचिव ने नगरीय विकास को पत्र लिखा था, और गर्मी में होने वाली आगजनी की घटनाओं के मद्देनजर फायर सेफ्टी ऑडिट की रिपोर्ट लेने के लिए कहा था। कमिश्नर नगरीय विकास द्वारा जारी निर्देश में कहा है कि ग्रामीण क्षेत्र, नगर निगम, नगर पालिका, नगर परिषद में संचालित अस्पताल और नर्सिंग होम्स की जांच 15 दिन में कराकर रिपोर्ट भेजें और इनमें चुनाव आचार संहिता के प्रावधानों का भी ध्यान रखें।

प्रादेशिक ग़ज़ल गोष्ठी 26 को

भोपाल । मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक ग़ज़ल गोष्ठी का आयोजन रविवार दिनांक 26 मई 2024 को अपराह्न 2 बजे से नरेश मेहता कक्ष, हिन्दी भवन भोपाल में उर्दू अकादमी की निदेशक डॉ. नुसरत मेंहदी के मुख्य आतिथ्य, वरिष्ठ ग़ज़लकार श्री संतोष जैन, घोड़ा डोंगरी के सारस्वत आतिथ्य एवं डॉ राम वल्लभ आचार्य की अध्यक्षता में किया जायेगा। गोष्ठी का संचालन मनीष बादल करेंगे।

काउंटिंग के पहले कांग्रेस के मास्टर ट्रेनर्स की ट्रेनिंग

भोपाल। लोकसभा चुनाव के वोटों की गिनती चार जून को होनी है। मध्यप्रदेश में काउंटिंग को लेकर कांग्रेस अपने काउंटिंग एजेंट्स को बारीकियां सिखाने के लिए 27 लोकसभाओं के 100 मास्टर ट्रेनर्स को शनिवार को भोपाल में ट्रेनिंग दी जा रही है। ट्रेनिंग के बाद ये सभी मास्टर ट्रेनर अपने लोकसभा क्षेत्र के काउंटिंग एजेंट्स को ट्रेनिंग देंगे। मप्र कांग्रेस के उपाध्यक्ष और चुनाव आयोग कार्य के प्रभारी जेपी धनोपिया ने बताया कि पीसीसी चीफ जीतू पटवारी के निर्देश पर यह ट्रेनिंग रखी गई है। इसमें काउंटिंग एजेंट बनाने से लेकर मतगणना के दिन कौन सी बातों का ध्यान रखना है। इसकी विस्तार से जानकारी दी जाएगी। धनोपिया ने यहां पहुंचे लोगों को जानकारी देना शुरू कर दिया है।

साबूमल रीझवानी का निधन

हिरदाराम नगर पूज्य सिंधी पंचायत के अध्यक्ष साबूमल रीझवानी का आकस्मिक निधन हो गया है। उपनगर सहित भोपाल के तमाम सिंधी समाज के लोगों ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। **ओम शांति।**